नई दिल्ली। शुक्रवार, 09 अक्टूबर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 274/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल फीफा रैंकिंग: स्पेन टॉप पर बरकरार...
@ विचार नाना पाटेकर: अभिनय की आग में तपा असाधारण...
@ व्यापार शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद...

खबर झरोखा

महाराष्ट्र के पालघर में भूकंप के झटके

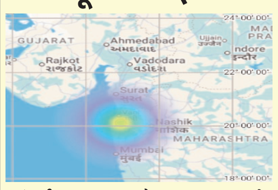

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिले में गुरुवार शाम भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने 'एक्स' पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। इसके मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 मापी गई, जो कम तीव्रता की श्रेणी में आती है। एनसीएस के अनुसार, भूकंप का समय 8 अक्टूबर, शाम 7 बजकर 16 मिनट 20 सेकेंड (आईएसटी) रहा। भूकंप का केंद्र अक्षांश 20.109 और देशांतर 72.948 पर स्थित था। जमीन से इसकी गहराई 7 किलोमीटर दर्ज की गई है। एजेंसी के अनुसार भूकंप का स्थान नासिक (महाराष्ट्र) से 88 किलोमीटर पश्चिम में था।

भारत-ग्रीस ने रक्षा और रणनीतिक सहयोग पर चर्चा की

नई दिल्ली। भारत और ग्रीस ने गुरुवार को समुद्री सहयोग, तटीय सुरक्षा और जहाज निर्माण पर जोर देते हुए रक्षा और रणनीतिक सहयोग पर चर्चा की। गुरुवार को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और ग्रीस के समुद्री मामलों और द्वीपीय नीति के उप मंत्री स्टेफानोस गिकिकास के बीच हुई बैठक में ये चर्चाएं हुईं।

राजघाट पहुंचा विपक्ष का 'वोट चोरी' के खिलाफ प्रदर्शन

राहुल-खड़गे ने संभाली कमान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में कथित अनियमितताओं के खिलाफ कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष का प्रदर्शन गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजघाट तक मार्च निकाला।

गुरुवार शाम सैकड़ों विपक्षी नेता और कार्यकर्ता राजघाट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपना विरोध जताया और आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा की। इससे पहले कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के वरिष्ठ नेताओं ने कनॉट प्लेस में दोपहर के भोजन के दौरान बैठक की। बैठक में एसआईआर को लेकर लगाए जा रहे आरोपों और कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे पर आंदोलन को और तेज करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया। विपक्षी दल सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का आरोप है कि मतदाता सूची के एसआईआर में अनियमितताएं हुई हैं और इससे मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। राजघाट पर मीडिया से बातचीत में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने एक बार फिर सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लोगों की आवाज सुनने की भी अपील की। इससे पहले लंच बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष से हासिल की गई आजादी को चुनाव आयोग द्वारा 'छीना' जा रहा है और लोगों के 'वोट देने के अधिकार' को खत्म किया जा रहा है।

राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस के कई अन्य नेता पिछले दो दिनों से राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्षी दल चुनाव आयोग पर कथित 'वोट चोरी' का आरोप लगाते हुए सीईसी के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ मिलकर देश के लोकतंत्र को प्रभावित करने और कथित आपराधिक साजिश के तहत लोगों के वोट चोरी करने का प्रयास किया है।

मां-बेटी मर्डर-रेप केस, 3 को फांसी: चौथे को उम्रकैद

सूरजपुर ■ रविशंकर गुप्ता

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में मां-बेटी हत्याकांड मामले में स्पेशल कोर्ट ने मुख्य आरोपी कुलदीप समेत 3 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। वहीं, चौथे आरोपी आर्यन विश्वकर्मा को उम्रकैद की सजा दी गई है।

कोर्ट ने 29 सितंबर को चारों आरोपियों को हत्या, रेप और पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी माना था। मामला 14 अक्टूबर 2024 का है। आरोपियों ने हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी और बेटी की हत्या कर दी थी। वारदात से पहले हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी से रेप किया गया। इसके बाद चाकू से उसकी हत्या कर दी गई। आरोपियों ने बेटी की भी धारदार हथियार से हत्या कर दी। दोनों के शव घर से करीब 5 किलोमीटर दूर फेंक दिए गए थे।

आरोपियों ने बच्ची पर चाकू से 28 बार और उसकी मां पर 33 बार वार किया था। आरोपियों के फिंगर प्रिंट, कपड़ों पर लगे ब्लड सैंपल से हत्या करने की पुष्टि हुई। डीएनए टेस्ट से रेप करने की पुष्टि हुई। मामले की सुनवाई न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल की फास्ट ट्रैक कोर्ट में हुई। 29 सितंबर को दोषी करार दिए जाने के बाद कोर्ट से बाहर निकलते समय मुख्य आरोपी कुलदीप साहू हंसता हुआ नजर आया था। उसने पत्रकारों की ओर स्माइली साइन भी बनाया था।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनाई सजा, मायूस दिखे आरोपी

सूरजपुर फास्ट ट्रेक कोर्ट में आरोपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से पेश हुए। सभी आरोपी अंबिकापुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग से कोर्ट में पेश हुए आरोपियों को सजा सुनाई।

जेल अधीक्षक अक्ष्य सिंह राजपूत ने बताया कि वीडियो कांफ्रेसिंग से सजा सुनते ही आरोपी मायूस हो गए। सभी की निगरानी बढ़ा दी गई है। दरअसल, 9 अक्टूबर 2024 की रात शहनाज अख्तर का जगराता कार्यक्रम था। इस दौरान हत्याकांड के मुख्य आरोपी कुलदीप साहू के भाई संदीप साहू का नवापारा के कुछ युवकों से विवाद हो गया था।

अब केवल 10 दिन में स्वीकार होगा रिफंड का दावा, आईटीसी का भी हुआ विस्तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जीएसटी परिषद की गुरुवार को हुई 57 वीं बैठक में देश में व्यापार में आसानी को बढ़ाने के लिए कई फैसले लिए गए, जिसमें रिफंड प्रक्रिया को तेज करना और आईटीसी का विस्तार भी शामिल हैं। जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में रिफंड प्रोसेस को तेज बनाने का प्रस्ताव दिया गया है। इसके तहत अब रिफंड क्लेम को स्वीकार करने की अवधि को 15 दिनों से घटाकर 10 दिन कर दिया गया है। अगर इस समय-सीमा के अंदर न तो कोई रिफंड क्लेम स्वीकार होता है और न ही इसमें किसी कमी के बारे में सूचना जारी की जाती है, तो क्लेम को स्वीकार किया हुआ माना जाएगा।

इसमें किसी अधिकारी के बजाय, सिस्टम रिस्क असेसमेंट के आधार पर क्लेम का 90 प्रतिशत हिस्सा मंजूर करेगा। अभी रिफंड ऑर्डर मिलने के सात दिनों के भीतर जारी किया जाता है, लेकिन अब यह तीन कार्यदिवस दिनों के भीतर जारी कर दिया जाएगा।

आईडी के जोरदार धमाके में सीआरपीएफ के 4 जवान घायल, 2 की हालत नाजुक

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। कोंटा रेज के कोलाईगुड़ा-एलार्मडगु में विस्फोटक निष्क्रीय करने के दौरान सीआरपीएफ के चार जवान घायल हो गए, इनमें से 2 जवानों की हालत अत्यंत नाजुक बताई गई है। वहीं उपचार के लिए जवानों को रायपुर रिफर किया गया है।

बता दें कि 8 अक्टूबर को सीआरपीएफ कोन्टा रेंज अंतर्गत विभिन्न कैंपों (पिड़मेल, डब्बाकोंटा, कोलाईगुड़ा एवं एलार्मडगु) के निरीक्षण एवं वहां संधारित अनसर्विसिबल/शेष बचे विस्फोटकों के सुरक्षित विनष्टीकरण हेतु जगदलपुर से एम्युनिशन टेक्नीशियन टीम (एटीटी) 50वीं वाहिनी सीआरपीएफ एलार्मडगु कैंप थाना भेज्जी जिला सुकमा पहुँची थी।

थाना भेज्जी अंतर्गत एलार्मडगु कैंप से लगभग 200 मीटर दूर स्थित बोदराजपदर नाला के पास टीम द्वारा सुरक्षा मानकों के तहत विस्फोटकों के विनष्टीकरण की प्रक्रिया संपादित की जा रही थी। इस दौरान दुर्घटनावश एक विस्फोटक का अंश/बम उड़कर पास में आ गिरा और ब्लास्ट हो गया।

इस आकस्मिक दुर्घटना में सुरक्षा ड्यूटी व विनष्टीकरण में संलग्न निम्नलिखित अधिकारी एवं जवान घायल हुए हैं:-एएसआई एम. के. तिवारी (एटीटी टीम) - गंभीर चोट, एएसआई अनीश खान (50 वाहिनी, (सीआरपीएफ) - गंभीर चोट, निरीक्षक अमरनाथ मिश्रा (एटीटी टीम) - सामान्य चोट, प्र.आर. कुलदीप राज (50 वाहिनी, (सीआरपीएफ) - सामान्य चोट।

घटना के तत्काल उपरांत प्राथमिक उपचार देते हुए सभी 04 घायल जवानों को त्वरित रूप से शासकीय अस्पताल, कोन्टा भेजा गया है, जहाँ उनका समुचित उपचार जारी है। गंभीर रूप से घायल जवानों को आवश्यकतानुसार उच्च चिकित्सा संस्थान रेफर करने की तैयारी की जा रही है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है।

दिल्ली में 4 लाख से ज्यादा नए पंजीकरण

नई दिल्ली। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने डेली बुलेटिन जारी किया है। पुराना सेंट स्टीफंस कॉलेज बिल्डिंग, कश्मीरी गेट स्थित कार्यालय से जारी इस बुलेटिन में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। यह स्टेटस रिपोर्ट 8 अक्टूबर 2026 की है और 31 अगस्त 2026 से 30 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले दावा एवं आपत्ति अवधि से संबंधित है। बुलेटिन के आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में नए मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह है। फॉर्म-6 यानी नए पंजीकरण के तहत 30 अगस्त तक कुल 2,12,400 फॉर्म प्राप्त हुए थे, जबकि 31 अगस्त से 7 अक्टूबर तक 2,02,359 नए फॉर्म और प्राप्त हुए हैं।

अलविदा नाना! पर्दे का बेमिशाल कलाकार विदा

एजेंसी ■ मुंबई

बॉलीवुड इंडस्ट्री के वेटरन एक्टर नाना पाटेकर का गुरुवार को निधन हो गया। उन्हें गोवा के डोना पाउला स्थित उनके निवास पर बेहोशी की अवस्था में पाया गया और तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, नाना पाटेकर को सुबह 5:20 बजे मृत घोषित किया गया। शुरुआती जांच में बताया गया कि उन्हें गंभीर कार्डियक अरेस्ट हुआ था। डॉक्टरों ने अस्पताल लाए जाने के बाद लगभग 45 मिनट तक उन्हें रिवाइव करने की कोशिश की, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला।

मणिपाल हॉस्पिटल के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. शेखर सालकर ने बताया, 'लगातार 45 मिनट तक सीपीआर के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। एक मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) दर्ज किया गया है और पोस्टमार्टम किया जाएगा। 'नाना पाटेकर का जन्म 1 जनवरी 1951 को हुआ था। उनका असली नाम विश्वनाथ पाटेकर था और वे एक मराठी परिवार से आते थे। उनके पिता गजानन (दिनकर) पाटेकर एक टेक्सटाइल पेंटर और बिजनेसमैन थे, जिनका निधन तब हुआ था, जब नाना पाटेकर 28 साल के थे। उनकी मां निर्मला पाटेकर (संजनाबाई पाटेकर) एक गृहिणी थीं। जो 29 जनवरी 2019 को 99 साल की उम्र में निधन तक दिग्गज एक्टर के साथ रहीं।

नाना पाटेकर के निधन पर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने जताया दुख

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दुख जताया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने नाना पाटेकर के निधन को भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति बताया। इसके साथ उन्होंने कहा कि नाना पाटेकर ने फिल्मों में ऐसे कई किरदार निभाए, जिन्होंने लोगों के दिलों और दिमाग पर एक अलग छाप छोड़ी है।

राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ' 'दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से गहरा दुख हुआ है।

संबधित रिपोर्ट पृष्ट क्रमांक 4-7 में भी पढ़े

तीर तेवर — सागर कुमार

5 हजार से अधिक युवाओं का अंतिम चयन: मुख्यमंत्री साय

संवाददाता ■ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर कौशल प्रशिक्षण और उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के बेटे-बेटियों को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर अपने ही प्रदेश में मिलें, वे अपने कौशल और प्रतिभा के बल पर आत्मनिर्भर बनें तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनें। मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला-2026 के समापन अवसर पर युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री के करकमलों से लगभग 1,100 चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए।

7 एवं 8 अक्टूबर को आयोजित दो दिवसीय रोजगार मेले में प्रदेशभर से 13 हजार से अधिक युवाओं ने सहभागिता की। विभिन्न कंपनियों द्वारा आयोजित चयन प्रक्रियाओं के बाद 5 हजार से अधिक अभ्यर्थियों का अंतिम चयन हुआ। प्रदेश के सभी जिलों के साथ दूरस्थ एवं जनजातीय अंचलों से भी बड़ी संख्या में युवा मेले में पहुंचे और अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के लिए चयन प्रक्रिया में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री साय ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि रोजगार का यह अवसर उनके जीवन में नई शुरुआत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर अपने परिवार के साथ प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

युवाओं के सपनों को अवसरों से जोड़ रही सरकार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में प्रदेशभर में 925 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है, जिनके माध्यम से 25 हजार 845 से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। राज्य स्तरीय रोजगार मेले की सफलता इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और गति देने वाली है। उन्होंने कहा कि आज के समय में शिक्षा के साथ व्यावहारिक कौशल और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण भी आवश्यक है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार युवाओं को शिक्षा से कौशल और कौशल से रोजगार तक जोड़ने की दिशा में निरंतर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा की सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी, एम्स और विधि विश्वविद्यालय जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थान संचालित हैं। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 'प्रयास' जैसी संस्थाओं के माध्यम से भी अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और बेहतर भविष्य के लिए अधिक से अधिक अवसर छत्तीसगढ़ में ही उपलब्ध हों। इसके लिए शैक्षणिक और तकनीकी संस्थानों को उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जा रहा है।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर आप का विशाल धरना, प्रदर्शन

विश्व केसरी

रायपुर। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे एवं उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ द्वारा आज 08 अक्टूबर 2026 को रायपुर के महिला थाना चौक में प्रदेश स्तरीय विशाल धरना प्रदर्शन कर राज्य निर्वाचन आयोग का घेराव किया गया ।

प्रदेश प्रभारी मुकेश अहलावत के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के सभी 90 विधानसभा से आये हजारों कार्यकर्ताओं ने राजधानी में प्रदर्शन किया ।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी मुकेश अहलावत ने अपने सम्बोधन में कहा कि देश में ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या कर रहें हैं और आम आदमी पार्टी लगातार दिल्ली और सभी राज्यों में प्रदर्शन कर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ़्तारी की मांग कर रही है।सुप्रीम कोर्ट ने फॉर्म 6 मामले में ECI और केंद्र को नोटिस भेजा है कोर्ट ने जवाब मांगा है कि फॉर्म 6 किसकी परमिशन से वेबसाइट में अपलोड किया।

लेकिन ज्ञानेश कुमार और आयोग तानाशाह बना हुआ है। फॉर्म 7 का दुरूपयोग कर खास चिन्हित लोगों के नाम कटवाकर और फर्जी नाम जुड़वाकर देश में ज्ञानेश कुमार नरेंद्र मोदी और अमित शाह के इशारे पर काम कर रहें हैं।

प्रदेश सह प्रभारी सौरभ झा, सह प्रभारी समर कुमार,सह प्रभारी राकेश जाटव और सह प्रभारी राजेश कुमार ने सयुंक्त रूप से कहा कि पद का दुरूपयोग कर ज्ञानेश कुमार ने पिछले 4-5 राज्यों के चुनावों में धांधली कर भाजपा को फायदा पहुँचाया है इसलिए नरेंद्र मोदी जानते थे कि एक ना एक दिन इसका खुलासा होगा इसलिए पहले ही कानून बनाकर मुख्य चुनाव आयुक्त का बचाव कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि ज्ञानेश कुमार जल्द ही इस्तीफा नहीं देंगे तो आम आदमी पार्टी पूरे छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ में और उग्र रूप में प्रदर्शन करेगी ।

विधायकों की समिति ने दिल्ली में नवीन संसद भवन का किया अवलोकन

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा छत्तीसगढ़ के नवीन विधान सभा भवन के सौंदर्यीकरण हेतु गठित मान. विधायकों की समिति ने आज नवीन संसद भवन सेंन्ट्रल विस्टा, नई दिल्ली का भ्रमण एवं अवलोकन किया । समिति ने नवीन संसद भवन के अंदर की आधुनिक तकनीक और भारतीय सांस्कृति एवं स्थापत्य परंपरा का अवलोकन किया । नवीन संसद भवन के अंदरूनी हिस्सों में भारतीय कला शिल्प और संस्कृति प्रतीकों का व्यापक उपयोग किया गया है । नवीन संसद भवन के अंदर विभिन्न राज्यों की चित्रकला, मूर्तिकला, हस्तशिल्प और पारंपरिक कला को प्रदर्शित किया गया है ।

इस अवसर पर समिति के मान. सभापति धरम लाल कौशिक सहित समिति के मान. सदस्य अजय चंद्राकर, धरमजीत सिंह, राघवेन्द्र सिंह, श्रीमती भावना वोहरा, छत्तीसगढ़ विधान सभा के सचिव दिनेश शर्मा केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के अभियंता अश्वनी मित्तल एवं लोकसभा एवं राज्यसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

समिति ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र सदस्य सचिव सच्चिदानंद जोशी के साथ भी बैठक कर नवीन छत्तीसगढ़ विधान सभा के सौदर्यीकरण पर भी विचार विमर्श किया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी में तनाव प्रबंधन एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष कार्यशाला

विश्व केसरी

रायपुर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह-2026 के अवसर पर आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी (छत्तीसगढ़) में पुलिस प्रशिक्षणार्थियों के लिए तनाव प्रबंधन और मानसिक स्वास्थ्य विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का संचालन रायपुर मनोपचार (PGIBAMS) के एक फैकल्टी सदस्य और 10 एम.फिल. क्लिनिकल साइकोलॉजी के विद्यार्थियों की एक टीम द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

मुख्य चर्चा और व्यावहारिक प्रशिक्षण

कार्यशाला के दौरान पुलिस सेवा में तनाव के प्रमुख स्त्रोतों, तनाव के शुरुआती लक्षणों की पहचान और उसके व्यावहारिक प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए निम्नलिखित सरल और वैज्ञानिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया:

डायाफ्रामैटिक ब्रीदिंग
फाइव-सेंस ग्राउंडिंग

थॉट क्लाउड एवं सोच में सुधार

डिजिटल डिटॉक्स
स्लीप हाइजीन
साइकोलॉजिकल फर्स्ट

कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. मनोज के. पांडेय ने कहा।

'पुलिसकर्मियों का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावी पुलिसिंग, बेहतर निर्णय क्षमता और संवेदनशील जनसेवा का महत्वपूर्ण आधार है। तनाव को समय रहते पहचानकर उसका वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करना बेहद आवश्यक है।'

इस कार्यशाला का मुख्य संदेश यह रहा कि एक मानसिक रूप से स्वस्थ पुलिस बल ही अधिक सजग, संतुलित, संवेदनशील और प्रभावी पुलिस बल के रूप में अपनी सेवाएं दे सकता है।

सेवा संकल्प अभियान सेवा मेरा योगदान

विश्व केसरी

रायपुर। अर्पण दिव्यांग स्कूल पर (मंगलमय वेलफेयर सोसाइटी)के तरफ से और एनजीओ प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों की तरफ से करण बदीर बच्चों को पेंसिल रबर, कटर और कुछ खाने का सामान दिया तथा अर्पण दिव्यांग स्कूल के सभी स्टॉप को वस्त्र भी दान दिया गया और इस सेवा संकल्प अभियान को बहुत हर्ष ओर उल्लास के साथ सभी ने किया बच्चों के साथ संस्था के सदस्य और एनजीओ प्रकोष्ठ के पदाधिकारी ने कुछ समय व्यतीत किया बच्चों के साथ मंगलमय वेलफेयर सोसाइटी की संस्थापक और अध्यक्ष प्रिया सिंह जो कि एनजीओ प्रकोष्ठ की (कार्यकारणी सदस्य)भी हैं उनका मानना है कि सेवा ही नारायण सेवा है जिसमें उनका सहयोग संस्था के और एनजीओ प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारी ने दिया ओर इसमें शामिल रहे।एनजीओ प्रकोष्ठ से जिला संयोजक राहुल हरितवाल जी, जिला सह-संयोजक सुकृत गनोदवाले जी, जिला सोशल मीडिया प्रभारी रुपेश यादव। जी उपस्थित रहे तथा श्री मंगलमय वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्ष प्रिया सिंह जी सभी सदस्य गण रूपाली मेश्राम, लतेश्वरी चौहान, संगीता नागपुरे, दमयंती वर्मा, रेखा राहंगडाले, रुचिका शर्मा, माही गौतम तथा अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे।

तेलीबांधा चौक के नामकरण में कोई छेड़छाड़ नहीं: ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू ने रायपुर तेलीबांधा चौक के नामकरण को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम पर कड़ा प्रतिवाद करके स्पष्ट किया है कि तेलीबांधा चौक साहू समाज का मान-सम्मान और पहचान है, हमारे पुरखों का बनाया हुआ स्थान है। इसके नामकरण को लेकर फैलाई जा रही बातें पूरी तरह से अविश्वसनीय, निराधार हैं।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन प्रमुख के रूप में जन-सेवा व सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत 7 अक्टूबर को आयोजित सेवा ज्योति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घोषणा की थी कि प्रदेश के 38 स्थानों पर 'सेवा ज्योति संकल्प चौक' विकसित किए जाएंगे, जिनमें तेलीबांधा चौक भी शामिल है। लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं लगाया जाना चाहिए कि चौक का नाम बदला जा रहा है और उसके मूल स्वरूप से कोई छेड़छाड़ की जा रही है।

तेलीबांधा तालाब के दोनों ओर स्थित किसी भी चौक के नामकरण में कोई छेड़छाड़ नहीं की जा रही है और न ही ऐसा कोई प्रस्ताव है। 'सेवा ज्योति संकल्प चौक' के रूप में प्रस्तावित स्थान नेशनल हाई-वे रिंग रोड के समीप भूमि के टुकड़े पर प्रस्तावित है। साहू ने कहा कि तेलीबांधा चौक के नामकरण को लेकर किसी को भी भ्रम में नहीं रहना चाहिए। तेलीबांधा चौक का नाम यथावत रहेगा, इसे केवल 'सेवा ज्योति संकल्प' की भावना के अनुरूप विकसित किया जाएगा।

तेलीबांधा चौक का नाम बदले जाने की आशंका पर भड़का साहू समाज

किसी तरह का भ्रम न रखें: सीएम

विश्व केसरी

रायपुर। शहर के तेलीबांधा चौक के नाम को लेकर उस वक्त विवाद खड़ा हो गया, जब प्रदेश के 38 स्थानों पर 'सेवा ज्योति संकल्प चौक' विकसित किए जाने की घोषणा में तेलीबांधा चौक का भी नाम सामने आया. चौक के नाम में बदलाव की आशंका को लेकर साहू समाज ने आपत्ति जताई और रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे से मुलाकात कर अपनी बात रखी।

इस मामले में महापौर के हस्तक्षेप के बाद स्थिति स्पष्ट हुई. वहीं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी साफ कर दिया कि तेलीबांधा चौक का नाम नहीं बदला जा रहा है और इसके मूल स्वरूप से कोई छेड़छाड़ नहीं होगी.

मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि 'किसी तरह का भ्रम न रखें।

महापौर ने किया हस्तक्षेप सेवा ज्योति संकल्प चौक की घोषणा के बाद बढ़ा विवाद

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, प्रदेश के 38 स्थानों पर सेवा ज्योति संकल्प चौक विकसित किए जाने की घोषणा की है। इसी कड़ी में राजधानी रायपुर में भी एक सेवा ज्योति संकल्प चौक बनाया जाना है. इसके लिए तेलीबांधा चौक का नाम सामने आने के बाद साहू समाज में नाराजगी देखने को मिली। समाज की चिंता थी कि कहीं तेलीबांधा चौक के मौजूदा नाम और ऐतिहासिक पहचान में बदलाव न कर दिया जाए।

साहू समाज ने जताई आपत्ति, महापौर से की मुलाकात

अपनी नाराजगी को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के पदाधिकारियों ने रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे से मुलाकात की। साहू समाज के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रदीप साहू ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद स्थिति स्पष्ट नहीं थी कि रायपुर में सेवा ज्योति संकल्प चौक आखिर किस स्थान पर बनाया जाएगा। जब तेलीबांधा चौक का नाम सामने आया तो समाज में इसे लेकर आक्रोश पैदा हुआ। इसके बाद समाज के प्रतिनिधियों ने महापौर के सामने अपनी आपत्ति और मांगें रखी।

महापौर बोलीं तेलीबांधा चौक में नहीं होगा बदलाव

रायपुर नगर निगम महापौर मीनल चौबे ने साहू समाज को स्पष्ट किया, कि तेलीबांधा चौक के नाम और उसके मूल स्वरूप के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी।

विद्युत उपभोक्ता जागरूकता विषय पर कार्यशाला आयोजित

विश्व केसरी

रायपुर। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम, रायपुर ग्रामीण के तत्वावधान में रायपुर (संचा./संधा.) संभाग में विद्युत उपभोक्ता जागरूकता विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) संजय खंडेलवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण, उपभोक्ता अधिकारों तथा विद्युत विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने उपभोक्ताओं से विद्युत संबंधी समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने तथा अपने अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया।

कार्यशाला के दौरान रायपुर ग्रामीण संभाग के विद्युत उपभोक्ताओं को उनके उपभोक्ता अधिकारों, विद्युत सेवाओं, शिकायत निवारण व्यवस्था एवं निर्धारित समय-सीमा के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यशाला का उद्देश्य उपभोक्ताओं और विद्युत विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध विद्युत सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा।

इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता पुष्पमित्र शर्मा एवं कार्यपालन अभियंता धनंजय वर्मा सहित रायपुर ग्रामीण संभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्युत उपभोक्ता उपस्थित रहे।

समक्ष श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी महोदय (राजस्व) कांकेर, जिला उ.ब. कांकेर छ.ग.

// शपथ-पत्र //

मैं बालसाय मरकाम, सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नि तुलसीराम मरकाम निवासी-हाउस नं. -123, वार्ड नं.-7, बाबू साल्हेटोला, तहसील-नरहरपुर, जिला-उ.ब.कांकेर (छ.ग.), 494335 एतद्वारा पूर्णत: पुष्टि करता हूँ और निम्नानुसार घोषित करता हूँ :

01. मैं हाउस नं.-123, वार्ड नं.-7, बाबू साल्हेटोला, तहसील-नरहरपुर, जिला-उ.ब. कांकेर (छ.ग.), 494335 का स्थायी निवासी हूं।

02. मैं अपने नाबालिग पुत्री-संधिया मरकाम (SANDHIYA MARKAM) से बदलकर संध्या मरकाम (SANDHYA MARKAM) करवाना चाहता/चाहती हूं।

03. मैं अपने पुत्र/पुत्री का नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता/करती हूँ, तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा/रहूंगी।

04. मेरी पत्नी/पति-अगनी मरकाम को हमारे/हमारी नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।

05. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं/रही हूं तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं/रही हूं।

शपथकर्ता
बालसाय मरकाम

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....36058..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 07-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36058

वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR222B00058** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MR.VISHRAM JI S/O MEGHJI CHAWDA KABIZ - MRS. MANORAMA DEVI W/O A.S UPADDHYAY** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती श्री मदन लाल लोढ़ा पिता/पति श्री श्रीमती स्व. श्री चंदन मल लोढ़ा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....36062..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 07-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36062

वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR222A00187** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **KABIZ: MEHATTAR** पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्री भोला निषाद पिता/पति श्री श्रीमती /श्री पंचराम निषाद** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र ,दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पत्र, सहमती सहमती पत्र, पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र, रसीद / वंशानुक्रम शपथ / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36047..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 07-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36047

वार्ड का नाम - 10 - रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227W00016** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **OSKAR LAKRA** पिता/पति श्री श्रीमती **ALOS LAKRA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्रीमती / श्री अभिषेक गोलछा पिता / पति श्रीमती / श्री गुलाबचंद गोलछा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36048..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 07-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36048

वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227500915** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RUCHIKA AWASTHI** पिता/पति श्री / श्रीमती **ADARSH AWASTHI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्रीमती / श्री अभिषेक शेखर पिता/ पति श्रीमती/ श्री कृष्ण चन्द्र शेखर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36050..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 07-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36050

वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227K00134** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. ARUNA AGAR-WAL** पिता/पति श्री /श्रीमती **GOPAL AGARWAL** के नाम से दर्ज है जिसको **श्रीमती/ श्री जयंत कुमार अग्रवाल पिता/पति श्री स्व. गोपाल प्रसाद अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, सहमती पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, टैक्स रसीद /वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक पा दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36051..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 07-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36051

वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227500671** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MADHUKANT AGARWAL** पिता/पति श्री श्रीमती **MRS. SUSHMA AGARWAL** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती सुषमा अग्रवाल पिता/पति श्री स्व. मधुकांत अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, टैक्स रसीद / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

जलवायु परिवर्तन सिर्फ पर्यावरण नहीं, आजीविका और सामाजिक न्याय का भी संकटः विशेषज्ञ

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरणीय संकट नहीं है, बल्कि यह आजीविका, संसाधनों तक पहुंच, प्रतिनिधित्व और शक्ति संतुलन से जुड़ा एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक संकट भी है। विशेषज्ञों ने बुधवार को इस बात पर जोर देते हुए कहा कि जलवायु नीतियों और विकास कार्यक्रमों में जेंडर दृष्टिकोण को केंद्र में रखा जाना चाहिए।

राष्ट्रीय राजधानी में चिंतन रिसर्च फाउंडेशन (सीआरएफ) ने 'जेंडरिंग क्लाइमेट फ्यूचर्सः गर्म होती दुनिया में सत्ता, वित्त और न्याय' शीर्षक से एक नई पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर आयोजित चर्चा में जलवायु परिवर्तन और लैंगिक असमानता के बीच संबंधों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

सीआरएफ के अध्यक्ष शिशिर प्रियदर्शी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव महिलाओं पर अनुपातहीन रूप से अधिक पड़ता है। इसके कारण महिलाओं की आजीविका और शिक्षा दोनों प्रभावित होती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए भूमि स्वामित्व अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें ऋण, वित्तीय सहायता और जलवायु-अनुकूल निवेश तक पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलती है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु नीति में जेंडर को एक पूरक विषय के रूप में नहीं बल्कि एक केंद्रीय तत्व के रूप में देखा जाना चाहिए, क्योंकि इससे यह समझने में मदद मिलती है कि संवेदनशीलता, अनुकूलन और न्याय के मुद्दे किस प्रकार प्रभावित होते हैं।

कल्याणी शुक्ला और सैंड्रा कुरियन द्वारा संपादित इस पुस्तक में दक्षिण एशिया और भारत पर विशेष ध्यान देते हुए जेंडर एवं जलवायु परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया गया है। इसमें संवेदनशीलता, संसाधनों तक पहुंच, निर्णय लेने की क्षमता, जलवायु वित्त और न्यायपूर्ण संक्रमण जैसे मुद्दों को शामिल किया गया है।

पुस्तक में नीति विश्लेषण, केस स्टडी, फेमिनिस्ट पॉलिटिकल इकोलॉजी, जमीनी स्तर के अनुभव और मात्रात्मक शोध सहित विभिन्न दृष्टिकोणों को शामिल किया गया है। चर्चा के दौरान वक्ताओं ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव महिलाओं पर असमान रूप से पड़ते हैं और इस स्थिति से निपटने के लिए महिलाओं की भूमि, वित्त, तकनीक, डेटा और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच को मजबूत बनाना आवश्यक है।

विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि जलवायु और रोजगार नीतियों में जेंडर दृष्टिकोण को मुख्यधारा में लाने के सामने संस्थागत बाधाएं मौजूद हैं।

जर्मनी के नवनियुक्त राजदूत ने रक्षा सचिव से की मुलाकात

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में जर्मनी के नवनियुक्त राजदूत जैस्पर वीक ने गुरुवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से शिष्टाचार भेंट की। दोनों के बीच भारत और जर्मनी के बीच रक्षा सहयोग तथा रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

बातचीत में दोनों देशों के बीच मौजूदा रक्षा सहयोग को और व्यापक बनाने तथा आपसी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने से जुड़े मुद्दे शामिल रहे।

गौरतलब है कि भारत और जर्मनी के बीच लंबे समय से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग रहा है। रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच बढ़ता संपर्क इस व्यापक रणनीतिक साझेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और राजदूत जैस्पर वीक की मुलाकात में इसी सहयोग को नई गति देने पर विचार-विमर्श किया गया।

भारत और जर्मनी के बीच द्विपक्षीय संबंधों को विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के प्रयास लगातार जारी हैं। दोनों पक्षों ने रक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। भारतीय वायुसेना द्वारा इन दिनों बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास तरंग शक्ति 2026 आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान में विभिन्न देशों की वायुसेनाओं की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। राजस्थान के जोधपुर में चल रहे इस अभ्यास में भारत के साथ जर्मनी की वायुसेना भी हिस्सा ले रही हैं।

इसका मुख्य उद्देश्य संयुक्त हवाई अभियानों के जरिए आपसी तालमेल, अनुभव साझा करने और एक-दूसरे की संचालन प्रक्रियाओं को समझने का अवसर देना है।

जम्मू-कश्मीरः पुंछ में एलओसी के पास मिली लैंडमाइन

विश्व केसरी

जम्मू। भारतीय सेना ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सब डिविजन में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास एक लैंडमाइन का पता लगाया, जिसे बाद में सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया गया।

बालाकोट के फॉरवर्ड एरिया में रूटीन पेट्रोलिंग के दौरान इस लैंडमाइन का पता चला और बाद में बम डिस्पोजल टीम ने इसे नष्ट कर दिया। घुसपैठ रोकने के सिस्टम के तहत फॉरवर्ड एरिया में कई जगह लैंडमाइन बिछाई जाती हैं। कभी-कभी बारिश में ये बह जाती हैं और बाद में किसी भी अनहोनी घटना से बचने के लिए इन्हें ढूंढकर नष्ट कर दिया जाता है।

5 अक्टूबर को मेंढर सेक्टर में बसूनी टॉप पर बॉर्डर फेंस के पास दो लैंडमाइन मिली थीं, जिन्हें कंट्रोल करके धमाके के साथ नष्ट कर दिया गया। सेना की बम डिस्पोजल टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया और उन्होंने बिना किसी नुकसान के दोनों विस्फोटकों को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया।

एलओसी के पास के इलाकों में घुसपैठ रोकने के सिस्टम के तौर पर लैंडमाइन का इस्तेमाल किया जाता है। तेज बारिश और मौसमी बाढ़ की वजह से लैंडमाइन अक्सर अपनी असली जगह से हटकर बह जाती हैं। पहाड़ी इलाकों में जंगल की आग से पुरानी या अपनी जगह से हटी हुई लैंडमाइन में अचानक धमाका हो सकता है।

अपनी जगह से हटे हुए विस्फोटक सुरक्षा गश्त करने वालों और बॉर्डर के पास रहने वाले लोगों के लिए खतरा पैदा करते हैं। अधिकारी स्थानीय लोगों और बच्चों को सलाह देते हैं।

शारदीय नवरात्रि में आप भी रख रहे हैं व्रत? जानिए क्या खाएं और किन चीजों से करें परहेज

विश्व केसरी

नई दिल्ली। शारदीय नवरात्रि का पर्व मां दुर्गा की आराधना के लिए बेहद खास माना जाता है। इस दौरान भक्त नौ दिनों तक माता की पूजा-अर्चना करते हैं और अपनी श्रद्धा के अनुसार व्रत रखते हैं। इस दौरान खानपान का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। आम दिनों में खाए जाने वाले कई खाद्य पदार्थ इन दिनों नहीं खाए जाते, जबकि फल, दूध और कुछ खास अनाजों का सेवन किया जाता है।

इस साल शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 11 अक्टूबर से हो रही है। अगर आप भी नौ दिनों तक व्रत रखने की तैयारी कर रहे हैं, तो पहले जान लें कि इस दौरान क्या खाना चाहिए और किन चीजों से दूरी बनाना बेहतर माना जाता है।

नवरात्रि के दौरान आमतौर पर हल्का और सात्विक भोजन करने की परंपरा है। सबसे आसान और पौष्टिक विकल्प ताजे फल हैं। केला, सेब, पपीता, संतरा, अनार जैसे फल शरीर को ऊर्जा देने के साथ पानी की जरूरत भी पूरी करने में मदद करते हैं।

व्रत में दूध, दही, पनीर और घी का सेवन भी किया जाता है। दूध या दही से बनी चीजें पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद कर सकती हैं। हालांकि, जिन लोगों को डेयरी उत्पादों से परेशानी होती है, उन्हें इनसे बचना चाहिए। इसके अलावा कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा और सामक के चावल व्रत के दौरान खाए जाने वाले प्रमुख खाद्य पदार्थ हैं। इनसे रोटी, चीला, खिचड़ी या दूसरे फलाहारी व्यंजन बनाए जा सकते हैं। साबूदाना भी नवरात्रि में काफी लोकप्रिय है। इससे खिचड़ी, खीर और वड़ा बनाया जाता है।

आलू और शकरकंद भी व्रत की थाली का हिस्सा होते हैं। साथ ही बादाम, अखरोट, काजू, किशमिश जैसे मेवे और ड्राई फ्रूट्स कम मात्रा में लेकर ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है। नमक की बात करें तो व्रत में सामान्य नमक की जगह सेंधा नमक इस्तेमाल करने की परंपरा है।

नवरात्रि के व्रत में प्याज, लहसुन, गेहूं, चावल, दाल और सामान्य अनाज का सेवन नहीं किया जाता। मांसाहारी भोजन, शराब और अन्य नशीले पदार्थों से दूरी रखना भी व्रत के नियमों में शामिल है। इसके अलावा बहुत ज्यादा तला-भुना, पैकेट या अत्यधिक प्रोसेस्ड खाना खाने से भी बचना चाहिए।

नवरात्रि का व्रत केवल भोजन से जुड़ा नहीं माना जाता। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दौरान मन और व्यवहार में भी संयम रखने की कोशिश की जाती है। भक्त मां दुर्गा का ध्यान करते हैं, पूजा-पाठ करते हैं और अपनी क्षमता के अनुसार दुर्गा सप्तशती या अन्य धार्मिक पाठ करते हैं। व्रत के दौरान क्रोध, झूठ और नकारात्मक विचारों से बचने तथा ब्रह्मचर्य का पालन करने की बात कही गई है।

दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर रोक के लिए समिति बनाए केंद्रः सुप्रीम कोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को दवा कंपनियों की मार्केटिंग गतिविधियों को वैधानिक रूप से नियंत्रित करने की जरूरत की जांच के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दिया। इसमें डॉक्टरों को अपने उत्पादों के प्रचार के लिए उपहार, आतिथ्य और अन्य लाभ देने जैसी प्रथाओं को भी शामिल किया गया है।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने यह निर्देश दवा कंपनियों की मार्केटिंग गतिविधियों के वैधानिक नियमन और दवा कंपनियों तथा डॉक्टरों के बीच अनैतिक संपर्क पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि केंद्र सरकार तीन सदस्यीय समिति का गठन करेगी। यह समिति इस बात की जांच करेगी कि दवा कंपनियों को नियंत्रित करने के लिए वैधानिक व्यवस्था की आवश्यकता है या नहीं। जरूरत होने पर समिति यह भी सुझाव देगी कि इस तरह का नियमन किस स्वरूप में होना चाहिए।

केंद्र सरकार ने बताया कि मौजूदा नियामक व्यवस्था के तहत दवा कंपनियों से ऐसे लाभ स्वीकार करने वाले डॉक्टरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। हालांकि, खुद दवा कंपनियों के वैधानिक नियमन के मुद्दे पर प्रस्तावित समिति विचार करेगी।

समिति हितधारकों से प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर भी विचार करेगी और दवा कंपनियों की मार्केटिंग गतिविधियों के वैधानिक नियमन की जरूरत के संबंध में केंद्र सरकार को अपनी सिफारिशें देगी।

यह मामला दवा कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को अपने उत्पाद लिखने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुफ्त उपहार, तोहफे, आतिथ्य, यात्रा सुविधाएं और अन्य लाभ दिए जाने की चिंताओं से जुड़ा है।

ओडिशा में स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा पर फोकस, सीएम माझी ने मिशन मोड में काम करने के दिए निर्देश

विश्व केसरी

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गुरुवार को जमीनी स्तर पर सामाजिक क्षेत्र के जटिल मुद्दों की पहचान करने, उनकी जांच करने और उनके तेजी से और स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत और रचनात्मक मंच की जरूरत पर जोर दिया।

लोक सेवा भवन में 'प्रायस' (प्रायस-परिणाम प्राप्त करने और सामाजिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय शासन प्रयास) की एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीएम माझी ने राज्य सरकार के तीन प्रमुख विभागों स्वास्थ्य और परिवार कल्याण (एचएंडएफडब्ल्यू), महिला और बाल विकास (डब्ल्यूएंडसीडी), और स्कूल और जन शिक्षा (एसएंडएमई) के कामकाज की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान कहा, 'स्वास्थ्य, पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा – इन तीन क्षेत्रों के माध्यम से ही एक मजबूत समाज का निर्माण किया जा सकता है।'

मुख्यमंत्री माझी ने संबंधित विभागों को इन क्षेत्रों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए और अधिक सक्रिय कदम उठाने का निर्देश दिया, क्योंकि ये क्षेत्र लोगों की बुनियादी जरूरतों से गहराई से जुड़े हुए हैं।

माझी ने बैठक के दौरान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग को सलाह दी कि वे मातृ मृत्यु दर को जितना हो सके उतना कम करने के लिए कड़े कदम उठाएं।

मुख्यमंत्री ने विभाग को शिशु मृत्यु दर और नवजात मृत्यु दर को कम करने के मकसद से 'मिशन मोड' में काम करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने खास तौर पर ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों की जवाबदेही बढ़ाने और चिकित्सा केंद्रों पर आपातकालीन सेवाओं को और मजबूत करने की भी बात कही।

मुख्यमंत्री ने बच्चों में कुपोषण (जिसमें स्टंटिंग और वेस्टिंग शामिल हैं) के मुद्दे की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया।

सैटेलाइट कम्युनिकेशन कंपनियों की सुरक्षा मंजूरी पर गृह मंत्रालय का फैसला बाकीः केंद्र

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवाओं की शुरुआत फिलहाल गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी मिलने का इंतजार कर रही है। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने गुरुवार को कहा कि इस क्षेत्र की सभी कंपनियां नियामकीय प्रक्रिया के लगभग एक ही चरण में हैं।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026 के दौरान मीडिया से बातचीत में पेम्मासानी ने कहा कि दूरसंचार विभाग पहले ही सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवा प्रदाताओं को लाइसेंस और स्पेक्ट्रम से जुड़ी अस्थायी मंजूरियां दे चुका है। हालांकि, सेवाएं शुरू करने के लिए अंतिम मंजूरी गृह मंत्रालय की सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद ही मिलेगी।

उन्होंने कहा, 'मामला अब सुरक्षा मंजूरी के लिए गृह मंत्रालय के पास लंबित है। जैसे ही मंजूरी मिल जाएगी, उन्हें अनुमति दे दी जाएगी। इसका किसी एक कंपनी से कोई संबंध नहीं है।'

मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं के प्रवेश को लेकर चर्चा जारी है।

उनकी यह टिप्पणी उस दिन आई जब केंद्र सरकार ने स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि भारत सैटेलाइट कम्युनिकेशन नियमों को भेदभावपूर्ण तरीके से लागू कर रहा है।

सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में सेवाएं देने की इच्छुक सभी सैटेलाइट कम्युनिकेशन कंपनियों के लिए निष्पक्ष और गैर-भेदभावपूर्ण अनुमति व्यवस्था अपनाई जा रही है। संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गैर-भूस्थिर सैटेलाइट नेटवर्क संचालित करने वाले तीन 'ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट' सेवा प्रदाताओं को दूरसंचार लाइसेंस दिए जा चुके हैं। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि सभी लाइसेंसधारकों पर समान नियामकीय और सुरक्षा नियम लागू होते हैं।

बयान में कहा गया, 'भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के तहत गैर-भूस्थिर कक्षा आधारित सैटेलाइट संचार सेवाओं के लिए तीन जीएमपीसीएस सेवा प्रदाताओं को टेलीकॉम लाइसेंस प्रदान किए गए हैं।'

पोरबंदर में बनेगा 100 करोड़ रुपए का मरीन बायोटेक कॉरिडोर, गुजरात सरकार की बड़ी योजना

विश्व केसरी

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने पोरबंदर जिले के मोचा गांव में मरीन बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च एंड इनोवेशन कॉरिडोर (एम-बीआरआईसी) स्थापित करने के लिए अगले पांच वर्षों में 100 करोड़ रुपए निवेश की योजना बनाई है। इस परियोजना के तहत समुद्री अनुसंधान, बायोमैन्युफैक्चरिंग, स्टार्टअप और तटीय आजीविका कार्यक्रमों को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा।

यह प्रस्तावित परियोजना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत संचालित गुजरात स्टेट बायोटेक्नोलॉजी मिशन (जीएसबीटीएम) की पहल है। इसका उद्देश्य गुजरात के समुद्री जैविक संसाधनों को उच्च मूल्य वाले उत्पादों में बदलना और तटवर्ती क्षेत्रों में तकनीक आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना है।

एम-बीआरआईसी की स्थापना के लिए जीएसबीटीएम और सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई (केंद्रीय नमक एवं समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह समझौता विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया तथा कृषि, किसान कल्याण, सहकारिता एवं पशुपालन मंत्री जीतु वघानी की मौजूदगी में होगा।

मोचा गांव को इस परियोजना का प्रमुख केंद्र चुना गया है। यहां 30 एकड़ में अनुसंधान सुविधाएं, औद्योगिक ढांचा, प्रदर्शन क्षेत्र, प्रोसेसिंग इकाइयां और स्टार्टअप इनक्यूबेशन सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

इस परियोजना की गतिविधियां और साझेदारियां सौराष्ट्र क्षेत्र तथा पूरे गुजरात तट तक भी विस्तारित की जा सकती हैं।

संपादकीय

लोकतंत्र में लोकमत और राजमत का चिंतन

पार्थसारथि थपलियाल

भारत के लोकजीवन में लंबे समय से एक वैचारिक तूफान दिखाई दे रहा है। आम जनता जो लोकतंत्र में लोक का रूप है वह और राजमत जिसमें तमाम संवैधानिक व्यवस्थाएं हैं, सत्ता पक्ष- प्रतिपक्ष, शासन की संसदीय परम्परा, कार्यपालिका और न्याय पालिका शामिल हैं, लोकतंत्र में राजमत लोकमत से शक्ति प्राप्त करता है और संविधान की मर्यादा में उस शक्ति का उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग करता है। हाल के वर्षों में भारतीय लोकतंत्र में कहीं न कहीं सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष की लोकतांत्रिक गतिविधियों में लोकमत की अवहेलना हो रही है। आज स्थिति यह है कि कोई संविधान की दुहाई देकर उसके मूल भाव की अवहेलना करता दिखाई देता है तो कोई संविधान की रक्षा का दावा करते हुए उसकी मर्यादाओं को अपने राजनीतिक हित के अनुरूप व्याख्यायित करता है। संविधान केवल राजनीतिक हथियार नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुता का सामाजिक अनुबंध है। उसकी प्रतिष्ठा तभी बनी रह सकती है जब सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों उसके अक्षर के साथ-साथ उसकी आत्मा का भी सम्मान करें। मतदाता सूची का अद्यतन हो अथवा निर्वाचन व्यवस्था से जुड़ी कोई शिकायत- ये लोकतांत्रिक अधिकार और सरोकार हैं। कमियों की सूचना लिखित रूप में दी जा सकती है, निर्वाचन अधिकारियों से संवाद किया जा सकता है, प्रतिनिधिमंडल भेजा जा सकता है और आवश्यकता होने पर शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक आंदोलन भी किया जा सकता है। लेकिन क्या हर असहमति का उत्तर सड़क बाधित करने, सामान्य जनजीवन प्रभावित करने और समाज को उद्वेलित करने से ही दिया जाएगा? यदि आंदोलन नागरिक अधिकार है तो निर्बाध जीवन भी आम नागरिक का अधिकार है। इसी तरह न्याय और नागरिक अधिकारों के प्रश्नों पर भी राजनीतिक संवेदनशीलता समान होनी चाहिए। किसी निर्दोष व्यक्ति को वर्षों तक कारावास में रहना पड़ा हो और बाद में न्यायालय से उसे सम्मान रिहा किया जाता हो, इस स्थिति का मूल्यांकन कौन करेगा? जिस व्यक्ति की सजा के दौरान पूरा घर चौपट हो गया हो, जिसने योवन का सुख न भोगा हो, अपराध में उसकी संलिप्तता न रही हो, उसके 20 साल किस आधार पर बर्बाद हुए, ? इस अपराध का दंड किसे मिलना चाहिए। इस पर संविधान की दुहाई देने वाले सभी मैं है। क्योंकि आम आदमी के न्याय को दलाल रौंद डालते हैं। यह केवल किसी व्यक्ति की त्रासदी नहीं, बल्कि न्याय- व्यवस्था और प्रशासन के लिए आत्ममंथन का विषय है। ऐसे मामलों पर राजनीतिक चुप्पी यह प्रश्न अवश्य खड़ा करती है कि क्या न्याय का प्रश्न भी राजनीतिक सुविधा के अनुसार देखा जाने लगा है? अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा है। संस्कृति, समाज और परंपराओं पर प्रश्न उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है; किंतु अभिव्यक्ति के नाम पर किसी समुदाय, परंपरा अथवा भारतीय सांस्कृतिक चेतना को जानबूझकर अपमानित करना सामाजिक संवाद को मजबूत नहीं करता। इसी प्रकार निजी मीडिया और डिजिटल माध्यमों की स्वतंत्रता भी महत्वपूर्ण है, परंतु स्वतंत्रता के नाम पर अपसंस्कृति, सनसनी और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देना स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण नहीं कहा जा सकता। समानता का अधिकार भी केवल संवैधानिक शब्द नही रहा। जब समाज में आर्थिक असमानता बढ़ती है, जब अवसरों का वितरण असंतुलित दिखाई देता है अथवा जब न्याय की प्रक्रिया सामान्य नागरिक को असमान अनुभव होने लगती है, तब लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठते हैं। संविधान की शपथ केवल औपचारिकता नहीं हो सकती। वह सत्ता और संवैधानिक संस्थाओं से निष्पक्षता, न्याय और उत्तरदायित्व की अपेक्षा करती है। सबसे बड़ा प्रश्न लोकमत और राजमत के संबंध का है। मतदाता मतदान के दिन केवल सरकार चुनता ही नहीं, वह अपनी आकांक्षाओं, असंतोष और अपेक्षाओं को भी व्यक्त करता है। गरीबी-अमीरी की बढ़ती खाई, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, न्याय और सामाजिक सुरक्षा जैसे प्रश्न लोकमत के केंद्र में हैं। यदि राजनीतिक विमर्श इन वास्तविक प्रश्नों से हटकर केवल आरोप-प्रत्यारोप, ध्रुवीकरण और राजनीतिक प्रदर्शन तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कमजोर पड़ता है। सत्ता पक्ष को यह नहीं भूलना चाहिए कि बहुमत शासन का अधिकार देता है, मनमानी का नहीं। विपक्ष को भी यह समझना होगा कि विरोध लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता पैदा करना उसका अधिकार नहीं। दोनों पक्षों की जिम्मेदारी है कि वे लोकमत को सुनें, समझें और उसका सम्मान करें। लोकमत को राजमत का शत्रु नहीं, उसका मार्गदर्शक बनना होगा और राजमत को लोकमत का दमनकर्ता नहीं, उसका संवैधानिक प्रतिनिधि। तभी समानता, न्याय और स्वतंत्रता संविधान के पन्नों से निकलकर भारत के जनजीवन की वास्तविक अनुभूति बन सकेंगे।

नाना पाटेकरः अभिनय की आग में तपा असाधारण कलाकार

ललित गर्ग

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देना है। नाना पाटेकर उन्हीं विरल कलाकारों में से एक थे। वे अभिनेता थे, रंगकर्मी थे, निर्देशक थे, लेखक थे, सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील नागरिक थे और भारतीय सेना के प्रति गहरे सम्मान एवं समर्पण का उदाहरण भी थे। उनकी आवाज में खुरदुरापन था, संवादों में धार थी, आंखों में आक्रोश और चेहरे पर जीवन के संघर्षों की सच्चाई। उन्होंने अभिनय को सजावटी कला नहीं बनाया, बल्कि उसे यथार्थ जीवन के अनुभवों, पीड़ा, संघर्ष, संवेदना और सामाजिक चेतना से जोड़ा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने एक ऐसा कलाकार खो दिया, जिसकी कोई दूसरी प्रतिकृति संभव नहीं है। वे अभिनय जगत के लिये एक अपरिहार्य नाम थे और ज्यादातर फिल्मप्रेमियों के लिये अजीज भी थे।

नाना की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार हैं, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाह। नाना का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। उन्होंने अपने किरदार से राष्ट्रीयता की भावना को भी सुदृढ़ किया। नाना का सफरनामा पूरी तरह मायूस हो चुके किसी भी इंसान के लिये प्रेरणादायी अध्याय भी है, उत्साह की मिसाल भी है। नाना पाटेकर का वास्तविक नाम विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में हुआ। बचपन सामान्य था, लेकिन किशोरावस्था में ही परिवार आर्थिक संकट में घिर गया। पिता का कारोबार डूब गया और महज 13 वर्ष की उम्र में नाना को परिवार की मदद के लिए काम करना पड़ा। वे स्कूल के बाद मुंबई में फिल्म पोस्टर रंगते थे और करीब 35 रुपये महीने कमाते थे। काम पर जाने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और बदले में एक वक्त का भोजन भी मिलता था। गरीबी और अभाव ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि भीतर से गढ़ा। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि भूख और अपमान ने उन्हें जीवन को समझना सिखाया।

कला नाना के जीवन में आरंभ से थी। उन्होंने सर जे.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट में शिक्षा ली और व्यावसायिक कलाकार के रूप में काम किया। लेकिन उनका वास्तविक विद्यालय था रंगमंच। मराठी रंगमंच की प्रख्यात निर्देशिका विजया मेहता के मार्गदर्शन में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। हमीदाबाईची कोठी जैसे नाटकों ने उन्हें गंभीर रंगकर्मी के रूप में पहचान दी। रंगमंच ने उन्हें संवाद बोलना ही नहीं, बल्कि संवाद के पीछे छिपी भावना को जीना सिखाया। नाना के करियर की शुरूआत फिल्म 'गमन' से हुई थी लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें फिल्म 'परिंदा' से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अच्छी फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। क्रांतिवीर, खामोशी, यशवंत, अब तक छप्पन, अपहरण, वेलकम, राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं। शुरुआती वर्षों की निराशाओं के बावजूद उन्होंने अपनी राह नहीं छोड़ी। अंकुश और सलाम बॉम्बे! जैसी फिल्मों ने उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाई।

इसके बाद नाना पाटेकर ने एक के बाद एक ऐसे किरदार निभाए,

जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय की एक अलग भाषा निर्मित की। 'अंगार' में उनका नकारात्मक किरदार, 'तिरंगा' में देशभक्ति से ओतप्रोत शिवाजी राव वागले, 'क्रांतिवीर' में प्रखर और विद्रोही प्रताप नारायण तिलक, 'अग्निसाक्षी' में जटिल मानसिकता वाला पात्र और 'खामोशी: द म्यूजिकल' में संवेदनशील पिता-हर भूमिका में वे बिल्कुल अलग दिखाई दिए। क्रांतिवीर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, जबकि अग्निसाक्षी के लिए फिर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए। इस तरह वे तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाले विशिष्ट अभिनेताओं में शामिल हुए। नाना की अभिनयशैली का सबसे बड़ा गुण था स्वाभाविकता के भीतर तीव्रता। वे संवाद को केवल बोलते नहीं थे, उसे जीते थे। उनकी आवाज कभी धीमी फुसफुसाहट बन जाती तो कभी विस्फोट की तरह फूटती। उनका चेहरा, आंखों की हरकत, हाथों का इस्तेमाल, अचानक आने वाला ठहराव और फिर तेज गति से निकलते संवाद-इन सबका अपना नाटकीय व्याकरण था। उनकी संवाद-अदायगी इतनी विशिष्ट थी कि साधारण वाक्य भी उनके मुंह से निकलकर यादगार बन जाता था। वे संवादों को अभिनय से बड़ा नहीं होने देते थे, बल्कि अभिनय के माध्यम से संवाद को अर्थ देते थे।

नाना की लोकप्रियता का एक अलग अध्याय 'वेलकम' है। गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले नाना ने उदय शेट्टी के रूप में ऐसी कॉमेडी की कि नई पीढ़ी भी उनकी मुरीद हो गई। उनका 'कंट्रोल, उदय, कंट्रोल!' जैसे संवाद और चेहरे के हावभाव आज भी लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा हैं। यह उनकी अभिनय-बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण था कि जो कलाकार परिंदा और क्रांतिवीर में दर्शकों को भीतर तक हिला सकता था, वही वेलकम में उन्हें खुलकर हंसा भी सकता था। 2000 के दशक में 'अब तक छप्पन', अपहरण, शक्तिः द पावर, राजनीति जैसी फिल्मों में उन्होंने उम्र और अनुभव के साथ अपने अभिनय को और गहरा किया। अब तक छप्पन के पुलिस अधिकारी का किरदार हो या राजनीति में राजनीतिक संघर्षों के बीच खड़ा चरित्र-नाना हमेशा चरित्र की भीतरी बेचैनी को सामने लाते थे। मराठी सिनेमा में भी उन्होंने अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा। 'नटसम्राट' (2016) में रंगमंच के दिग्गज कलाकार की भूमिका उनके करियर की सबसे मार्मिक प्रस्तुतियों में गिनी जाती है।

नाना केवल अभिनेता बनकर संतुष्ट नहीं थे। 'प्रहार: द फाइनल अटैक' का निर्देशन करके उन्होंने यह साबित किया कि उनके भीतर निर्देशक और लेखक भी मौजूद है। इस फिल्म की तैयारी के दौरान उन्होंने सेना का कठोर प्रशिक्षण लिया। आगे चलकर उनका भारतीय सेना से संबंध वास्तविक जीवन का हिस्सा बन गया। वे टेरीटोरियल आर्मी से जुड़े और लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद तक पहुंचे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी वे सैनिकों के साथ रहे। पर्दे पर देशभक्ति का अभिनय करने वाले इस कलाकार ने वास्तविक जीवन में भी सैनिकों के बीच जाकर देश के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। उनकी राष्ट्रीयता किसी नारे की तरह नहीं थी, उसमें कर्तव्य और संवेदना थी। तिरंगा, प्रहार और क्रांतिवीर जैसी फिल्मों में देश, समाज और नागरिक जिम्मेदारी के प्रश्न दिखाई देते हैं। वे देशभक्ति को केवल सीमा पर लड़ने वाले सैनिक की भावना तक सीमित नहीं मानते थे, बल्कि ईमानदारी से अपना काम करना, कमजोर के साथ खड़ा होना और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी राष्ट्रसेवा का हिस्सा मानते थे। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता थी सादगी और सामाजिक प्रतिबद्धता। महाराष्ट्र के किसानों की समस्याओं और ग्रामीण संकट से वे गहराई से जुड़े। 2015 में उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ नाम फाउंडेशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य किसानों और सूखा प्रभावित ग्रामीण परिवारों की सहायता करना था। उन्होंने राहत एवं सामाजिक कार्यों में आर्थिक सहयोग भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया कि वे एक सच्चे 'क्रांतिवीर' थे जिन्होंने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी खामोशी उतनी ही असरदार थी जितनी उनकी दमदार आवाज। उन्होंने हमेशा देश-विरोधी तत्वों पर लगाम लगाने की वकालत की।

नाना पाटेकर की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने स्टार बनने की कोशिश नहीं की, कलाकार बने रहे। वे ग्लैमर की दुनिया में रहते हुए भी अपनी जड़ों से कटे नहीं। गरीबी ने उन्हें संवेदनशील बनाया, रंगमंच ने अनुशासन दिया, फिल्मों ने व्यापक पहचान दी, सेना ने राष्ट्रबोध को मजबूत किया और सामाजिक कार्यों ने उनके भीतर के मनुष्य को जीवित रखा। उनके अभिनय की विरासत केवल पुरस्कारों में नहीं, उन पात्रों में है जिन्हें उन्होंने अमर कर दिया। परिंदा का अन्ना, क्रांतिवीर का प्रताप, तिरंगा का शिवाजी राव, अब तक छप्पन का पुलिस अधिकारी, नटसम्राट का गणपत बेलवलकर और वेलकम का उदय शेट्टी-ये सभी नाना के अलग-अलग चेहरे हैं, लेकिन इनके पीछे एक ही कलाकार है, जो अभिनय को दिखाता नहीं था, संवेदनशीलता के साथ जीता था। नाना पाटेकर का जीवन हमें यह संदेश देता है कि प्रतिभा अवसर की मोहताज नहीं होती। जिस किशोर ने कभी 35 रुपये महीने के लिए फिल्म पोस्टर रंगे थे, वही आगे चलकर तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों और पद्मश्री से सम्मानित हुआ।

मोदीजी के 25 सालः पहले लुभाया अब प्रतिकार भी सिखाया

राकेश अचल

बीते 7 अक्टूबर 2001 की तारीख को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीति इतिहास का एक पन्ना बनाने की नाकाम कोशिश की. नाकाम इसलिए की जब वे इस तारीख की तख्ती इतिहास बनार लटकाने का प्रयास कर रहे थे उसी समय दिल्ली उन्हे बधाई देने के बजाय लानत भेज रही थी.

नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी.कल 7 अक्टूबर 2026 को उनके सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे हो गए.भाजपा देशभर में इसे सेवा और उपलब्धियों के उत्सव के रूप में मनाया लेकिन देश उनकी इस खुशी में खुलकर साथ खडा नहीं हुआ.प्रधानमंत्री ने भी इस मौके पर अपने 25 वर्षों की यात्रा को जनता के विश्वास और सेवा से जोड़ा लेकिन सवाल यह है कि मोदी के सार्वजनिक जीवन की 25 साल की सबसे बड़ी उपलब्धि आखिर क्या है?

मैं मोदीजी की विचारधारा का मुखर,प्रखर विरोधी हूँ लेकिन उन्हे बधाई देने में कोई कंजूसी नहीं करता.किंतु मेरे मन में ये सवाल बार-बार कोंधता है कि क्या उन्होंने सचमुच सोए हुए भारत को जगा दिया?क्या उन्होंने जनता को सवाल पूछना सिखाया?क्या उन्होंने देश को इतना राजनीतिक बना दिया कि अब लोग अपने वोट, अपने अधिकार और अपनी सरकार के फैसलों पर सवाल करने लगे हैं?या

फिर यह सिर्फ प्रधानमंत्री और भाजपा का अपना बनाया हुआ आत्म-मूल्यांकन है?

विडंबना देखिए कि प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने का दिन है और दिल्ली की सड़कों पर सत्ता का उत्सव जितना दिखाई दे रहा है, उससे कहीं ज्यादा सत्ता और विपक्ष की टक्कर दिखाई दे रही है.एक तरफ प्रधानमंत्री के 25 साल.दूसरी तरफ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी.

और राहुल गांधी लगातार दूसरे दिन चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आंदोलन करते हुए पुलिस हिरासत में हैं. गत 6 और 7 अक्टूबर को विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन और हिरासत ने दिल्ली की राजनीति को असाधारण रूप से गरमा दिया है.

सवाल यह नहीं है कि राहुल गांधी सही हैं या गलत?सवाल यह है कि विपक्ष का आंदोलन अब सिर्फ संसद के भीतर की बहस नहीं रह गया है.वह सड़क पर उतर आया है.और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि आंदोलन में केवल कांग्रेस दिखाई नहीं दे रही. इसमें छात्र संगठन हैं.सिविल सोसायटी है.इंडिया ब्लाक कहें या गठबंधन के दल हैं और अब 10 अक्टूबर को कोकरोच जनता पार्टी तथा छात्र-संगठनों ने भी जंतर-मंतर पर उतरने का ऐलान कर दिया है.

यह आंदोलन एक तरह की रिले रेस बनती दिखाई दे रही है.एक समूह मैदान में आया.उसके बाद दूसरा.फिर तीसरा.और सवाल यह है कि क्या यह सिलसिला आगे बढ़ेगा?यहीं से 1974 याद आता है.जेपी आंदोलन.लेकिन इतिहास को दोहराने से पहले इतिहास को समझना जरूरी है.

आज से 52 साल पहले जब मोदीजी युवा थे तब 1974 में गुजरात के नव निर्माण आंदोलन और फिर बिहार के छात्र आंदोलन से असंतोष उभरा.छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ आवाज उठाई.मार्च 1974 में बिहार के छात्रों ने जयप्रकाश नारायण से नेतृत्व संभालने का आग्रह किया. 5 जून 1974 को पटना के गांधी मैदान में जेपी ने 'सम्पूर्ण क्रांति' का आह्वान किया।

बोध कथा

एकाग्रता का महत्व

वीर बहादुर एक सर्कस में काम करता था। वह खतरनाक शेर को भी कुछ ही समय में पालतू बना लेता था। एक दिन सर्कस में एक नौजवान आया। वह जानवरों के हाव-भाव और हरकतों पर रिसर्च कर रहा था। उसने वीर बहादुर से कहा, 'आपका बहुत नाम सुना है। खतरनाक शेर को भी पालतू कैसे बन लेते हैं आप?' वीर बहादुर ने मुस्कराते हुए कहा, 'देखो, यह कोई राज नहीं है। तुम बड़े सही मौके पर आए हो। आज ही मुझे एक खतरनाक शेर को पालतू बनाना है। वह कई लोगों को अपना शिकार बना चुका है। तुम मेरे साथ चलना और वहां खुद देखना कि मैं कैसे यह काम करता हूं।'

नौजवान ने देखा कि वीर बहादुर ने अपने साथ न कोई हथियार लिया और न ही बचाव के लिए कोई दूसरी चीज। उसने अपने साथ बस एक लकड़ी का स्टूल लिया है। वह हैरान था कि स्टूल से वीर बहादुर खतरनाक शेर को कैसे काबू कर लेगा। शेर जैसे ही वीर बहादुर की तरफ गरज कर लपकता, वह स्टूल के पायों को शेर की तरफ कर देता।

शेर स्टूल के चारों पायों पर अपना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता और असहाय हो जाता। ध्यान बंटने के कारण कुछ ही देर बाद शेर वीर बहादुर का पालतू बन गया। इसके बाद वीर बहादुर ने नौजवान से कहा, 'अक्सर ऐसा होता है कि एकाग्र व्यक्ति साधारण होने पर भी सफल हो जाता है, लेकिन असाधारण व्यक्ति भी ध्यान बंटने के कारण शेर की तरह पराजित हो जाता है।'

कविता

आखिरी ऐक्टर

रंगनाथ द्विवेदी

तुम्हारे जाने से
जैसे बंद हो गया हो
हमारे शहर का कोई आखिरी
थिएटर.

हमें याद है
क्रांतिवीर फिल्म में
तुम्हारे होंठ में दबी वह बीड़ी
जो हमारी अपनी बीड़ी थी
हमारा अपना धुंआ था .

उठो! बोलो!
कि 'धनिया चाचा
यहां मत मारना छोटा दिमाग होता है'
नही कर सकता
इतनी क्लासिक एक्टिंग
कोई और ऐक्टर.

बस्ती के दंगे के दृश्य की
वह डायलॉग डिलवरी
'बता बे उजड़े चमन
इसमें कौन सा खून हिंदू का है
और कौन सा मुसलमान का '
उफ! सिहर उठा था पूरा थिएटर
आँख में सिर्फ आंसू थे
और हमारे सामने खड़ा था प्रताप
यानी नाना पाटेकर.

यशवंत लोहार
देखो अभी
सत्ता के करप्ट नेता का कोई बेटा
राह चलती किसी लड़की का
पीछे से कूल्हा थपक हंसेगा .

और हमारी गूंगी पुलिस
जब देश की व्यवस्था के आगे
किसी हिजड़े की तरह
अपना सर झुकाये खड़ी होगी ।

व्यंग्य केसरी

मिल गया... मिल गया...!

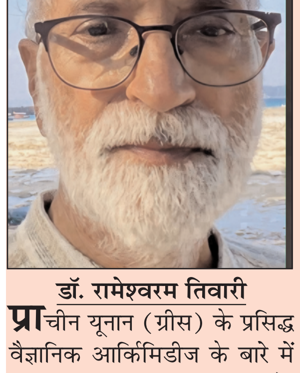

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

प्राचीन यूनान (ग्रीस) के प्रसिद्ध वैज्ञानिक आर्किमिडीज के बारे में अधिकांश पढ़े-लिखे जानते हैं। उनको स्नान करते समय उत्प्लावकता (Buoyancy) और सोने के मुकुट की शुद्धता की जाँच का फ़ार्मूला मिल जाने पर वह में स्नानालय से बिना कपड़ों के यूरेका... यूरेका... चिल्लाते हुए निकल पड़े थे, ठीक उसी तर्ज़ पर देश के मुख्य विपक्षी दल और उसके अमचों-चमचों द्वारा पिछले दस-बारह सालों से लगातार सड़क और संसद के भीतर-बाहर चिल्लाए जा रहे हैं... कि उनको सत्ता हथियाने का मुद्दा- 'मिल गया... मिल गया!' पर ट बार तरह जैसे ही मुद्दे का गुब्बारा आसमान में ऊपर को उठता है उसकी हवा फुस्स होकर निकल जाती है और उनका देश को अस्थिर करने, अराजकता फ़ैलाने सपना धरा का धरा रह जाता है।

बाबरी मस्जिद को ढहाने से लेकर राम मंदिर के निर्माण से तक, नोटबंदी से लेकर कश्मीर में धारा-370 हटाने तक, राफेल से लेकर पेगासिस तक, चीन द्वारा हिमालय को हड़पने के आरोपों से लेकर पाकिस्तान द्वारा भारतीय सेना के कितने विमान गिराए जाने के तक, देश के उद्योगपति अडानी से लेकर अंबानी तक, डिंडनबर्ग की रिपोर्ट से लेकर एपेस्टिन की रिपोर्ट तक, कोरोना काल में मौत के झूठे आँकड़ों से लेकर कोराना वैक्सीन तक, वोटिंग मशीन हैक करने से लेकर फ़र्ज़ी मतदान तक, संविधान बदलने से लेकर लोकतंत्र की हत्या तक, चुनाव आयोग की विश्वसनीयता से लेकर मतदाताओं के नाम हटाए जाने तक, पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक से लेकर सिंदूर ऑपरेशन तक,अमेरिकी राष्ट्रपति के झूठ से लेकर आर्थिक सुनामी तक, अमेरिका-इज़राइल द्वारा ईरान पर आक्रमण करने तक, पेट्रोल-गैस की कृत्रिम तंगी से लेकर झूठी अफ़वाहें उड़ाने तक, मानव संसाधन मंत्री के इस्तीफ़े को लेकर छात्रों की गूँज कार्यक्रम तक आसमान में आरोपों के भौंथरे तीरों की बरसात की जा रही है, पर सरकार की अयस्क दीवार को आज तक भेदा नहीं जा सका है।

साथ ही, अनर्गल आरोप लगाकर देश के विकास के रास्ते में रोज़ नुकीली कीलें बिछाई जा रही हैं। चौबीसों घंटों सरकार के रथ को पंचर करने की कोशिशें हो रही हैं, पर लाख कोशिशों के बावजूद सफलता की चाबी हाथ नहीं लग रही है। विपक्षी मुखियाओं की दिन-ब-दिन जनता के बीच साख गिरती जा रही है। एक-एककर देश की राज्यों से उनकी पार्टी की सरकारों का सफाया होता जा रहा है, पर विरोध में सर उठा रहे दलों की कुछ समझ नहीं आ रहा है। मुख्य विपक्षी दल मुखिया की ऊटपटाँग हरकतों को देखकर धीरे-धीरे पार्टनर दल छिटकते जा रहे हैं, बावजूद मूढमति है कि अतीत के गुमान में अँधा हुआ जा रहा जा रहा है। देश का शुभचिंतक होने नाते अंत में इतना ही कहना है कि... खुदा खैर करे... राम जी कृपा करें!

इतिहास

9 अक्टूबर का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और निधन का साक्षी रहा है।

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ

1876: पहली बार टेलीफ़ोन पर आउट वायर के जरिए दो तरफा बातचीत हुई थी।

1962: अफ्रीकी देश युगांडा ब्रिटेन से स्वतंत्र होकर एक गणतंत्र बना।

1967: अर्जेंटीना के प्रसिद्ध मार्क्सवादी क्रांतिकारी चे ग्वेरा की बोलिविया में हत्या कर दी गई थी।

2006: त्रश्नश्वद्द्यद्य ने लोकप्रिय वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म YouTube के अधिग्रहण (खरीदने) की घोषणा की थी।

2012: महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा के लिए आवाज उठाने वाली पाकिस्तानी कार्यकर्ता मलाला यूसुफजई पर तालिबान ने हमला किया था।

जिला ऑटो संघ बिलासपुर चुनावः अध्यक्ष के लिए 3 प्रत्याशी मैदान में एक अध्यक्ष प्रत्याशी महिला

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिला ऑटो संघ में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए 14 प्रत्याशियों ने भरा नामांकन पर्चा, 12 तारीख को त्रिवेणी भवन में होगा मतदान व मतगणना

जिला ऑटो संघ, बिलासपुर petrol auto के आगामी संगठनात्मक चुनाव को लेकर चुनावी माहौल तेज हो गई है। इस बार चुनाव अधिकारी नगर पालिक निगम बिलासपुर के वार्ड क्रमांक 42 देवरी खुर्द के पार्षद लक्ष्मी यादव मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उप निर्वाचन अधिकारी बिज्जू राव नियुक्त हुए हैं। उनके मार्गदर्शन में नामांकन की प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। अध्यक्ष पद के लिए अजय पाणिकर (नान भाई) वकील खान, श्रीमती संतुला देवी पाटले उपाध्यक्ष पद हेतु पुरुषोत्तम टंडन (गुण्डाला भाई) अब्दुल रज्जाक, शेख वजीर, जीवन बंजारे सचिव पद हेतु लोमश कुर्रे, जराड वेनहाल्टेन, सहसचिव पद हेतु देव कुर्रे, रामकुमार बघेल (रामबाबू) जितेंद्र खांडे कोषाध्यक्ष पद हेतु मोहम्मद मेराज (लखन भाई) ताम्रध्वज साहू सहित सभी प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। सभी प्रत्याशियों की नामांकन पर्चा सही पाया गया सभी प्रत्याशियों के लिए अलग-अलग चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया गया है। निर्वाचन अधिकारियों की देखरेख में सभी आवश्यक औपचारिकताओं को तय नियमों के तहत पूरा कराया गया।

मुख्य चुनाव अधिकारी लक्ष्मी यादव उप चुनाव अधिकारी बिज्जू राव ने बताया कि जिला ऑटो संघ बिलासपुर में 1116 मतदाता है जो अपना मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव पूरी तरह लोकतांत्रिक, निष्पक्ष एवं पारदर्शी माहौल में सी सी टीवी कैमरा, पुलिस सुरक्षा बल की सहयोग के साथ होगी । उन्होंने चुनावी कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया - मतदान दिनांक 12 अक्टूबर, मतदान का समय प्रातः 8:00 बजे से शाम 6,00 बजे तक

मतदान स्थलः त्रिवेणी भवन, व्यापार विहार, बिलासपुर-

मतगणना परिणामः मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतगणना प्रारंभ हो जाएगी मतगणना के पश्चात विजयी प्रत्याशियों की आधिकारिक घोषणा कर प्रमाण पत्र प्रदान की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी लक्ष्मी यादव ने कहा, 'संगठन में लोकतंत्र और पारदर्शिता ही उसकी असली ताकत है। हम बिलासपुर जिला ऑटो संघ के सभी सदस्यों को आश्वस्त करते हैं कि पूरी चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष, भयमुक्त और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न होगी।

राज्यपाल रमेन डेका का प्रवास आज बिलासपुर में

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। राज्यपाल रमेन डेका 9अक्टूबर कों बिलासपुर प्रवास पर रहेंगे और दोपहर 12 बजे सरकंडा स्थित खेल परिसर में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट बालक-बालिका जूडो प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे।

निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल डेका सुबह 9.30 बजे लोक भवन, रायपुर से सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान कर सुबह 11.30 बजे बिलासपुर के सर्किट हाउस पहुंचेंगे। उसके बाद 11.50 बजे सर्किट हाउस से सरकंडा स्थित खेल परिसर के लिए रवाना होंगे और दोपहर 12 बजे जूडो प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। राज्यपाल दोपहर 1 बजे खेल परिसर से प्रस्थान कर दोपहर 1.10 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे और भोजन के पश्चात वे दोपहर 2 बजे सड़क मार्ग से रायपुर के लिए रवाना हो जाएंगे ।

स्कूटी पर सवार होकर शहर की सफाई देखने निकले अरुण साव

गंदगी देख अफसरों को लगाई फटकार

विश्व केसरी

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज सुबह हेलमेट लगा खुद स्कूटी चलाते हुए अंबिकापुर शहर की सफाई व्यवस्था देखने निकल पड़े. इस दौरान सत्तीपारा इलाके में कचरे के ढेर और तालाब की गंदगी को देखकर अधिकारियों को फटकार लगाते हुए सफाई के निर्देश दिए.

तालाब में मूर्तियों के विसर्जन के बाद से लकड़ी के शेष बचे हुए हैं, जिनकी अब तक निगम प्रशासन सफाई नहीं कर पाया है. अब नवरात्रि आ रही है. इस दौरान मूर्ति विसर्जन की स्थिति में तालाब में और गंदगी को जाएगी. स्थिति को देखते हुए उन्होंने अधिकारियों को फटकारे लगाने के साथ समय पर पूरी कार्य संपन्न करने की बात कही. निरीक्षण के दौरान महापौर मंजूषा भगत, सभापति समेत नगर निगम कर्मी मौजूद रहे।

सक्ती में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन का उग्र प्रदर्शन रेस्ट हाउस से कचहरी चौक तक पैदल मार्च

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी रायपुर के निर्देशानुसार, जिला कांग्रेस कमेटी सक्ती द्वारा 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' के तहत 'वोट बचाओ, देश बचाओ' के नारे के साथ एक विशाल विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस दौरान इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ मिलकर एक आक्रोशित पैदल मार्च निकाला गया, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाने, गिरफ्तार करने और उन पर मुकदमा चलाने की मांग की गई।

अनुनय कॉन्वेंट की छात्रा गरिमा राज्य स्तर के लिए चयनित

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। नगर में संचालित अनुनय कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। 03 अक्टूबर 2026 को बिलासपुर में आयोजित 17 वर्षीय आयु वर्ग बालिका कराते की संभाग स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा गरिमा, पिता सुमेंद्र सिंह एवं माता उत्तरी बाई, ने प्रथम स्थान प्राप्त कर आगामी राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का स्थान एवं दिनांक शीघ्र घोषित किया जाएगा। इससे पूर्व कराते में विद्यालय के छात्र आदित्य साहू का भी 19 वर्षीय आयु वर्ग की राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता के लिए चयन हो चुका है। इस प्रकार अनुनय कॉन्वेंट से कराते में दो

विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हो चुके हैं। विद्यालय के खिलाड़ियों ने जिला एवं संभाग स्तर की विभिन्न शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार अब तक लगभग 80 विद्यार्थी जिला स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के लिए तथा लगभग 35 विद्यार्थी संभाग स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के लिए चयनित हो चुके हैं।

संयुक्त संचालक शिक्षा ने किया स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता सुधारने के दिए निर्देश

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बिलासपुर अश्विनी भारद्वाज और सहायक संचालक प्रकाश तिवारी की संयुक्त टीम ने बिल्हा, चकरभाठा, हरदी एवं हिर्री के विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। जहाँ शिक्षकों की उपस्थिति, निर्धारित कालखंडों में अध्यापन, विद्यालय संचालन और मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जांच कर निरीक्षण में मिली कमियों पर संबंधितों से स्पष्टीकरण लेने और व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय बिल्हा में पदस्थ 10 व्याख्याताओं में से 8 उपस्थित मिले, जबकि 2 अवकाश पर थे। पूर्व माध्यमिक विभाग में कार्यरत संकुल शैक्षिक समन्वयक द्वारा नियमित अध्यापन कार्य नहीं कराये जाने की बात उजागर होने के उपरांत प्राचार्य चंद्रमान ठाकुर को संकुल शैक्षिक समन्वयक के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा पूर्व माध्यमिक विभाग का व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी तरह स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट कन्या विद्यालय चकरभाठा में प्राचार्य सहित 17

व्याख्याता पदस्थ हैं। निरीक्षण के दौरान प्राचार्य प्रदीप कुमार केरकेट्टा अनुपस्थित मिले। वे अपराह्न 3.45 बजे से विद्यालय में उपस्थित नहीं थे। दो व्याख्याताओं द्वारा ऑनलाइन अवकाश आवेदन दिए जाने की जानकारी मिली। शारीरिक शिक्षा शिक्षक आशीष लहरे की विद्यालय में नियमित उपस्थिति नहीं होने की बात उजागर हुई । निरीक्षण में पाया गया कि उस दिन केवल 4 व्याख्याताओं ने निर्धारित कालखंडों के अनुसार अध्यापन कराया था, जबकि शेष ने एक भी कालखंड नहीं लिया था। पर्याप्त शिक्षक होने के बावजूद अध्यापन व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर प्राचार्य केरकेट्टा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और सभी व्याख्याताओं को समय-सारिणी के अनुसार नियमित अध्यापन कार्य कराने के निर्देश दिए गए।

त्योहारी सीजन से पहले नगर में प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग

विश्व केसरी

अकलतरा (नीरज शर्मा)। आगामी नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली पर्व को देखते हुए नगर में प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग उठी है। नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद विजय खांडेल ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रमुख मार्गों एवं धार्मिक स्थलों के आसपास बंद तथा खराब स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि त्योहारी सीजन के दौरान अकलतरा में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं नागरिकों का

आवागमन होता है। ऐसे में रात्रि के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन तथा नगर की स्वच्छ एवं व्यवस्थित छवि के लिए आवश्यक है।

पार्षद ने महमाया मंदिर मार्ग, मनकदाई मंदिर मार्ग, तहसील रोड, खिसोरा रोड एवं ओवरब्रिज मार्ग सहित प्रमुख मार्गों का निरीक्षण कर खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराने की मांग की है।

युवाओं के नवाचार को मिलेगा मंच

10 क्षेत्रों से चुने जाएंगे 50 विजेता, प्रत्येक को मिलेगी 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। सेवा संकल्प अभियान के तहत युवाओं और विद्यार्थियों में नवाचार एवं उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा शासकीय पॉलीटेक्निक बिलासपुर में 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026' के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रतियोगिता, पंजीयन प्रक्रिया और नवाचार के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के प्रबंधक सुनील पाण्डेय ने बताया कि 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' के अंतर्गत 10 विभिन्न क्षेत्रों से नवीन एवं उपयोगी विचार आमंत्रित किए जा रहे हैं और प्रत्येक क्षेत्र से 5 विजेताओं का चयन किया जाएगा। इस प्रकार कुल 50 विजेता चुने जाएंगे तथा चुने हुए प्रत्येक विजेता को 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इस प्रकार प्रतियोगिता में कुल 5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

पाण्डेय ने विद्यार्थियों को समाज एवं उद्योग जगत की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए नए और उपयोगी विचार सामने लाने के लिए प्रेरित करते हुए कहाँ कि युवाओं की रचनात्मक सोच को सही मंच मिलने से उनके विचार उपयोगी नवाचार में बदल सकते हैं। प्रतियोगिता में पॉलीटेक्निक के विद्यार्थियों के अलावा बाहर के इच्छुक प्रतिभागी भी भाग ले सकते हैं।

सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026' के लिए पंजीयन शुरू

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं संस्थान के कर्मचारियों से प्रतियोगिता की जानकारी अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचाने और उन्हें पंजीयन के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की गई। प्रतियोगिता की पंजीयन प्रक्रिया एवं आवश्यक मार्गदर्शन की जानकारी भी दी गई। पंजीयन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।

कार्यक्रम में शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

कबाड़ के जुगाड़ से बना डाली चार सीटर बैटरी कार, 10वीं पास हेमंत के हुनर की हो रही चर्चा

विश्व केसरी

नवागढ़ । अगर मन में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो संसाधनों की कमी भी रास्ते में बाधा नहीं बनती। इसका उदाहरण नवागढ़ क्षेत्र के ग्राम कटौद निवासी 26 वर्षीय हेमंत कुमार केवट ने पेश किया है। हेमंत ने बिना किसी इंजीनियरिंग की पढ़ाई, तकनीकी डिग्री या डिप्लोमा के कबाड़ और उपलब्ध संसाधनों से चार सीटर बैटरी से चलने वाली कार तैयार कर दी है।हेमंत ने बताया कि जब वह करीब 14 वर्ष के थे, तब उन्होंने बच्चों के लिए बैटरी से चलने वाली छोटी कार देखी थी। तभी उनके मन में खुद ऐसी कार बनाने का विचार आया। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों ने भी उनके इस विचार को मजबूत किया। करीब 12 साल तक मन में संजोए इस सपने को उन्होंने आखिरकार पूरा करने की ठानी।इसके बाद हेमंत ने अलग-अलग कबाड़ और उपयोगी सामान जुटाकर कार बनाने का काम शुरू किया। करीब छह महीने की मेहनत के बाद चार सीटर बैटरी कार तैयार हुई।

हेमंत के अनुसार, कार बनाने में अब तक करीब दो लाख रुपये खर्च हो चुके हैं। हालांकि इसमें अभी कुछ काम बाकी है।एक बार चार्ज में 120 किमी चलने का दावा हेमंत के मुताबिक कार की बैटरी करीब ढाई घंटे में चार्ज होती है और पूरी तरह चार्ज होने पर यह करीब 120 किलोमीटर तक चल सकती है। कार की अधिकतम रफ्तार करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटा बताई गई है।चाउमिन बेचकर परिवार का पालन-पोषण हेमंत की जिंदगी भी इस कहानी को खास बनाती है। वह कोई बड़ी वर्कशॉप नहीं चलाते, बल्कि घर के सामने शाम के समय चाउमिन और मंचूरियन बेचकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जनपद परिसर में रंगोली का आयोजन

विश्व केसरी

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के जनसेवक के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत 7 अक्टूबर को कार्यालय जनपद परिसर पामगढ़ में रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यालय के महिला कर्मचारी एवं स्वसहयता समूह की महिलाओं द्वारा रंगोली छायाचित्र का प्रदर्शन तैयार किया गया। उक्त कार्यक्रम में जनपद सभापति अश्वनी कुर्रे, ब्यास वर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा एवं मणिशंकर कौशिक मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज.पं. पामगढ़, मुकेश गोस्वामी,रूपलता बुनकर शर्मा, उमेश कोशले, गौरव सिसोदिया, खगेश लहरे जनपद पंचायत कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारीगण, जनपद पंचायत पामगढ़ अंतर्गत सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, स्वसहायता समूह की महिलाएं एवं आम नागरिकगण उपस्थित थे ।

पामगढ़ में निकली भव्य सेवा ज्योति यात्रा, मशाल जुलूस से दिया सेवा, सुशासन और जनजागरूकता का संदेश

विश्व केसरी

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत नगर पंचायत पामगढ़ द्वारा बुधवार, 7 अक्टूबर की शाम 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। सेवा, सुशासन, स्वच्छता एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस मशाल जुलूस में नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, महिला कमांडो सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मशाल यात्रा के दौरान नगर में सेवा और जनजागरूकता का संदेश दिया गया।

सेवा ज्योति यात्रा की शुरुआत शाम करीब 5 बजे नगर पंचायत कार्यालय पामगढ़ से हुई। हाथों में मशाल लेकर जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और महिला कमांडो यात्रा में शामिल हुए। जुलूस नगर पंचायत कार्यालय से निकलकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए

जांजगीर मोड़ तक पहुंचा। इस दौरान लोगों में भी यात्रा को लेकर उत्साह देखने को मिला। जांजगीर मोड़ पहुंचने के बाद मशाल जुलूस पुनः नगर पंचायत कार्यालय की ओर रवाना हुआ और नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर यात्रा का समापन किया गया। मशाल जुलूस के माध्यम से आम नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों से जोड़ने के साथ ही सेवा, सुशासन, स्वच्छता और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि किसी भी नगर के विकास में केवल शासन और प्रशासन की भूमिका पर्याप्त नहीं होती, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से लोगों को अपने दायित्वों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

यात्रा के दौरान लोगों को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने, सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने में सहयोग करने का संदेश भी दिया गया। मशाल यात्रा ने नगरवासियों में सामाजिक जिम्मेदारी और जनसेवा की भावना को मजबूत करने का काम किया।सेवा ज्योति यात्रा में नगर पंचायत अध्यक्ष गौरी जांगड़े, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ कमल खुटे, पार्षद सुभाष ओगरे, जीतेश कुर्रे एवं संजय खांडे, एल्डरमैन मुकेश कश्यप, मुख्य नगर पालिका अधिकारी ब्रजमोहन सिंह, उप अभियंता सतीश साहू, व्यवस्थापक अवध बिहारी तिवारी, प्रतीक सिंह एवं भरथरी जांगड़े सहित नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।इसके अलावा महिला कमांडो दल ने भी मशाल यात्रा में सहभागिता की। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की मौजूदगी से कार्यक्रम में उत्साह का माहौल रहा। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते मशाल जुलूस ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और सेवा संकल्प अभियान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। आयोजकों ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य शासन और प्रशासन की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ नागरिकों को विकास एवं जनसेवा के कार्यों से जोड़ना है।

सिवनी के विद्यालय में नेवता भोज कार्यक्रम आयोजित

विश्व केसरी

बहेराडीह (नीरज शर्मा)। सिवनी के सभी शासकीय प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक शाला में चुणामणी राठौर सभापति जनपद पंचायत बलौदा ने अपने साकेत वासी माता की दूसरी पुण्य तिथि में बच्चों को पूर्ण न्योता भोज कराया ल इस अवसर पर उन्होंने खीर, पुडी, चावल, दाल, सब्जियों, बच्चों को मध्यान्ह भोजन बनाने वही समूह से बनवाकर खिलाया।

उन्होंने कहा कि इन बच्चों को भोजन कराकर मैं अपनी माँ को श्रध्दांजलि अर्पित कर भगवान से प्रार्थना करते हुए यही निवेदन कर रहा हूं कि प्रभु हर साल ये नेक कार्य माँ की याद में मुझसे कराते रहे द्य शिक्षक परिवार की ओर से उन्हें आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की यह महत्वपूर्ण योजना समाज को शिक्षा के साथ जोड़ने का एक अवसर है साथ ही समाज की स्कुल से सहभागिता भी इससे बढ़ती है द्य राठौर स्वयं अपने परिवार और मित्रों के साथ जिला पंचायत के सभापति उमा राजेंद्र राठौर के

साथ बच्चों को चारों स्कूलों में उपस्थित होकर भोजन परोसे। इस पुनीत कार्य में सभी शिक्षकों ने उनके इस नेक कार्य की सराहना किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सिवनी के सभी शासकीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिका, महिला समूह, जनप्रतिनिधि व स्कूली बच्चों के पालको का सराहनीय योगदान रहा।

शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद निफ्टी ने छुआ 52 हफ्तों का निचला स्तर

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार के कारोबार सत्र में भारी गिरावट देखी गई है। इस दौरान सेंसेक्स 1,045.46 अंक या 1.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,593.24 पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मुख्य सूचकांक निफ्टी 371.25 अंक या 1.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,231.80 पर बंद हुआ। कारोबारी सत्र में निफ्टी ने 22,179.90 का न्यूनतम स्तर छुआ, जो कि इसका 52 हफ्तों का निचला स्तर है।

बाजार में चौतरफा गिरावट देखने को मिली है। करीब सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए, जिसमें निफ्टी मेटल 3.55 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 3.16 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 2.82 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज 2.81 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 2.79 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.76 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 2.61 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.52 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 2.49 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 2.40 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर 2.33 प्रतिशत और निफ्टी फार्मा 2.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी गिरावट देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,500.10 अंक या 2.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 57,882.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 456.85 अंक या 2.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,050.10 पर था।

सेंसेक्स पैक में आईटीसी, इंडिगो, पावर ग्रिड, बीईएल, एनटीपीसी, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, एचडीएफसी बैंक, इटरनल और एचयूएल टॉप लूजर्स थे। टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस गेनर्स थे।

जानकारों ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें (103 डॉलर प्रति बैरल), डॉलर के मुकाबले रुपए में कमजोरी 97 और एफआईआई की लगातार बिकवाली भारतीय बाजारों में गिरावट की मुख्य वजहें रहीं। सभी सेक्टरों में बिकवाली देखी गई, जिसमें मेटल और रियल्टी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट क्रमशः 3.6 प्रतिशत और 3.2 प्रतिशत रही।

उन्होंने आगे कहा कि बाजार के दौरान कुछ खास शेयरों में भी हलचल दिखी, जिन कंपनियों ने दूसरी तिमाही के अच्छे शुरुआती नतीजे दिखाए, उनके शेयरों ने मार्केट से बेहतर प्रदर्शन किया। दिन के दौरान सेन्को गोल्ड के शेयर 11.9 प्रतिशत तक चढ़े, लेकिन बाद में मार्केट का मूड बिगड़ने से बढ़त कम हो गई। वहीं, पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी के शेयरों में लगातार चौथे दिन भी तेजी बनी रही, क्योंकि कंपनी ने इस हफ्ते मजबूत नतीजे जारी किए थे।

भारत की अर्थव्यवस्था एक दशक में दोगुनी होकर 8 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो सकती है: रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था अगले एक दशक में दोगुनी होकर 8 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो सकती है। वैश्विक निवेश फर्म केकेआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि संरचनात्मक सुधारों, बुनियादी ढांचे में लगातार निवेश और अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण ने देश की विकास क्षमता को मजबूत किया है और यह वैश्विक निवेशकों के लिए बड़े अवसर पैदा कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत पहले ही 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का आंकड़ा पार कर चुका है और मौजूदा आर्थिक गति को देखते हुए अगले 10 वर्षों में दोबारा अपने आकार को दोगुना करने की राह पर है।

केकेआर ने कहा कि भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है जहां लंबे समय तक लगातार लागू किए गए सुधारों का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट में कहा गया, 'भारत इस बात का सबसे स्पष्ट उदाहरण है कि धैर्यपूर्वक किए गए संरचनात्मक सुधार तिमाही नहीं, बल्कि पूरे दशक में कितना बड़ा बदलाव ला सकते हैं।'

रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2014 के बाद लागू किए गए कई प्रमुख आर्थिक सुधारों ने देश की विकास क्षमता को बढ़ाया है। इनमें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), श्रम बाजार का औपचारिककरण, डिजिटलीकरण और बुनियादी ढांचा विकास में बड़े निवेश शामिल हैं। केकेआर का मानना है कि ये सुधार भारत को लगभग 11 प्रतिशत नॉमिनल जीडीपी वृद्धि के मार्ग पर बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अब भी पहले से लागू कई सुधारों का पूरा लाभ अर्थव्यवस्था को मिलना बाकी है। इसलिए भारत की ग्रोथ स्टोरी अपने अंतिम चरण में नहीं पहुंची है, बल्कि इसमें आगे भी उल्लेखनीय संभावनाएं मौजूद हैं।केकेआर ने कहा कि औपचारिक अर्थव्यवस्था का विस्तार होने से भारतीय कारोबारों और नकदी प्रवाह (कैश फ्लो) से जुड़ा जोखिम प्रीमियम कम हुआ है, जिससे लंबी अवधि के निवेश और विकास के लिए अधिक अनुकूल माहौल बना है।

मार्जिन दबाव से जीएम ब्रुअरीज के शेयरों में बड़ी गिरावट, तिमाही नतीजों के बाद 7 प्रतिशत तक फिसला स्टॉक

विश्व केसरी

मुंबई। शराब बनाने वाली कंपनी जीएम ब्रुअरीज लिमिटेड के शेयर गुरुवार के सत्र में वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही (क्यू2) के नतीजों के बाद दबाव में आ गए। कंपनी ने राजस्व और मुनाफे में वृद्धि दर्ज की, लेकिन परिचालन मार्जिन में गिरावट से निवेशक निराश दिखे और शेयर में तेज बिकवाली देखने को मिली।

बीएसई पर कारोबार के दौरान कंपनी के शेयर पहले करीब 2 प्रतिशत तक मजबूत हुए थे, लेकिन बाद में रुख पलट गया और शेयर 6.61 प्रतिशत टूटकर 921 रुपए के इंट्रा-डे निचले स्तर तक पहुंच गए।

सितंबर तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 12.3 प्रतिशत बढ़कर 39.3 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 35 करोड़ रुपए था। कंपनी का परिचालन राजस्व (रेवेन्यू) भी 18.2 प्रतिशत बढ़कर 214 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 181 करोड़ रुपए था। परिचालन स्तर पर भी कंपनी ने सालाना आधार पर वृद्धि दर्ज की। ईबीआईटीडीए 12 प्रतिशत बढ़कर 50.3 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 45 करोड़ रुपए था। हालांकि, निवेशकों की चिंता का मुख्य कारण ईबीआईटीडीए मार्जिन रहा। कंपनी का मार्जिन 25 प्रतिशत से घटकर 23.5 प्रतिशत रह गया। यानी इसमें 250 बेसिस प्वाइंट से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। यही कमजोरी बेहतर राजस्व और मुनाफे पर भारी पड़ती दिखाई दी। जीएम ब्रुअरीज देशी शराब बाजार की प्रमुख कंपनियों में शामिल है। कंपनी संतरा, जीएम डॉक्टर और जीएम लिम्बू पंच जैसे लोकप्रिय ब्रांडों का उत्पादन करती है। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर भी प्रदर्शन सकारात्मक रहा। कंपनी का मुनाफा जून तिमाही के 38 करोड़ रुपए से बढ़कर 39.3 करोड़ रुपए हो गया, जबकि राजस्व 200 करोड़ रुपए से बढ़कर 214 करोड़ रुपए पहुंच गया।

गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कंपनी ने 46 प्रतिशत की लाभ वृद्धि और 23 प्रतिशत राजस्व वृद्धि दर्ज की थी, जिससे निवेशकों की उम्मीदें काफी ऊंची थीं।

जून में भारत के क्रेडिट बाजार में एयूएम 18 प्रतिशत बढ़कर 142 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा: रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत का क्रेडिट बाजार वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मजबूत वृद्धि के साथ आगे बढ़ता रहा। एक्सपीरियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, जून 2026 तक कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर 142 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (क्यू1) में कुल लोन सोर्सिंग वैल्यू 20 लाख करोड़ रुपए रही, जिसमें सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि यह वृद्धि पिछली तिमाही (वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही) की तुलना में कुछ धीमी रही।

क्रेडिट बाजार की वृद्धि में असुरक्षित ऋण (अनसेक्योर्ड लेंडिंग) महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बनकर उभरे। इस श्रेणी में नए ऋण वितरण की मात्रा 26 प्रतिशत बढ़ी। विशेष रूप से पर्सनल लोन और कंज्यूमर लोन ने इस वृद्धि को गति दी, जबकि क्रेडिट कार्ड श्रेणी में भी फिर से तेजी के संकेत देखने को मिले।

रिपोर्ट के अनुसार, खुदरा ऋण पोर्टफोलियो के मूल्य के लिहाज से सुरक्षित ऋण (सेक्योर्ड लेंडिंग) की हिस्सेदारी अभी भी प्रमुख बनी हुई है। क्रेडिट गुणवत्ता के मोर्चे पर भी स्थिति बेहतर रही। जून 2026 में नेट 30+ डिलिंक्वेंसी का स्तर 3 प्रतिशत रहा, जो जून 2025 के 4.1 प्रतिशत की तुलना में बेहतर है। इससे संकेत मिलता है कि ऋण चूक का दबाव नियंत्रित बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) उपभोग आधारित ऋण उत्पादों में अपनी स्थिति और मजबूत कर रही हैं। खासकर पर्सनल लोन, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स लोन और दोपहिया वाहन ऋण क्षेत्रों में उनकी हिस्सेदारी बढ़ रही है।

वहीं, बैंक अभी भी होम लोन और ऑटो लोन जैसे बड़े टिकट आकार वाले सुरक्षित ऋण उत्पादों में मजबूत उपस्थिति बनाए हुए हैं। एक्सपीरियन इंडिया के कंट्री मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष जैन ने कहा कि भारत का क्रेडिट बाजार लगातार मजबूती दिखा रहा है और अच्छा एसेट क्वालिटी प्रदर्शन आगे के विस्तार के लिए मजबूत आधार प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि असुरक्षित ऋणों की तेजी उपभोक्ताओं की बदलती वित्तीय जरूरतों को दर्शाती है, जबकि सुरक्षित ऋणों की मजबूती बाजार के संतुलित विकास का संकेत है।

उत्पाद-आधारित आंकड़ों पर नजर डालें तो, पर्सनल लोन एयूएम बढ़कर 16.2 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो सालाना आधार पर 14 प्रतिशत अधिक है। नए पर्सनल लोन वितरण में 32 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह आंकड़ा 3 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। वहीं, क्रेडिट कार्ड एयूएम 3.15 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें मामूली 0.1 प्रतिशत की कमी आई, लेकिन नए कार्ड और उपयोग में फिर से सुधार के संकेत मिले हैं।

भारत में संस्थागत रियल एस्टेट निवेश जनवरी-सितंबर में 5.9 अरब डॉलर रहा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में संस्थागत रियल एस्टेट निवेश 2026 की जनवरी-सितंबर अवधि में करीब 5.9 अरब डॉलर रहा है, जो कि सालाना आधार पर 39 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। कोलियर्स इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 के पहले नौ महीनों में संस्थागत रियल एस्टेट निवेश में घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी 3.5 अरब डॉलर या 60 प्रतिशत रही।

रिपोर्ट में बताया गया है कि समीक्षा अवधि में दुनिया भर के बाजारों में पूंजी लगाने को लेकर सावधानी और ग्लोबल इकॉनमी के खराब आउटलुक के बावजूद, भारतीय रियल एस्टेट बाहरी उतार-चढ़ाव के बीच काफी हद तक मजबूत बना रहा है। वहीं, घरेलू पूंजी के प्रवाह में साल-दर-साल 59 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी ने भारत में मुख्य रियल एस्टेट एसेट क्लास की गहराई और परिपक्वता को दर्शाया है।

रियल एस्टेट में विदेशी निवेश 17 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.4 अरब डॉलर हो गया। इसमें से ज्यादातर विदेशी पैसा डेवलपमेंट से जुड़े एसेट्स में लगाया गया, क्योंकि निवेशक अल्टरनेटिव, हॉस्पिटैलिटी और मिक्स्ड-यूज प्रोजेक्ट्स में लंबे समय तक वैल्यू बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि तीसरी तिमाही में निवेश का प्रवाह 1.4 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 12 प्रतिशत ज्यादा है, लेकिन पिछली तिमाही के मुकाबले 51 प्रतिशत कम है।

कोलियर्स इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बादल याग्निक ने कहा, '2026 की तीसरी तिमाही में, घरेलू निवेशकों ने लगभग 0.9 अरब डॉलर का निवेश किया, जो कुल निवेश का लगभग दो-तिहाई हिस्सा था। स्थानीय निवेशक अभी भी कोर एसेट्स को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस तिमाही में घरेलू निवेश का 46 प्रतिशत हिस्सा आवासीय और ऑफिस सेगमेंट में गया।'

याग्निक ने बताया कि आवासीय निवेश मुख्य रूप से डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में हुआ, जबकि ऑफिस निवेश का फोकस मुख्य रूप से ऑपरेशनल एसेट्स पर था।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि जोखिम-रिटर्न के दायरे में बदलती पसंद और घरेलू कैपिटल की बढ़ती गहराई से भारत में रियल एस्टेट निवेश को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही आने वाली तिमाहियों में विदेशी निवेश की मात्रा में भी बढ़ोतरी होगी।

अच्छी क्वालिटी वाले 'ग्रेड ए' ऑफिस एसेट्स में लगातार लीजिंग और लंबे समय तक मांग की संभावनाओं के कारण निवेशकों के बीच इस सेक्टर का आकर्षण बना हुआ है।

रियल एस्टेट निवेश में ऑफिस एसेट्स की मुख्य भूमिका रही और नौ महीने की अवधि में कुल निवेश में इनकी हिस्सेदारी 37 प्रतिशत थी। इसके बाद मिक्स्ड-यूज और वैकल्पिक एसेट्स का स्थान रहा, जिनकी हिस्सेदारी 16-17 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली एनसीआर की कुल निवेश में लगभग एक-तिहाई हिस्सेदारी है, जबकि कई शहरों से जुड़ी डील्स में सालाना आधार पर दोगुने से ज्यादा की बढ़ोतरी देखी गई।

पीएम मोदी की दूरदृष्टि ने भारत के डिजिटल क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया: आकाश अंबानी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (आरजेआईएल) के चेयरमैन आकाश अंबानी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल उद्योग के विकास को लेकर उनका विजन पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक रहा है।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2026 के दौरान न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में आरजेआईएल के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि जियो का उद्देश्य केवल उपभोक्ताओं को नई सेवाएं उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि भारत को तकनीक का निर्माता बनाना भी है। उन्होंने कहा, 'डिजिटल उद्योग के लिए प्रधानमंत्री का मिशन हमें लगातार प्रेरित करता है और हमें पहले से कहीं अधिक आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। सबसे बड़ा संदेश यही रहा है कि हमें तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता बनना है और जियो उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है।'

आकाश अंबानी ने आगे कहा कि कंपनी के लिए यह विशेष अवसर है क्योंकि जियो ने हाल ही में अपने 10 वर्ष पूरे किए हैं। उनके अनुसार, इस दशक में कंपनी ने भारत की डिजिटल कनेक्टिविटी को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस अवसर पर जियो ने अपने सैटेलाइट कनेक्टिविटी विजन का भी प्रदर्शन किया। कंपनी लगभग 1,600 लो-अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट्स के प्रस्तावित समूह पर काम कर रही है और देशभर में 23 ग्राउंड स्टेशन स्थापित करने की योजना बना रही है। इसका उद्देश्य उन क्षेत्रों तक इंटरनेट और डिजिटल सेवाएं पहुंचाना है जहां पारंपरिक नेटवर्क स्थापित करना कठिन है। जियो ने इस पहल को 'सॉवरेन सैटेलाइट कनेक्टिविटी' के रूप में प्रस्तुत किया, जिसके तहत डिजाइन, इंजीनियरिंग, इंटीग्रेशन, लॉन्च और संचालन सहित पूरी वैल्यू चेन भारत के भीतर बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है।

जीएसटी परिषद ने कर अधिकारियों की गिरफ्तार करने की शक्ति खत्म की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद ने गुरुवार को हुई 57वीं बैठक में व्यापार में आसानी से उद्देश्य से कर अधिकारियों की गिरफ्तार करने की शक्ति को खत्म कर दिया है। साथ ही, मुकदमा चलाने की सीमा को 1 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए कर दिया है। यह जानकारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से दी गई।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस वार्ता में कहा कि पिछले साल सरकार ने जीएसटी की दरों को कम किया था। इस साल हमने प्रक्रिया को आसान बनाने पर फोकस किया है।

सीतारमण ने कहा, 'पंजीकरण में सामान्य बदलावों को अपने-आप अनुमति देने को मंजूरी जीएसटी परिषद ने दे दी है। अब रिफंड तेजी से जारी होंगे और स्वीकृति की अवधि 15 दिन से घटकर 10 दिन हो जाएगी। साथ ही, 90 प्रतिशत रिफंड 3 कामकाजी दिनों के भीतर जारी कर दिए जाएंगे।'

ई-कॉमर्स कारोबारियों के लिए पंजीकरण को आसान बनाने पर उन्होंने कहा, 'ई-कॉमर्स ऑपरेटर्स के प्लेटफॉर्म पर छोटे ब्रिकेताओं के लिए जीएसटी रजिस्ट्रेशन की आसान प्रक्रिया से छोटे बिजनेस को हर राज्य में बिजनेस की जगह बनाए बिना सामान बेचने में मदद मिलेगी।' इसके अलावा, जीएसटी परिषद ने यूपीआई मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर जीएसटी को मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया। ज्यादातर राज्यों ने यूपीआई एमडीआर पर 18 प्रतिशत जीएसटी को लेकर चिंता जताई। नए यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क के तहत ज्यादा वैल्यू वाले मर्चेंट ट्रांजेक्शन पर चार्ज लगाने की योजना है।

जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव भारत के डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम के लिए एक अहम समय पर आया है। नए यूपीआई फ्रेमवर्क में, कुछ शर्तों और छूट के साथ, 2,000 रुपए से ज्यादा के खास 'पर्सन-टू-मर्चेंट' ट्रांजेक्शन पर 0.4 प्रतिशत का एमडीआर तय किया गया है।

सरकार के मुताबिक, 'पर्सन-टू-मर्चेंट' यूपीआई ट्रांजैक्शन में से लगभग 96 प्रतिशत पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

एक अविस्मरणीय इंसान का निर्माण

अमित गोयल

कुछ अभिनेता ऐसे होते हैं जिन्हें किसी भूमिका की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता। वे किसी दृश्य में प्रवेश करते हैं और देखते-देखते वह दृश्य उनका हो जाता है। उनका किरदार चाहे कितना ही अलग क्यों न हो, उनका चेहरा अपनी एक अलग पहचान बनाए रखता है। नाना पाटेकर ऐसे ही अभिनेता हैं। उन्होंने गैंगस्टर और जनरल, विदूषक और क्रांतिकारी, टूटते हुए बूढ़े रंगमंचीय दिग्गज—जो धीरे-धीरे अपनी स्मृतियों में खोता जा रहा है—सबको निभाया है। उन्होंने यह सब किया और फिर भी हर मुखौटे के पीछे आप उन्हें महसूस कर सकते थे—खुद नाना को, जो जैसे आपको ही देख रहे हों।

यह समझने के लिए हमें सिनेमा से भी बहुत पीछे जाना होगा। उस तेरह साल के लड़के तक, जो मुंबई में रोज आठ किलोमीटर पैदल चलकर फिल्मी पोस्टर रंगता था—पैंतीस रुपये महीने और दिन में एक वक्त के खाने के लिए।

नाना पाटेकर का जन्म महाराष्ट्र के समुद्रतटीय कस्बे मुरुड-जंजीरा में विश्वनाथ पाटेकर के रूप में हुआ। बचपन के शुरुआती साल बहुत असुविधा में नहीं बीते थे। उनके पिता कपड़ा कारोबार से जुड़े थे और परिवार ठीक-ठाक सुख-सुविधा में रहता था। फिर सब बदल गया। पिता के एक भरोसेमंद साथी ने उन्हें धोखा दिया और कारोबार चौपट हो गया। देखते-देखते ठीक-ठाक जिंदगी संघर्ष में बदल गई।

नाना तब नौवीं कक्षा में ही थे, जब उन्होंने काम करना शुरू किया। सुबह स्कूल जाते और दोपहर में चुनाभट्टी पहुंचते, जहां फिल्मी होर्डिंग्स रंगते थे। मजदूरी थी—पैंतीस रुपये महीना। और इसके साथ मिलता था एक वक्त का खाना।

बाद में उन्होंने भूख और अपमान को अपने दो सबसे बड़े गुरु बताया। इस एक वाक्य में ऐसा वजन है जिसे कोई आत्मकथा भी शायद पूरी तरह पैदा नहीं कर सकती। उन्होंने गरीबी को दूर खड़े होकर नहीं देखा था। वे उसके भीतर जिए थे। और उस जीवन ने उनके भीतर अपनी छाप छोड़ी। बाद में ये छाप पर्दे पर उनके निभाए आम लोगों के किरदारों में दिखाई दी—वे साधारण होने का अभिनय नहीं करते थे, बल्कि ऐसे लोगों की तरह चलते-बोलते थे जिन्होंने सचमुच जाना था कि उस दुनिया में साधारण होना कितना महंगा पड़ सकता है, जहां किसी का ध्यान आप पर खास तौर पर नहीं जाता।

सिनेमा से पहले रंगमंच था। और रंगमंच ने उन्हें कला देने से पहले कुछ और दिया—अपने पिता का ध्यान।

स्कूल में रहते हुए ही नाना गांव के नाटकों में अभिनय करने लगे थे। इसका एक कारण यह भी था कि अपने रूप-रंग को लेकर उनमें जो असुरक्षा थी, शायद अभिनय उससे समझौता करने का एक रास्ता बन गया था। लेकिन एक नाटक ने सब कुछ बदल दिया। नाटक था 'वाल्मीकि' और उनके पिता, जिन्हें थिएटर और फिल्मों दोनों से प्रेम था, उसे देखने के लिए मुंबई से आए।

युवा नाना के लिए यह अनुभव किसी रहस्योद्घाटन से कम नहीं था। रंगमंच उन्हें अपने पिता के करीब ला सकता था। उनके लिए इतना कारण ही काफी था कि वे इसे जारी रखें।

यह महत्वाकांक्षा या कलाकार बनने की पारंपरिक कहानी नहीं है। यह उससे कहीं अधिक मानवीय कहानी है—एक बेटे की, जिसने यह खोजा कि अभिनय उस व्यक्ति से संवाद का माध्यम बन सकता है जिसे वह सबसे अधिक चाहता था।

नाना फिल्मी करियर के पीछे नहीं भाग रहे थे। उन्हें थिएटर पसंद था और वे वहीं संतुष्ट थे। तभी उनकी करीबी मित्र स्मिता पाटिल ने हस्तक्षेप किया। वे रंगमंच के उन्हीं दिनों से नाना को जानती थीं और उनमें जो कुछ देखती थीं, उस पर उन्हें भरोसा था। वह उन्हें फिल्मकार रवि चोपड़ा के पास ले गईं।

उन्हें पहली भूमिका 'आज की आवाज' में बलात्कारियों में से एक की पेशकश हुई। उन्होंने मना कर दिया। चुपचाप नहीं, कूटनीतिक ढंग से भी नहीं। वे नाराज हुए, अपनी बात बिल्कुल स्पष्ट शब्दों में कही और वहां से निकलने ही वाले थे कि स्मिता पहुंच गईं। उस टकराव का परिणाम आखिरकार एक दूसरी भूमिका के रूप में निकला। बहुत बड़ी भूमिका नहीं थी, लेकिन वह प्रवेश-द्वार जरूर थी।

इस कहानी में नाना पाटेकर जैसा कुछ लगभग अविश्वसनीय रूप से साफ दिखाई देता है। उनका फिल्मी करियर इस बात से शुरू हुआ कि उन्होंने फिल्म उद्योग से कहा कि वे क्या नहीं करेंगे। ऐसे कारोबार में जहां समझौता और महत्वाकांक्षा अक्सर सफलता की मुद्रा होते हैं, नाना ने 'न' कहकर प्रवेश किया।

फिल्मों ने उन्हें पहचान दी, लेकिन उन्होंने थिएटर से अपना रिश्ता कभी नहीं तोड़ा। उन्होंने एक बार कहा था कि नाटक देखने वाला हर व्यक्ति अपनी आंखों में अपना कैमरा लेकर बैठा होता है। फिल्म का कैमरा सिर्फ रिकॉर्ड करता है। लाइव दर्शक उसमें भाग लेता है।

यह अंतर उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण था। शायद यही वजह है कि उनका अभिनय अक्सर कुछ ज्यादा जीवंत, कुछ कम सोचा-समझा हुआ लगता है—जैसे अगले ही पल वे कुछ अप्रत्याशित कर देंगे। वे अपने संवाद या संकेत का इंतजार नहीं कर रहे होते थे। वे पूरे माहौल पर प्रतिक्रिया कर रहे होते थे।

उनका प्रसिद्ध मराठी नाटक 'पुरुष' सोलह वर्षों तक चला। एक बार उन्होंने अपनी खास बेबाकी से स्वीकार किया कि वे इसे कुछ हद तक पैसे की जरूरत के कारण भी करते रहे—घर के लिए, कार के लिए और उन सामान्य चीजों के लिए जिनकी जिंदगी में जरूरत पड़ती है।

जिस आदमी ने कभी महीने के पैंतीस रुपये कमाए थे, उसे पैसे के साथ अपने रिश्ते को रोमांटिक बनाने की कोई जरूरत नहीं थी। इस मामले में भी वे ईमानदार थे।

फिर आया 'परिंदा', 1989 में।

अन्ना नामक बेरहम लेकिन बेहद प्रभावशाली गैंगस्टर के रूप में उनका अभिनय उस दशक के भारतीय सिनेमा के सबसे यादगार प्रदर्शनों में गिना जाता है। लेकिन इस फिल्म ने उन्हें लगभग सचमुच निगल लिया।

चरम दृश्य में वास्तविक आग का इस्तेमाल किया गया था, क्योंकि उस समय डिजिटल इफेक्ट उपलब्ध नहीं थे। शूटिंग के दौरान नाना सचमुच जल गए। उन्होंने बाद में बताया कि उनकी त्वचा तक उधड़ गई थी। लगभग साठ दिनों तक अस्पताल में रहे और महीनों तक काम नहीं कर सके।

आज जब हम वह दृश्य देखते हैं और यह जानते हैं, तो उसका अर्थ बदल जाता है। आग से बेतहाशा बचने की कोशिश कर रहा अभिनेता खतरे का अभिनय नहीं कर रहा था। वह वास्तव में खतरे में था।

शायद इसी वजह से वह दृश्य इतना भयावह रूप से वास्तविक लगता है। कैमरे ने उस चीज को पकड़ लिया था जिसे पटकथा लिख ही नहीं सकती थी।

कई अभिनेताओं ने सैनिकों की भूमिका निभाई है। नाना सैनिक बनने की तैयारी तक गए।

1991 की फिल्म 'प्रहार: द फाइनल अटैक' की तैयारी के दौरान उन्होंने बाकायदा सैन्य प्रशिक्षण लिया और उन्हें मानद रैंक भी दी गई। फिर 1999 में कारगिल युद्ध हुआ। उन्होंने उस संघर्ष के दौरान सैनिकों के साथ समय बिताने, क्विक रिएक्शन टीम का हिस्सा बनने और यह महसूस करने के बारे में बात की है कि पर्दे पर वर्दी पहनकर सैनिक का किरदार निभाने से आगे भी वे कुछ कर सकते थे।

नाना के लिए किसी चीज के पास होना कभी पर्याप्त नहीं था। वे उसे भीतर से जानना चाहते थे।

लेकिन एक कहानी ऐसी है जो नाना पाटेकर के बारे में उनकी अधिकांश भूमिकाओं से ज्यादा बताती है।

इसमें कोई कैमरा नहीं था।

वरिष्ठ अभिनेता अशोक सराफ ने एक बार 'हमीदाबाई की कोठी' के दौरे के दौरान हुई एक रात को याद किया था। नाटक एक मिल में हो रहा था और वहां बाकायदा मंच भी नहीं था। दर्शक अचानक उग्र हो गए। कुर्सियां टूटने लगीं, लाइटें टूट गईं और स्थिति वास्तविक खतरे की ओर बढ़ने लगी।

नाना ने तुरंत माहौल को भांप लिया। उन्होंने समझ लिया कि उम्रदराज साथी कलाकार अशोक सराफ सबसे ज्यादा खतरे में हैं। उन्होंने उन्हें पकड़ा और वहां से निकलने लगे। दोनों अंधेरे और कीचड़ से गुजरते हुए मुख्य सड़क तक पहुंचे।

वहां नाना ने एक रिक्शा रोका, सराफ को अंदर बैठाया, ड्राइवर से किनारे होने को कहा और खुद रिक्शा चलाकर उन्हें सुरक्षित स्थान तक ले गए।

फिर वे बाकी लोगों को लेने वापस चले गए।

आखिरकार पूरी टीम पुलिस सुरक्षा में लगभग तीन बजे वहां से निकली।

जिस क्षण स्पष्टता और साहस की जरूरत थी, उस क्षण इस आदमी ने दोनों का परिचय दिया। वही आदमी जिसे अपने गुस्से और टकराव भरे स्वभाव के लिए जाना जाता है, जिसे दिखावे से चिढ़ है और जो अधीर माना जाता है।

लेकिन दबाव के क्षण में वह ऐसा इंसान बन गया जिसने सबसे पहले दूसरों के बारे में सोचा और यह सुनिश्चित करने के लिए खतरे में वापस गया कि बाकी लोग भी बाहर निकल आएं।

नाना ने कभी यह दिखावा नहीं किया कि उनके साथ रहना आसान है। उन्होंने अपने गुस्से के बारे में खुलकर बात की है, उन लोगों के बारे में भी जिन्हें शायद उन्होंने चोट पहुंचाई और उन मौकों के बारे में भी जब उनकी तीखी बातों ने ऐसी चोट पहुंचाई जिसकी जरूरत नहीं थी।

लेकिन उन्होंने एक ऐसी बात भी कही है जो अपनी कठोरता से आपको चौंका देती है—अगर उन्होंने गलती की है तो लोगों को उसे भूलना या माफ नहीं करना चाहिए। उन्हें सजा मिलनी चाहिए।

ऐसी बातों में कोई बनावटी प्रायश्चित नहीं है, कोई सोच-समझकर गढ़ी गई पश्चाताप की भाषा नहीं। ऐसा लगता है कि वे आपकी माफी से ज्यादा आपकी ईमानदारी चाहते हैं।

शायद यही वजह है कि दर्शकों ने इतने लंबे समय तक उन पर भरोसा किया।

उन्होंने पसंद किए जाने के लिए कभी बहुत मेहनत नहीं की। वे बस लगातार सामने आते रहे—अपने पूरे, असुविधाजनक और वास्तविक रूप में।

वर्षों तक गुस्से और गंभीरता से भरी भूमिकाएं निभाने के बाद उन्होंने सबको चौंका दिया।

'वेलकम' में उनका उदय शेट्टी ऐसा किरदार था जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। यह आदमी हास्यास्पद था—बेहद मजेदार।

जिस संपूर्ण समर्पण ने अन्ना को डरावना बनाया था, उसी ने उदय शेट्टी को अद्भुत रूप से हास्यास्पद बना दिया।

उन्हें ऐसा लगता ही नहीं था कि दृश्य मजाकिया होना चाहिए। वे दर्शकों की ओर आंख मारकर संकेत भी नहीं करते थे। वे बस ऐसे आदमी के भीतर पूरी तरह उतर गए थे जो खुद को बेहद गंभीरता से लेता था।

और हास्य उस अंतर से पैदा होता था जो उदय शेट्टी की अपनी नजर में उसकी छवि और उसके आसपास की अराजक दुनिया के बीच था।

कॉमेडी की टाइमिंग को अक्सर एक तकनीकी कौशल माना जाता है। नाना ने कुछ और साबित किया—यह हमेशा विश्वास का भी सवाल है।

लेकिन एक भूमिका ऐसी है जिसे पीछे मुड़कर देखने पर लगभग नियति जैसी लगती है।

'नटसम्राट' में अप्पा बेलवलकर एक उम्रदराज रंगमंचीय दिग्गज हैं जिन्होंने अपना सब कुछ मंच को दे दिया है। जब तालियां आखिरकार बंद हो जाती हैं, तब उन्हें उस दर्दनाक अंतर का एहसास होता है जो प्रसिद्ध होने और प्यार किए जाने के बीच होता है।

नाना, जो सिनेमा में इसलिए आए क्योंकि थिएटर उनकी सारी जरूरतों को समेट नहीं पा रहा था; जिन्होंने दशकों तक पर्दे को मंच का विकल्प बनने से इंकार किया—उनके लिए यह भूमिका असाधारण भावनात्मक वजन रखती थी।

यह सिर्फ एक अभिनेता का बूढ़े अभिनेता का किरदार निभाना नहीं था।

यह कुछ ज्यादा निजी था—एक आदमी का अपने ही उन फैसलों से संवाद, जिन्होंने उसकी जिंदगी को आकार दिया था।

उनके जीवन की कहानी आखिरकार प्रसिद्धि से कहीं शांत जगह की ओर मुड़ती है।

अपने जीवन में देखी और झेली गई अभाव की दुनिया ने उन्हें महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त इलाकों के किसानों के दुख के प्रति बेहद संवेदनशील बना दिया।

अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर वे नाम फाउंडेशन के प्रमुख प्रेरक बने। यह संस्था वर्षों से पानी की कमी और किसान आत्महत्याओं के दुख से जूझते गांवों में काम कर रही है।

वे लगातार इस बात पर स्पष्ट रहे हैं कि यह काम क्या नहीं है—यह दान नहीं है।

किसानों को दया की जरूरत नहीं है। न ही इस बात की कि उनकी मदद करते हुए उनकी तस्वीरें खींची जाएं।

उन्हें चाहिए सम्मान, उनकी भावनाओं और पीड़ा की स्वीकृति और व्यावहारिक मदद।

उन्होंने इस काम को अपने लिए जीने की एक वजह बताया है। अपने बारे में अच्छा महसूस करने की वजह नहीं।

वह लड़का जो कभी भूखे पेट सोया था, आखिरकार उसने अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा यह सुनिश्चित करने में लगा दिया कि दूसरे परिवारों को उसी अपमान से न गुजरना पड़े।

एक और बात उल्लेखनीय है।

जब उनके बेटे मल्हार ने अभिनय में कदम रखा, तो बताया जाता है कि नाना ने उद्योग में अपने प्रभाव का इस्तेमाल उसके रास्ते को आसान बनाने के लिए करने से इनकार कर दिया।

जबलपुर जा रहे हैं तो जरूर जाएं माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर, जहां दर्शन देते हैं शिवजी का नाग, जानिए क्या है खासियत

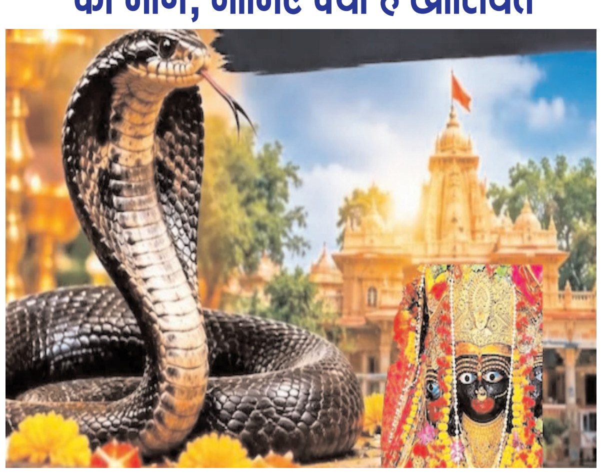

अगर आप मध्यप्रदेश जा रहे हैं और माता रानी में आपकी आस्था है तो शक्तिपीठ जबलपुर की जरूर यात्रा करें. जबलपुर में माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर है. यहां की महिमा अलौकिक है. माना जाता है कि यहां आदि पराशक्ति जगतजननी का पहला अंश माता त्रिपुर सुंदरी के रूप में इसी स्थान पर अवतरित हुआ था.यहां की सबसे बड़ी विशेषता यहां के एक पेड़ पर विराजमान काला नाग है. भक्त इसे देवों के देव महादेव के आभूषण का प्रतीक मानते हैं.

मध्य प्रदेश की पावन धरती पर यदि आप घूमने जा रहे हैं तो यहां के त्रिपुर सुंदरी माता का मंदिर जरूर जाएं. यहां अत्यंत प्रसिद्ध और अलौकिक सिद्ध धाम है. भोपाल से लगभग 350 किलोमीटर दूर स्थित यह पवित्र क्षेत्र प्राकृतिक सुंदरता, पर्वतों और शांत वातावरण से घिरा हुआ है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आदि पराशक्ति जगतजननी का पहला अंश माता त्रिपुर सुंदरी के रूप में इसी स्थान पर अवतरित हुआ था. इस दिव्य धाम में प्रवेश करते ही भक्तों को सबसे पहले एक पेड़ पर काला नाग दिखाई देता है, जिसे भगवान शिव के आभूषण का प्रतीक माना जाता है. पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस पवित्र मंदिर की स्थापना राजा कस्तूरी कर्ण द्वारा की गई थी. यहां आने वाले भक्तगण माता के मंगल रूप और उनकी पवित्र पादुकाओं के दर्शन कर आध्यात्मिक शांति का अनुभव करते हैं।

देश भर के प्रमुख शहरों से यहां बस और ट्रेन द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है.

राजा कस्तूरी कर्ण ने कराई थी मंदिर की स्थापना

यहां पहुंचने का रास्ता प्राकृतिक शोभा से परिपूर्ण है. मनोहर दृश्यों से भरा ये रास्ता भक्तों के मन को भी एक सुंदर अनुभूति से भर देता है. इस संसार में शक्ति माता की लीलाएं अनेक हैं, अनन्य हैं. दीनों का उद्धार करने वाली ये महाशक्ति आदि परा शक्ति जग जननी के रूप में अवतार धारण कर लोक कल्याण करती हैं. ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुसार जबलपुर के इस दिव्य मंदिर की स्थापना भक्त राजा कस्तूरी कर्ण द्वारा करवाई गई थी. यह सिद्ध धाम अपनी अलौकिक शक्तियों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है।

लहसुन का भर्ता बनाने की रेसिपी, सर्दियों में स्वाद के साथ मिलेगा सेहत का भी खजाना

सर्दियों में लहसुन का भर्ता सेहत और स्वाद दोनों के लिए बेहतरीन होता है. औषधीय गुणों से भरपूर यह रेसिपी इम्युनिटी बढ़ाने और शरीर को गर्म रखने में मदद करती है, इसके साथ ही ये खाने का स्वाद भी बढ़ाती है.

भारतीय रसोई में लहसुन का विशेष महत्व है. यह न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि अपने औषधीय गुणों के कारण भी जाना जाता है. सर्दियों के मौसम में लहसुन का भर्ता विशेष रूप से पसंद किया जाता है. इसका तीखा, चटपटा और स्मोकी स्वाद दाल, रोटी, बाजरे की रोटी या पराठे के साथ बेहद स्वादिष्ट लगता है. यदि आप कुछ अलग और पौष्टिक बनाना चाहते हैं, तो लहसुन का भर्ता एक बेहतरीन विकल्प है.

लहसुन का भर्ता बनाने के लिए सामग्री

लहसुन की 2 बड़ी गांठें

2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई

1 छोटा प्याज बारीक कटा हुआ

1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर

ड्ढ चम्मच भुना जीरा पाउडर

1 बड़ा चम्मच सरसों का तेल

नमक स्वादानुसार

हरा धनिया सजाने के लिए

1 चम्मच नींबू का रस

बनाने की विधि

सबसे पहले लहसुन की कलियों को छील लें. अब इन्हें धीमी आंच पर तवे या पैन में हल्का भून लें. चाहें तो लहसुन को अंगारों या ओवन में भी भून सकते हैं, जिससे इसमें हल्का स्मोकी फ्लेवर आ जाता है. जब लहसुन नरम और सुनहरा हो जाए तो उसे ठंडा होने दें.

अब भुने हुए लहसुन को सिलबट्टे या मिक्सर की सहायता से दरदरा पीस लें. ध्यान रखें कि इसे पूरी तरह पेस्ट न बनाएं, क्योंकि दरदरा भर्ता अधिक स्वादिष्ट लगता है.

एक बर्तन में पिसा हुआ लहसुन डालें. इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, भुना जीरा पाउडर और नमक मिलाएं. इसके बाद सरसों का तेल और नींबू का रस डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें.

अंत में ऊपर से हरा धनिया डालकर सजाएं. आपका स्वादिष्ट लहसुन का भर्ता तैयार है.

लहसुन का भर्ता खाने के फायदे

लहसुन में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं. यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है. सर्दियों में इसका सेवन शरीर को गर्माहट प्रदान करता है और मौसमी संक्रमण से बचाने में सहायक हो सकता है.

लहसुन का सेवन पाचन तंत्र को बेहतर बनाने, कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने और हृदय स्वास्थ्य को समर्थन देने में भी उपयोगी माना जाता है. सरसों के तेल और मसालों के साथ तैयार यह भर्ता स्वाद के साथ-साथ पोषण भी देता है.

परोसने का तरीका

लहसुन का भर्ता बाजरे की रोटी, मक्के की रोटी, सादी रोटी, पराठे या दाल-चावल के साथ परोसा जा सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में इसे सर्दियों की थाली का एक खास हिस्सा माना जाता है. इसका तीखा और देसी स्वाद खाने का आनंद कई गुना बढ़ा देता है।

लौकी को कोई नहीं पूछेगा, जब इसी से बनेगी ऐसी खस्ता कचौड़ी कि प्लेट खाली हो जाएगी, हर कोई मांगेगा बार-बार

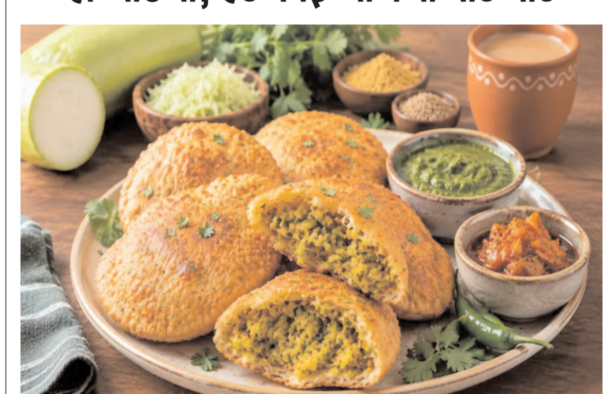

लौकी को रोज की सब्जी के बजाय कचौड़ी में शामिल करके स्वाद में बदलाव किया जा सकता है. गेहूं के आटे, सूजी, बेसन और मसालों से बनी यह कचौड़ी बाहर से कुरकुरी बनती है. इसे चटनी, अचार या चाय के साथ नाश्ते में परोसा जा सकता है.

लौकी की सब्जी देखकर अगर घर में बच्चे ही नहीं, बड़े भी बहाने बनाने लगते हैं, तो इसे एक अलग अंदाज में परोसना अच्छा तरीका हो सकता है. लौकी से बनी ये कचौड़ियां स्वाद में मसालेदार और बाहर से खस्ता होती हैं. खास बात यह है कि इसमें लौकी की नमी का इस्तेमाल आटा गूंथने के लिए किया जाता है, इसलिए अलग से ज्यादा पानी डालने की जरूरत नहीं पड़ती.

इसमें गेहूं का आटा, सूजी और बेसन के साथ अजवाइन, तिल, कलौंजी और मसाले डाले जाते हैं, जिससे स्वाद साधारण कचौड़ी से थोड़ा अलग हो जाता है. यह रेसिपी YouTube चैनल Suvidha Net Rasoi पर शेयर की गई रेसिपी पर आधारित है. आइए जानते हैं इसे बनाने का आसान तरीका.

लौकी की कचौड़ी के लिए सामग्री

1 मीडियम आकार की कच्ची लौकी, 1 कप गेहूं का आटा, 1/4 कप सूजी, 1/4 कप बेसन, 1 छोटा चम्मच अजवाइन, थोड़ी-सी कलौंजी और सफेद तिल, 1 छोटा चम्मच कुटी लाल मिर्च, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी, 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला, 1 छोटा चम्मच चाट मसाला, थोड़ी-सी कसूरी मेथी और हरा धनिया, 2 चम्मच तेल मोयन के लिए, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

पहले लौकी को इस तरह करें तैयार

सबसे पहले लौकी को छीलकर धो लें. ऐसी लौकी लें जिसमें मोटे और सख्त बीज न हों. इसे बारीक कद्दूकस कर लें और थोड़ा नमक मिलाकर करीब 2 मिनट के लिए छोड़ दें. इसके बाद हाथों से लौकी को अच्छी तरह निचोड़ें, ताकि अतिरिक्त पानी अलग हो जाए. यहां लौकी का पानी फेंकने की बजाय संभालकर रखना बेहतर है. जरूरत पड़ने पर आटा गूंथते समय इसकी थोड़ी मात्रा इस्तेमाल की जा सकती है.

मसालेदार आटा ऐसे गूंथें

एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा, सूजी और बेसन लें. इसमें अजवाइन, कलौंजी, सफेद तिल, कुटी लाल मिर्च, हल्दी, गरम मसाला, चाट मसाला, कसूरी मेथी, हरा धनिया और नमक डालें।

विजय देवरकोंडा सेट पर बेहद समर्पित रहते हैं, उनसे बहुत कुछ सीखती हूं : रश्मिका मंदाना

मुंबई। अभिनेत्री रस्मिका मंदाना जल्द ही अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ आगामी ड्रामा फिल्म 'रणबाली' में नजर आएंगी। शादी के बाद यह दोनों की पहली बड़ी फिल्म होगी, जिससें वे साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

बुधवार को रस्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'आस्क मी एनीथिंग' सत्र आयोजित किया। इस दौरान एक प्रशंसक ने उनसे विजय देवरकोंडा के साथ काम करने का अनुभब पुछा। इस पर 'एनिमल' फेम अभिनेत्री ने कहा कि विजय के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है, लेकिन काम के मामले में वह बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं। उन्होंनें यह भी कहा कि उनके साथ काम करते हुए हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिलता हैं।

> 'हमेशा बहुत सारा मजा आता है, लेकिन वह सेट पर अपने काम को लेकर बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं।
> – रश्मिका मंदाना

मां के नाम पर रखा गया किरदार का नाम

इससे पहले 'रणबाली' के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म में रस्मिका के किरदार का नाम अपनी मां के नाम पर रखा है। उन्होंनें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "जब मैं 'रणबाली' लिख रहा था, तव इसकी दुनिया के हर छोटे-बड़े विवरण ने मुझे यादों में पहुंचा दिया। जब मैंने महिला नायिका का किरदार लिखा, तों मैंने उसे कुछ बहुत निजीं चीज दी, मैंने उसे अपनी मां का नाम दिया।"

शूटिंग पूरी, शेयर किया वीडिंयो

इस बीच, रस्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा 'रणबाली' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए निर्वेशक राहुल सांकृत्यायन ने अपनी टीम का एक वीडियो साझा किया और लिखा, "130 दिनों की इस शानदार यात्रा का समापन हो गया। मेरी अथक और ऊर्जावान टीम का धन्यवाद।"

विश्वनाथ पाटेकर उर्फ़ नाना पाटेकर...

विश्व केसरी

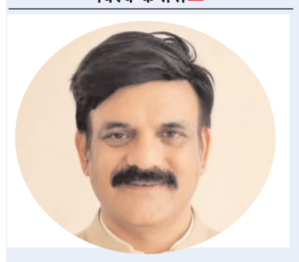

पंकज शुक्ल

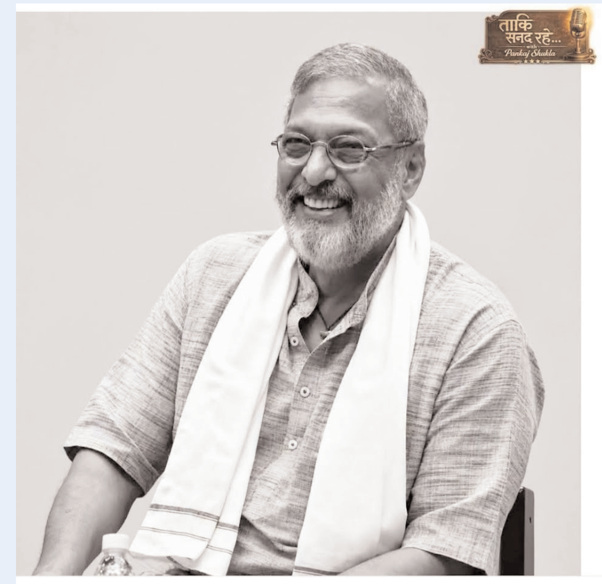

'हाँ, मन्या सुर्वे मेरे मामा का बेटा है!', नाना पाटेकर ने जब पहली बार ये स्वीकारोक्ति की थी तो मुंबई फ़िल्म जगत को जैसे साँप सूंघ गया था, गिनती के ही लोगों को तब तक पता था कि नाना पाटेकर और मन्या सुर्वे बचपन में साथ साथ खेले हैं। वही मन्या सुर्वे जिसके नाम से बंबई का अंडरवर्ल्ड काँपता था।

और, यही एक वजह रही कि नाना पाटेकर की परवरिश मुंबई के बजाय मुरुड में हुई। उनकी माँ निर्मला नहीं चाहती थीं कि बेटा भी अपने ननिहाल के माहौल में पले-बढ़े। और, नाना पाटेकर की कहानी फ़िल्मों से नहीं, उनकी माँ से ही शुरू होती है।

'I have learnt acting from her. I have learnt everything from my mother.' अपनी माँ निर्मला के बारे में नाना का यह वाक्य जितना छोटा है, उसके पीछे उतनी ही बड़ी ज़िंदगी है। सात बच्चों में पाँच को खो देने वाली माँ का दिल कितना रोया होगा। अपने सामने ही माता-पिता को खोया, पति को खोया और अपने भाई का सरेआम एनकाउँटर भी...!

नाना के लिए वह सिर्फ़ घर की मुखिया नहीं थीं; जीवन को देखने का उनका पहला ढंग थीं। नाना का जन्म विश्वनाथ पाटेकर के रूप में हुआ। पिता गजानंद पाटेकर कपड़े के कारोबार से जुड़े थे और मुंबई में रहते थे। नाना और उनके भाई अशोक-दिलीप मुरुड में माँ के साथ बड़े हुए।

छुट्टियों में बच्चे मुंबई आते और पिता के साथ समय बिताते। इस दूरी ने बचपन में पिता को उनके लिए एक ऐसे आदमी की तरह बना दिया था, जो अपना था, मगर हर समय पास नहीं था। बचपन की दूसरी चोट आर्थिक नहीं, भीतर की थी। दोनों भाई उनसे गोरे थे और नाना अपने रंग को लेकर हीनभावना से घिरे रहते।

उन्होंने याद भी किया था कि उनकी माँ पड़ोस की एक बच्ची से पूछती थीं कि वह दिलीप से शादी करेगी या नाना से। बच्ची हर बार दिलीप की ओर इशारा करती। वजह पूछने पर कहती, नाना काले हैं। एक बच्चे का आत्मविश्वास तोड़ने के लिए ये बहुत ज़्यादा था।

स्कूल के दिनों में नाना ने नाटकों में काम करना शुरू किया। पहला बड़ा नाटक देखने उनके पिता मुंबई से मुरुड आए। नाना के पिता ख़ुद तमाशा, नाटक और सिनेमा के शौक़ीन थे। एक बार नाना ने वाल्मीकि में अभिनय किया। विजयाबाई मेहता के पास ही बैठे थे उनके पिता और उन्होंने नाना के पिता से कहा, 'नाना मेरा बेटा है।' पिता क्या ही करता, उसने बहुत शांत ढंग से जवाब दिया, 'सौभाग्य देखिए, ये मेरा भी बेटा है।'

'ताकि सनद रहे विद पंकज शुक्ल' नियमित पढ़ने वालों में से कइयों को पता होगा कि किशोरावस्था में नाना ने फ़िल्मों के पोस्टर रंगे। विज्ञापन एजेंसी में काम किया, मगर थिएटर के लिए नौकरी छोड़ दी। उन्हें पता था कि मंच उन्हें पहचान दे सकता है, पैसा नहीं। पिता के इलाज के लिए पैसे तक जुटाना मुश्किल था। दवाइयों का खर्च निकालने के लिए उन्हें नाटक करने पड़ते थे। और जब पिता की मृत्यु हुई, तब भी महासागर के तीन शो उनके सामने थे।

नाना के मुताबिक़, पिता की देह घर में थी, अंतिम संस्कार होना बाकी था और वह मंच पर चले गए। विक्रम गोखले उस स्थिति से परिचित थे। जिस संवाद में उन्हें नाना से उनके पिता के बारे में पूछना था, उसके पीछे नाना का अपना शोक खड़ा था। नाना ने वह शो किया। फिर, नाना के जीवन में नीलकांति आईं। नीलकांति रंगमंच अभिनेत्री थीं और बैंक में नौकरी करती थीं। 1978 में दोनों ने शादी की। नाना को एक शो के लगभग 50 से 75 रुपये मिलते थे, जबकि नीलकांति की बैंक की नौकरी से लगभग 2,500 रुपये महीना आता था। जब नाना ने विज्ञापन की नौकरी छोड़कर पूरी तरह थिएटर को अपनाने का फैसला किया, तो नीलकांति ने उन्हें आर्थिक सुरक्षा दी।

नाना ने कहा भी कि वह जो कुछ हैं, उसमें नीलकांति का बड़ा योगदान है। लेकिन सफलता आने से पहले उनके जीवन में एक ऐसा दुख आया जिसका असर शायद उम्र भर रहा। उनका पहला बेटा दुर्वासा जन्म से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहा था। वह ढाई साल का था जब उसकी मृत्यु हो गई।

सैयामी खेर ने खोले इंडस्ट्री के कड़वे राज, बोलीं- एक्टर या डायरेक्टर को डेट करने की मिली सलाह

विश्व केसरी

मुंबई। एक्ट्रेस सैयामी खेर ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर उन्होंने अपने अब तक के सफर को याद किया और बताया कि फिल्मों में जगह बनाने की कोशिश के दौरान उन्हें किस तरह की चुनौतियों और बिना मांगी सलाह का सामना करना पड़ा।

सैयामी ने बताया कि जब उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब वह नासिक की एक शांत लड़की थीं, जिसे फिल्मों की दुनिया के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। खुद को साबित करने का मौका मिलने से पहले ही कई लोगों ने उन्हें जज कर लिया था।

मीडिया से बात करते हुए सैयामी खेर ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, ''जब मैं पहली बार फिल्म के सेट पर पहुंची थी, तब मेरी उम्र 20 साल के आसपास थी। बीते 10 साल मेरी जिंदगी के सबसे बड़े बदलाव लाने वाले अनुभवों से भरे रहे हैं। उस समय मैं नासिक से आई एक इंट्रोवर्ट लड़की थी, जो फिल्मों की दुनिया से अनजान थी। इसके बावजूद मुझे शुरुआत में ही यह मानकर रिजेक्ट कर दिया गया कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं।''

सैयामी ने कहा, ''मुझे यहां तक कहा गया कि मैं 'गांव की लड़की' जैसी लगती हूं और मुझमें एक्ट्रेस बनने की काबिलियत नहीं है। इतना ही नहीं, मुझे इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए ऐसी सलाह भी दी गई, जिसे सुनना मेरे लिए आसान नहीं था। कुछ लोगों ने सलाह दी कि किसी एक्टर या डायरेक्टर को डेट कर लो, क्योंकि इंडस्ट्री में एंट्री का यह आसान रास्ता है। इसके अलावा मुझे कॉस्मेटिक सर्जरी कराने और लिप जॉब करवाने की सलाह तक दी गई।''

सैयामी ने आगे कहा, ''मेरी परवरिश और माता-पिता से मिले आत्मविश्वास ने मुझे ऐसी बातों से टूटने नहीं दिया। कई बार मुझे इस तरह की बातें सुनकर गुस्सा आने के बजाय हंसी आ जाती थी। मेरे सामने ऐसे कई लोग आए, जिनके पास मुझे देने के लिए मुफ्त की सलाह थी, जबकि दूसरी तरफ मुझे लगभग हर दिन रिजेक्शन का सामना करना पड़ता था। मेरे करियर में बड़ा मोड़ तब आया, जब एक दिन मुझे अदूर मुखर्जी का फोन आया। उन्होंने कहा कि दिलीप शंकर मेरा टेस्ट लेंगे। मेरे लिए यह मौका बाकी मौकों से अलग था।''

सैयामी ने बताया, ''मैंने दिलीप शंकर और आदिल हुसैन के साथ करीब तीन महीने तक वर्कशॉप की। ये तीन महीने मेरी जिंदगी बदलने वाले साबित हुए। इस दौरान मुझे खुद बने रहने, अपने काम में सच्चाई और ईमानदारी रखने और खुद पर भरोसा करने की सीख मिली। इसके करीब छह महीने बाद मुझे राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'मिर्ज्या' के लिए फाइनल कर लिया गया।

गौहर खान ने लव गिल की हरकत पर उठाए सवाल, कहा-अच्छा बनने का दिखावा मत करो

विश्व केसरी

मुंबई। 'बिग बॉस 20' के घर में काजी तौकीर की तबीयत खराब होने के बाद लव गिल से खाना मांगने और उसके बाद हुए ड्रामे को लेकर सोशल मीडिया और घर के अंदर काफी चर्चा हो रही है। इस पूरे मामले पर बिग बॉस सीजन 7 की विजेता और अभिनेत्री गौहर खान ने भी रिएक्ट किया है।

उन्होंने लव गिल के इस बर्ताव पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पूछा कि क्या लव गिल का काजी के प्रति यह मददगार रवैया असली था या सिर्फ एक दिखावा (फेक) था।

अभिनेत्री गौहर खान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह कहती हैं, अभी तक लगता था कि लव गिल अंदर से अच्छी लड़की है, लेकिन गलत संगत का असर भी बुरा ही होता है। तबीयत खराब होने की वजह से काजी ने लव गिल से खाना मांगा, तो लव ने तब तो हां कर दिया कि लेकर आती हूं। फिर मुझे लगा कि वाह, लव कितनी अच्छी लड़की है। कितने अच्छे तरीके से वह गई।

अभिनेत्री ने आगे कहा, अंदर जाते ही उसे अपने ग्रुप में लोगों से बोलने की क्या जरूरत थी कि काजी बोल रहा है कि मेरे लिए खाना लेकर आओ। मतलब एक सेकंड में आपने साफ कर दिया कि आप न तो अच्छे बन सकते हो और न ही उसका दिखावा कर सकते हो। जैसे लव गिल ने किचन में जाकर कहा कि काजी खाना मांग रहा है, तो स्काउट लव से बोलता है कि नहीं, तुम क्यों ले जाओगी, मैं ले जाता हूं।

हमारे लिए पिता समान थे नाना साहब, हमेशा मदद को रहे तैयार : नाम फाउंडेशन सीईओ

विश्व केसरी

पुणे। भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार आज शाम पुणे के डोनजे इलाके में स्थित उनके निवास 'नानाची वाडी' के पास किया जाएगा। इस खबर के बाद से पूरे महाराष्ट्र और फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है।

उनके घर के बाहर बड़ी संख्या में प्रशंसक जमा हैं और नम आंखों से अपने चहेते अभिनेता के अंतिम दर्शन का इंतजार कर रहे हैं।

नाना पाटेकर के निधन पर 'नाम फाउंडेशन' के सीईओ गणेश थोरात ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'नाना साहब हमारे लिए और पूरे महाराष्ट्र के लिए पिता समान थे। जब भी महाराष्ट्र में किसी भी व्यक्ति पर कोई मुसीबत आती थी, तो सबसे पहले मदद का हाथ नाना साहब ही आगे बढ़ाते थे। आज उन्हें खोने के बाद ऐसा लग रहा है जैसे हमारे सिर से सुरक्षा की छत्रछाया उठ गई हो।'

थोरात ने आगे कहा कि नाना साहब का परिवार पूरा महाराष्ट्र है। इस दुख की घड़ी में सभी को एकजुट रहने की जरूरत है। नाना साहब का सपना था कि महाराष्ट्र का हर परिवार खुशहाल रहे और किसी पर भी दुख की छाया न पड़े।

उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में इस समय सूखे की स्थिति है और नाना पाटेकर इस विषय पर भी लगातार काम कर रहे थे। उन्होंने प्रशंसकों से अपील की कि जो भी व्यक्ति नाना साहब के अंतिम दर्शन करना चाहता है, वह शाम 6 से 7 बजे तक पुणे स्थित उनके निवास पर पहुंच सकता है।

अंतिम संस्कार की तैयारियां महाराष्ट्र सरकार की ओर से की जा रही हैं। बड़ी संख्या में प्रशंसकों और चाहने वालों के पहुंचने की संभावना है।

'तुझसे पैसे लूंगा', रोहित शेट्टी-ऋतिक रोशन समेत तमाम सितारों ने याद किया नाना पाटेकर संग खास रिश्ता

विश्व केसरी

मुंबई। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन की खबर से हिंदी सिनेमा के कलाकारों के बीच शोक की लहर है। उनके साथ काम कर चुके कलाकार भावुक होकर उन्हें याद कर रहे हैं। किसी ने उनके अभिनय को प्रेरणा बताया, तो किसी ने उनके बेबाक अंदाज को याद किया।

डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने लिखा, ''प्यारे दादा, मुझे आपके देर रात के कॉल्स की याद आएगी। कोई हैलो नहीं और कोई फॉर्मैलिटी नहीं, बस एक सीधा सवाल, 'ऐ शेट्टी, क्या कर रहा है?' और मैं जानबूझकर बोलता था- 'कौन बोल रहा है?', ताकि आपको चिढ़ा सकूं और इसके बदले में आप जवाब में कहते- 'साले, नाना बोल रहा हूं।' मेरी रिलीज के बाद, आप मेरे सबसे बड़े और सबसे ईमानदार क्रिटिक्स में से एक थे। आपने कभी किसी चीज को शुगर-कोट नहीं किया।''

रोहित शेट्टी ने लिखा, ''यह फिल्म वाली तूने अच्छी बनाई... यह फिल्म मुझे अच्छी नहीं लगी, यह फिल्म सुपरहिट है, इस फिल्म को तुमने हिट बनाने की कोशिश की है और फिर, अपने अंदाज में, आप मुझे याद दिलाते- 'अबे, तू खुद स्टार है... तुझे इतने स्टार्स की जरूरत नहीं है।' मैं कभी नहीं भूलूंगा जब आपने 'गोलमाल अगेन' में कैमियो किया था। मैंने आपसे पूछा, 'दादा, आपकी फीस?' और आपने मेरी तरफ देखा और कहा, 'तुझसे पैसे लूंगा? एक अनाथाश्रम का नंबर देता हूं, वहां डोनेट कर दे।' वो आप थे दादा। सीधे, दिलदार और बिना फिल्टर के.. हमेशा सच्चे इंसान। मुझे आपका शेट्टी कहलाना याद आएगा। आपकी याद आएगी दादा।''

अभिनेता ऋतिक रोशन ने नाना पाटेकर को याद करते हुए एक्स पर पोस्ट में लिखा, ''आपने दर्शकों को ऐसा सिनेमा दिया, जिसमें सच्चाई और मनोरंजन दोनों का खास मेल था। आपके दमदार अभिनय, सहज हास्य और ऐसे किरदार, जिन्हें भुलाना मुश्किल है।

पेजेशिकयन और पुतिन की फोन वार्ता, रणनीतिक द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

वाशिंगटन। ईरान के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को जारी रखने और इसे और मजबूत करने पर जोर दिया है।

ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के अनुसार बुधवार को फोन पर हुई बातचीत में पेजेशकियन ने कहा कि ईरान और रूस को अलग-अलग क्षेत्रों में आपसी सहयोग को जारी रखने के साथ इसे और बढ़ाना चाहिए। इस दिशा में आगे बढ़ना दोनों देशों के साझा हितों में है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पुतिन ने कहा कि क्षेत्र में चल रहे घटनाक्रम के बावजूद रूस और ईरान के बीच व्यापक रणनीतिक सहयोग समझौते के तहत साझेदारी जारी है। उन्होंने मॉस्को और तेहरान के बीच करीबी रिश्ते और सहयोग बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया।

पुतिन ने ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करने और पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए कुछ देशों की कोशिशों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रूस ऐसी कूटनीतिक कोशिशों का समर्थन करता है और जरूरत पड़ने पर इसमें अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर तेहरान और ईरान के दूसरे शहरों पर हमले किए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल के साथ-साथ क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों को निशाना बनाते हुए कई मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इसके साथ ही ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी पकड़ और सख्त कर दी।

इसके बाद 8 अप्रैल को संघर्ष में शामिल पक्षों के बीच सीजफायर हो गया। 18 जून को ईरान और अमेरिका ने क्षेत्र में सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने को लेकर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इस एमओयू के तहत दोनों देशों को 60 दिनों के भीतर बातचीत करनी थी। यह समयसीमा 17 अगस्त को खत्म हुई और इसका मकसद एक अंतिम समझौते तक पहुंचना था। हालांकि, लगातार बढ़ते तनाव के बीच दोनों पक्ष किसी समझौते की दिशा में पर्याप्त प्रगति नहीं कर पाए।

सऊदी अरब में नागरिक ठिकानों पर हमले की भारत ने की आलोचना, आमजन को निशाना बनाना स्वीकार्य नहीं

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत ने सऊदी अरब के दो हवाई अड्डों पर हुए अलग-अलग हमलों की कड़ी निंदा की। सऊदी अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 36 अन्य घायल हो गए। भारत ने इस मुश्किल समय में सऊदी अरब के साथ एकजुटता की बात कही।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत पिछले कुछ दिनों में आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमलों की कड़ी निंदा करता है। इन हमलों में आम लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल हुए हैं।

विदेश मंत्रालय ने हमलों का विरोध जताते हुए कहा कि आम नागरिकों से जुड़ी जगहों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बिल्कुल भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। हम उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जताते हैं, जिन्होंने इन हमलों में अपने प्रियजनों को खोया है। साथ ही, हम घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। भारत इस मुश्किल समय में सऊदी अरब की जनता और सरकार के साथ एकजुटता से खड़ा है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन ने बताया कि इन हमलों में मंगलवार और बुधवार को दक्षिण-पश्चिमी सऊदी अरब के आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और सऊदी राजधानी रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया और दोनों जगहों पर संपत्ति का नुकसान हुआ।

इससे पहले बुधवार को हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया ने कहा था कि कई ड्रोन से किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया।

संक्षिप्त खबर

बलूचिस्तान में नुकसान के बाद बैकफुट पर पाक सेना, रिटायर्ड जवानों को फिर से बुलाने की तैयारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में भारी जनहानि और सैनिकों के नौकरी छोड़ने की बढ़ती प्रवृत्ति पाकिस्तानी सेना के लिए सिरदर्द बनी हुई है। सेना गंभीर जनबल संकट से जूझ रही है। इस कमी को पूरा करने के लिए पाक सुरक्षा प्रतिष्ठान ने सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को तत्काल प्रभाव से फिर से भर्ती करने का निर्देश जारी किया है। फ्रंटियर कॉर्प्स, बलूचिस्तान (उत्तर) के इंस्पेक्टर जनरल ने एक आधिकारिक संदेश में रिटायर्ड सैनिकों से तुरंत रिपोर्ट करने और दोबारा भर्ती होने को कहा है। एक अधिकारी ने कहा कि इस संदेश से दो बातें पता चलती हैं। पहली बात यह है कि पाकिस्तानी सेना में सैनिकों की भारी कमी हो गई है, क्योंकि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे गुटों के हमलों में सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अधिकारी ने कहा, 'इस तरह के संदेश का दूसरा कारण यह हो सकता है कि पाकिस्तान सेना इन इलाकों में अपने ऑपरेशन तेज करने की तैयारी कर रही है। बीएलए और बीएलएफ जैसे गुटों ने अपनी क्षमताएं काफी बढ़ा ली हैं और महिला सुसाइड यूनिट भी बनाई हैं।

ग्रेटर नोएडा: जेवर के जहांगीरपुर हत्या मामले में छह नामजद आरोपियों पर केस दर्ज

विश्व केसरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर थाना क्षेत्र के जहांगीरपुर कस्बे में बुधवार देर रात रंजिश के चलते एक युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुराने बाजार में बाइक सवार बदमाशों ने इमरान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने उसे तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद जहांगीरपुर कस्बे में दहशत का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, वारदात बुधवार रात करीब 11 बजे जहांगीरपुर के पुराने बाजार क्षेत्र में हुई। बताया जा रहा है कि इमरान अपने घर के आसपास मौजूद था, तभी बाइक सवार हमलावरों ने उस पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने कई राउंड गोलियां चलाईं और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके पर दो बिना नंबर प्लेट की बाइक छोड़कर फरार हो गए। गोली लगने से इमरान गंभीर रूप से घायल हो गया था। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उपचार के दौरान इमरान को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फील्ड यूनिट और फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और वारदात से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों की जांच शुरू की।

'सऊदी अरब ने छह प्रांतों में किए 156 हवाई हमले, नागरिक ठिकानों को बनाया निशाना', हूती विद्रोहियों का दावा

विश्व केसरी

सना। यमन के हूती समूह ने कहा है कि सऊदी अरब की सेना ने हूतियों के कब्जे वाली राजधानी सना और पांच अन्य प्रांतों में 156 हवाई और मिसाइल हमले किए हैं। वहीं, सऊदी अरब की सीमा के पास उत्तरी यमन के अल-जौफ प्रांत में हूती लड़ाकों और सरकारी बलों के बीच फिर से संघर्ष शुरू होने की खबर है।

हूती सेना के प्रवक्ता याह्या सारेया ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी एक बयान में कहा कि सऊदी हमलों में सना के अलावा ताइज, सादा, अल-जौफ, मारिब और अमरान प्रांतों के इलाकों को निशाना बनाया गया।

उन्होंने दावा किया कि इन हमलों में आम नागरिकों से जुड़ी जगहों को भी निशाना बनाया गया, हालांकि उन्होंने इसकी कोई जानकारी नहीं दी।

सारेया के मुताबिक, ताजा हमलों के बाद मौजूदा तनाव बढ़ने के बाद से सऊदी अरब की ओर से किए गए हवाई और मिसाइल हमलों की कुल संख्या 1,798 हो गई है। सऊदी अरब की ओर से इन दावों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, सारेया ने कहा कि हूती लड़ाकों ने पूर्वी अल-जौफ में अपने ठिकानों की ओर बढ़ने की यमन के सरकारी बलों की कोशिश को नाकाम कर दिया।

उन्होंने दावा किया कि हूती लड़ाकों ने अल-जौफ में सरकारी सैनिकों के ठिकानों को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया। इन हमलों में कई सरकारी सैनिकों के मारे जाने या घायल होने और कई सैन्य वाहनों के नष्ट होने का दावा किया गया है।

बुधवार को ही यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म को नष्ट कर दिया है। गठबंधन के मुताबिक, इसी प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल सऊदी अरब की राजधानी रियाद पर हमले में किया गया था। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मालिकी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर बताया कि सना में इस प्लेटफॉर्म को उस समय नष्ट किया गया।

बोंडी हमले के बाद सिडनी में बहुत कुछ बदला, अब सड़कों पर दिखेगी नई आर्म्ड फोर्स

विश्व केसरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बोंडी बीच आतंकी हमले (दिसंबर 2025) के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठे थे। अब इस पर बड़ा फैसला लिया गया है। हमले के बाद गठित की गई रैपिड रिस्पॉन्स यूनिट के पूरी तरह ऑपरेशनल होने से पहले ही पूरे सिडनी में भारी हथियारों से लैस पुलिस की तैनाती की जाएगी। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने इस नई आर्म्ड यूनिट का अनावरण किया है।

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की सरकार ने गुरुवार को कहा कि राज्य पुलिस बल की नई 'आर्म्ड रिस्पॉन्स कमांड' (एआरसी) के अधिकारी आगामी हफ्तों में सिडनी में गश्त शुरू करेंगे, फिलहाल इस यूनिट की ट्रेनिंग जारी है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल दिसंबर में बोंडी बीच पर आतंकी हमला हुआ था। अंधाधुंध गोलीबारी में 15 लोग मारे गए थे। बीच पर यहूदी त्योहार के उपलक्ष्य में लोग जुटे थे। इसके बाद ही एआरसी को एक स्थायी यूनिट के तौर पर बनाया गया था।

एनएसडब्ल्यू के प्रीमियर क्रिस मिन्स, पुलिस और आतंकवाद-रोधी मंत्री यास्मीन कैटली और पुलिस कमिश्नर मैल लैन्यन ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि एआरसी अधिकारी ज्यादा जोखिम वाले इलाकों (धार्मिक स्थलों और बड़े समारोह आयोजन स्थल) पर गश्त करेंगे और किसी भी खतरे का जवाब तुरंत देंगे।

250 अधिकारियों वाली इस यूनिट के पास कॉम्बैट असॉल्ट राइफलें और खास तौर पर तैयार की गई 24 गाड़ियां होंगी, और उन्हें एक स्पेशलाइज्ड ऑपरेशन सेंटर का सहयोग भी मिलेगा।

मुस्लिम लड़कों का गरबा में जाना हराम, अपनी पहचान का करें सम्मान : नदवी

विश्व केसरी

भोपाल। नवरात्रि का पर्व करीब है और हर तरफ गरबा की तैयारी चल रही है। इन आयोजनों में मुस्लिम युवक भी हिस्सा लेते हैं। भोपाल के मुफ्ती मोहम्मद गुफरान खान नदवी ने मुस्लिम लड़को से गरबा में शामिल न होने की अपील करते हुए कहा कि इस आयोजन में शामिल होना हराम है। सोशल मीडिया पर जारी हुए एक वीडियो में मुफ्ती मोहम्मद गुफरान खान नदवी ने कहा है कि मुस्लिम युवाओं का दूसरी कौम के धार्मिक त्योहार या रस्म में शामिल होना जायज नहीं है, जो व्यक्ति दूसरी कौम के कार्यक्रमों में शामिल होते हैं, वह उसी के तौर तरीके में शामिल माना जाता है ।

मुफ्ती ने सवालिया अंदाज में कहा कि आज के दौर में जो गरबा या हिंदू रस्म होती है उसमें मुस्लिम लड़कों का शिरकत करना जायज है? बस इतना ही कहूंगा कि यह हराम है । मुफ्ती ने मुस्लिम समाज के लड़कों को सलाह दी है और कहा है कि कुछ मुस्लिम युवक अपने दोस्तों के साथ गरबा में जाना बेहतर समझते हैं लेकिन उन्हें इससे बचना चाहिए क्योंकि दूसरी कौम की धार्मिक पहचान और रस्मों का अनुसरण करना उचित नहीं है। मुस्लिम युवाओं को अपनी धार्मिक पहचान और परंपरा के लिए जागरूक करना चाहिए।

दरअसल विभिन्न समितियां द्वारा नवरात्रि के मौके पर देवी प्रतिमाओं की स्थापना की जाती है तो वहीं गरबा का आयोजन किया जाता है। इसमें बड़ी तादाद में युवक और युवतियां हिस्सा लेते हैं। इस आयोजन में दूसरी समाज के युवाओं की हिस्सेदारी पर आपत्ति दर्ज कराई जाती है, साथ ही कई तरह के आरोप भी लगाए जाते हैं।

मुफ्ती के बयान से पहले ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी भी मुस्लिम समाज के युवाओं से यह अपील कर चुकी है कि वह गरबा में जाने से परहेज करें। कमेटी की ओर से कहा गया था।

प्री-पीटीसी एडमिशन नियमों में बदलाव, गुजरात में ईडब्ल्यूएस और दिव्यांगों को मिलेगा लाभ

विश्व केसरी

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने प्री-पीटीसी (डीईसीईडी) कॉलेजों में एडमिशन के लिए अधिकतम उम्र सीमा 24 साल से बढ़ाकर 30 साल कर दी है और प्रति क्लास सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 62 कर दी है। साथ ही, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और दिव्यांगों के लिए आरक्षण भी लागू किया गया है।

प्री-पीटीसी (प्राइमरी टीचर सर्टिफिकेट) कॉलेजों (जिन्हें बाल अध्यापन मंदिर भी कहा जाता है) के लिए घोषित ये सुधार प्री-प्राइमरी एजुकेशन में टीचर्स की ट्रेनिंग तक ज्यादा लोगों की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से किए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि ये बदलाव मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में घोषित किए गए हैं, जिसमें शिक्षा मंत्री प्रद्युमन वाजा और शिक्षा राज्य मंत्री रिवाबा जडेजा शिक्षा विभाग का काम देख रहे हैं।

नए नियमों के तहत अब हर क्लास में पहले की 50 सीटों की जगह 62 सीटें होंगी, यानी 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इनमें से 17 सीटें सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) के लिए 27 फीसदी कोटे के तहत, 4 सीटें अनुसूचित जाति (एससी) के लिए 7 फीसदी कोटे के तहत और 9 सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए 15 फीसदी कोटे के तहत आरक्षित होंगी।

ओपन कैटेगरी के लिए 26 सीटें होंगी जबकि ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए 10 फीसदी कोटे के तहत 6 सीटें आरक्षित रहेंगी। नए नियमों में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 32 के अनुसार दिव्यांगों के लिए 5 फीसदी आरक्षण का भी प्रावधान है।

दिव्यांग कोटा निर्धारित दिव्यांगता श्रेणियों में बांटा जाएगा। दिव्यांग उम्मीदवारों का चयन मेरिट और उनकी पसंद के आधार पर किया जाएगा।

जल जीवन मिशन और पोलावरम के लिए केंद्र सरकार समय पर जारी करे फंड : सीएम नायडू

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की और जल जीवन मिशन-अमरजीवी जलधारा कार्यों और पोलावरम परियोजना के लिए समय पर फंड जारी करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री नायडू ने पोलावरम परियोजना की प्रगति और हाल ही में 30,000 करोड़ रुपए की लागत से शुरू किए गए जल जीवन मिशन-अमरजीवी जलधारा कार्यों की जानकारी दी।

बता दें कि पोलावरम परियोजना आंध्र प्रदेश के एलुरु और पूर्वी गोदावरी जिलों में गोदावरी नदी पर स्थित एक प्रमुख बहुउद्देशीय राष्ट्रीय सिंचाई परियोजना है।

दो दिवसीय दिल्ली दौरे के तहत मुख्यमंत्री नायडू ने सीआर पाटिल से मुलाकात की और बताया कि पोलावरम का काम तेज गति से चल रहा है, जिसका लक्ष्य अगले साल गोदावरी पुष्करम तक परियोजना को पूरा करके राष्ट्र को समर्पित करना है।

यहां जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री नायडू ने केंद्रीय मंत्री से ओडिशा और छत्तीसगढ़ से जुड़े लंबे समय से लंबित मुद्दों को सुलझाने का भी आग्रह किया। उन्होंने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पोलावरम परियोजना के तहत ओडिशा और छत्तीसगढ़ में बनने वाले सुरक्षात्मक तटबंधों के लिए लंबित जन सुनवाई के संबंध में जारी स्टॉप वर्क ऑर्डर को स्थायी रूप से वापस लेने का अनुरोध किया।

अहमदाबाद नगर निकाय ने 50 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य पूरा किया, कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम भूपेंद्र पटेल

विश्व केसरी

अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एएमसी) ने अपने 'मिशन फाइव मिलियन ट्रीज' अभियान के तहत 50 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य हासिल कर लिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को 'सेवा, संकल्प और समर्पण अभियान' में शामिल हुए। उन्होंने भदाज में पेड़ लगाने के कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री पटेल ने कैबिनेट मंत्री ऋषिकेश पटेल, अहमदाबाद के मेयर हितेश बरोट और अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अभियान में शामिल होने से पहले मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर नागरिकों से बातचीत की। भदाज में पौधरोपण के लिए लगभग 85,000 वर्ग मीटर जमीन है, जिसमें से अब तक 66,600 वर्ग मीटर में एक लाख से ज्यादा पेड़ लगाए जा चुके हैं। इस जगह पर पेड़ों की 38 से ज्यादा किस्में हैं और यहां 'त्रिफला वन' बनाने की भी योजना है।

इस पौधरोपण अभियान में सांसद दिनेश मकवाना, डिप्टी मेयर अंजू शाह, स्थायी समिति के अध्यक्ष कमलेश पटेल, राजनीतिक नेता प्रेरक शाह, स्थानीय विधायक, नगर आयुक्त बंछानिधि पानी, वरिष्ठ अधिकारी, एएमसी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

एएमसी ने 2019 में 'मिशन मिलियन ट्रीज' अभियान शुरू किया था। इस पहल के तहत पेड़ लगाने का लक्ष्य समय के साथ बढ़ाया गया है और इस वर्ष नगर निकाय ने 50 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा था। नगर निकाय ने बताया कि उसने 'मिशन फाइव मिलियन ट्रीज' के तहत 50 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है।

विश्व केसरी

फीफा रैंकिंग: स्पेन टॉप पर बरकरार

पुर्तगाल पांचवें नंबर पर

विश्व केसरी ■

ज्यूरिख। फीफा वर्ल्ड रैंकिंग में विश्व चैंपियन स्पेन ने अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। ताजा रैंकिंग में पुर्तगाल और स्विट्जरलैंड को फायदा हुआ है। दोनों टीमें 2-2 स्थान ऊपर चढ़कर क्रमश: पांचवें और 12वें नंबर पर पहुंच गई हैं। अर्जेंटीना दूसरे नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, कोटे डी आइवर, स्वीडन, ग्रीस, माली और साउथ अफ्रीका को भी ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है।

स्पेन ने जुलाई में वर्ल्ड रैंकिंग में अर्जेंटीना को हटाकर टॉप पर जगह बनाई थी। इसकी वजह फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में 1-0 से जीत थी। स्पेन ने उसके बाद से अपने सभी चार मैच जीते हैं और पुरुषों के इंटरनेशनल फुटबॉल का रिकॉर्ड बिना हारे 42 मैचों तक पहुंचा दिया है।

स्पेन के बाद अर्जेंटीना, फ्रांस और इंग्लैंड का नंबर आता है, लेकिन पुर्तगाल पांचवें नंबर पर पहुंच गया, जिससे ब्राजील और मोरक्को क्रमश: छठे और सातवें नंबर पर आ गए। फीफा की रिपोर्ट के मुताबिक, नए कोच जॉर्ज जीसस के अंडर पुर्तगाल ने हाल ही में यूईएफए नेशंस लीग के अपने चारों गेम जीते, जिसमें नॉर्वे और डेनमार्क के खिलाफ मैच भी शामिल हैं।

वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर-फाइनलिस्ट स्विट्जरलैंड ने भी चार जीत हासिल कीं – तीन में 3-0 का स्कोर रहा। मूरत याकिन की टीम के लिए जेकी अमदौनी और डैन नडोये ने शानदार प्रदर्शन किया। स्विस टीम ने जर्मनी और क्रोएशिया को पीछे छोड़ दिया, जो 13वें और 14वें स्थान पर आ गए।

ऑस्ट्रेलिया (2 स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर), कनाडा, (3 स्थान ऊपर 27वें स्थान पर), कोटे डी आइवर (2 स्थान ऊपर 29वें स्थान पर) और स्वीडन (3 स्थान ऊपर 34वें स्थान पर) ने रैंक में ऊपर चढ़े। ग्रीस भी 5 स्थान ऊपर चढ़ते हुए 41वें स्थान पर पहुंच गया है। इवान जोवानोविक की टीम ने नेशंस लीग ए के अपने दो गेम जीते और दो ड्रॉ खेले, जर्मनी को 1-0 से हराया और नीदरलैंड्स को घर पर रोका।

माली और साउथ अफ्रीका छह-छह पायदान ऊपर चढ़कर 47वें और 48वें स्थान पर आ गए। डोर्गेलेस ने और टीनएज में शानदार प्रदर्शन करने वाली एंज मार्शल टिया से प्रेरित होकर, एंथनी डा सिल्वा की ईगल्स ने काबो वर्डे और लाइबेरिया को हराया, और मोरक्को में ड्रॉ खेला। बाफाना बाफाना ने गिनी और इरिट्रिया को हराया, और इससे पहले गोलकीपर सिफो चेन ने मिस्र में 1-0 की जीत में शानदार प्रदर्शन किया। अफ्रीका के अब टॉप 50 में 10 देश हैं।

आर्कटिक ओपन: प्रणय और श्रीकांत बाहर, गरागा-रॉय ने पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को हराया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आर्कटिक ओपन में गुरुवार को भारत के कृष्णा प्रसाद गरागा/पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय की जोड़ी ने चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी हे जी टिंग/रेन जियांग यू को 10-21, 21-18, 22-20 से मात देकर मेंस डबल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, अनुभवी सिंगल्स खिलाड़ी एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत को टूर्नामेंट से जल्द बाहर होना पड़ा।

बिना वरीयता वाली भारतीय जोड़ी ने पहला गेम हारने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए 61 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम किया। मई में लगातार हफ्तों में सेंट-डेनिस रीयूनियन ओपन और मैक्सिकन इंटरनेशनल चैलेंज जीतने वाले गरागा और रॉय का अगला मुकाबला क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इंग्लैंड के ओलिवर बटलर और सैमुअल जोन्स से होगा।

दूसरी तरफ, वर्ल्ड नंबर 31 खिलाड़ी श्रीकांत ने कनाडा के ब्रायन यांग के खिलाफ पहला गेम जीतकर अच्छी शुरुआत की थी। हालांकि, पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 अपनी लय बरकरार नहीं रख सके और आखिरकार 21-15, 15-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

इस नतीजे के साथ श्रीकांत के लिए मुश्किल सीजन और लंबा हो गया है। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जून में यूएस ओपन सुपर 300 में उपविजेता (रनर-अप) रहना रहा है। इस साल सर्किट पर उन्हें आठ बार पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा है।

चौथी वरीयता प्राप्त एंडर्स एंटोनसेन के खिलाफ प्रणय की चुनौती और भी जल्दी खत्म हो गई। पिछले महीने वियतनाम ओपन सुपर 100 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले 34 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी डेनिश खिलाड़ी के सामने टिक नहीं पाए और 21-10, 21-9 से हार गए। मेंस सिंगल्स ड्रॉ में अब भारत की उम्मीदें थारुन मन्नेपल्ली पर टिकी हैं, जिन्होंने क्वालीफाइंग राउंड से आगे बढ़कर अपना सफर जारी रखा है।

मंगलवार को मेन ड्रॉ में जगह बनाने वाले मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के मैग्नस जोहानसेन को 21-16, 21-14 से हराया और अब दूसरे राउंड में उनका मुकाबला फ्रांस के दूसरे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव से होगा।

वहीं, चीन के वेंग होंग यांग के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद रौनक चौहान का सफर खत्म हो गया। पहला गेम हारने के बाद चौहान ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया, लेकिन निर्णायक गेम में वेंग ने संयम बनाए रखा और 22-20, 20-22, 21-17 से जीत हासिल की।

विमेंस सिंगल्स में भारत का अभियान गुरुवार को फिर शुरू होगा।

शंघाई मास्टर्स की चुनौती के लिए तैयार हैं कार्लोस अल्काराज

विश्व केसरी ■

शंघाई। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने शंघाई मास्टर्स की चुनौती के लिए खुद को मानसिक तौर पर तैयार बताया है। अल्काराज ने हाल ही में जापान ओपन का खिताब जीता है।

अल्काराज ने टूर्नामेंट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं मानसिक तौर पर फ्रेश महसूस कर रहा हूं, जो मेरे लिए सबसे जरूरी बात है। मैं इस टूर्नामेंट का चैलेंज लेने के लिए तैयार हूं। अगर हम कुछ साल पहले देखें, शायद यह स्विंग या सीजन का यह हिस्सा, तो यह कभी भी मेरा सबसे अच्छा नहीं रहा। अभी, मैं बस इस टूर्नामेंट के लिए अच्छी हालत में रहना चाहता हूं, क्योंकि मैं टूर्नामेंट जीतना चाहता हूं। मुझे लगता है कि यह बाकी सीजन के लिए मेरे लिए एक एक्स्ट्रा बूस्ट होगा।'

अल्काराज यूएस ओपन 2026 में एक्शन में लौटे, जहां उन्होंने क्वार्टरफाइनल में पहुंचकर अपना फॉर्म दिखाया, लेकिन टाइटल बचाने में नाकाम रहे, क्योंकि वह अमेरिकी बेन शेल्टन से हार गए। इसके बाद वह टोक्यो में एक्शन में थे, जहां उन्होंने साल का अपना तीसरा टूर-लेवल टाइटल जीता। इससे पहले उन्होंने दोहा में ऑस्ट्रेलियन ओपन और कतर ओपन जीते थे।

अल्काराज ने अगस्त में एक सप्ताह के लिए होल्गर रून के साथ ट्रेनिंग की और डेन को हिम्मत दी, जो खुद पिछले साल अक्टूबर में एच्लीस इंजरी के कारण 11 महीने तक टेनिस से दूर रहे थे।

कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप शौर्य भट्टाचार्य ने दो-शॉट की बढ़त बनाई

विश्व केसरी ■

ग्रेटर नोएडा। कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप के पहले राउंड में बुधवार को शौर्य भट्टाचार्य ने 'सिक्स-अंडर-66' के स्कोर के साथ दो-शॉट की बढ़त हासिल की। ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजॉर्ट में जारी प्रतियोगिता में डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई में तीन बार के विजेता, 23 वर्षीय भट्टाचार्य ने सात बर्डी लगाईं और दिन का अपना एकमात्र शॉट 'पार-फोर' आठवें होल पर गंवाया।

भट्टाचार्य ने 'रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप' में 14वीं रैंकिंग के साथ इस हफ्ते की शुरुआत की थी। वह इस सीजन में एक और खिताब जीतने के करीब पहुंचे हैं; उन्होंने फरवरी में 'प्लेयर्स चैंपियनशिप 2026' और अगस्त में 'कोलार ओपन 2026' में संयुक्त रूप से रनर-अप (दूसरे स्थान) का स्थान हासिल किया था।

चंडीगढ़ के शुभंकर शर्मा, जो दो बार पीजीटीआई टूर विजेता रह चुके हैं, 'फोर-अंडर 68' के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। उनके राउंड में 'पार-फाइव' 12वें होल पर एक ईगल, तीन बर्डी और एक बोगी शामिल थी।

शुभंकर ने अप्रैल में पीजीटीआई पर 'बोल्डर्स क्लासिक' जीता था, जिससे एक प्रोफेशनल खिताब के लिए उनका आठ साल का इंतजार खत्म हुआ।

बांग्लादेश के जमाल हुसैन, गुरुग्राम के ध्रुव श्योराण और बेंगलुरु के मनोज एस ने 'टू-अंडर 70' का समान स्कोर बनाकर संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। जमाल ने एक बोगी के मुकाबले तीन बर्डी लगाईं, जबकि श्योराण ने छह बर्डी और चार बोगी का मिला-जुला खेल दिखाया। मनोज ने पांच बर्डी और तीन बोगी दर्ज कीं।

इस टूर्नामेंट में एक खास प्रो-एम फॉर्मेट है, जिसमें सभी चार राउंड में एमेच्योर खिलाड़ी प्रोफेशनल खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं। लंबे समय तक चले खेल के कारण कुछ खिलाड़ियों को फ्लडलाइट की रोशनी में भी खेलना पड़ा।

'रेस टू इंडिया चैंपियनशिप' में अभी सबसे आगे चल रहे सप्तक तलवार ने तीन-ओवर 75 के स्कोर के साथ शुरुआत की और संयुक्त रूप से 36वें स्थान पर रहे। बुधवार को प्रो-एम इवेंट प्रोफेशनल शौर्य भट्टाचार्य और एमेच्योर डॉ. हमीदी की टीम ने जीता। उनका स्कोर 44 स्टेबलफोर्ड प्वाइंट्स था और उन्होंने काउंटबैक के आधार पर जीत हासिल की।

श्रेयस अय्यर को इस शतक की जरूरत थी और यह सही समय पर आया है: पुजारा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ 8 विकेट से मिली जीत में शानदार पहला टी20 इंटरनेशनल शतक लगाने के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि यह पारी उनके लिए बिल्कुल सही समय पर आई है।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में जब अय्यर बल्लेबाजी करने आए तो भारत 35/2 के स्कोर पर मुश्किल में था। उन्होंने 43 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाए। इस पारी ने मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन भारत को आठ विकेट और 32 गेंदें बाकी रहते हुए जीत दिलाने और पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाने में मदद की।

पुजारा ने 'जियोहॉटस्टार' से बात करते हुए कहा, 'यह शतक सही समय पर आया, क्योंकि वह उस फॉर्म की तलाश में थे। उनकी बल्लेबाजी पर कोई सवाल नहीं था क्योंकि टी20 फॉर्मेट की बात करें तो मुझे लगता है कि श्रेयस एक बेहतरीन क्रिकेटर हैं, इसलिए उनकी काबिलियत पर कोई शक नहीं है, हालांकि लखनऊ में पारी के दौरान वह जिस लय में थे, मैदान पर आते ही वह गेंद को अच्छे से टाइम कर रहे थे और पावरप्ले के दौरान इनफील्ड को आसानी से पार कर रहे थे। एक बार सेट होने के बाद उन्होंने बड़े शॉट और बड़े छक्के लगाना शुरू कर दिया ।

मोनांक पटेल की कप्तानी पारी, यूएसए ने नामीबिया को 4 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

टेक्सास। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप लीग टू 2023-2027 के दौरान ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम, टेक्सास में हुए एक रोमांचक मुकाबले में यूएसए ने नामीबिया पर 4 विकेट से जीत दर्ज की। यूएसए की जीत में कप्तान मोनांक पटेल की शतकीय पारी की भूमिका रही।

नामीबिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन के बेहतरीन शतक और कप्तान गेरहार्ड इरास्मस के विस्फोटक अर्धशतक और इन दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए हुए 102 रन की साझेदारी की बदौलत नामीबिया ने 9 विकेट पर 298 रन बनाए।

माइकल वैन लिंगेन ने 121 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 124 रन की पारी खेली। कप्तान इरास्मस ने 45 गेंदों पर 3 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 76 रन बनाए। इसके अलावा, लौरेन स्टीनकैंप ने 30 और विकेटकीपर जेन ग्रीन ने 22 रन बनाए।

यूएसए के लिए एहसान आदिल ने 4, शेहान जयसूर्या ने 3 विकेट लिए। सौरभ नेत्रवलकर और मिलिंद कुमार को 1-1 विकेट मिला।

299 रन का लक्ष्य यूएसए के लिए आसान नहीं था, लेकिन पारी की शुरुआत करने उतरे कप्तान मोनांक पटेल ने बेहतरीन शतक लगाते हुए इसे संभव कर दिखाया। मोनांक ने 100 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 108 रन की पारी खेली। मोनांक को विकेटकीपर बल्लेबाज स्मित पटेल और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए शेहान जयसूर्या का अच्छा सहयोग मिला।

मोनांक ने पहले विकेट के लिए स्मित पटेल (50) के साथ 96 रन की साझेदारी की। इसके बाद उन्होंने शेहान जयसूर्या (74) के साथ दूसरे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की।

इसके अलावा, मिलिंद कुमार ने 18, संजय कृष्णमूर्ति और हरमीत सिंह ने 12 रन बनाए। यूएसए ने 48.5 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 299 रन बनाकर 4 विकेट से मैच जीत लिया।

नामीबिया के लिए जेजे स्मिट और जान निकोल लोफ्टी-ईटन ने 2-2 विकेट लिए। रूबेन ट्रम्पेलमैन और बर्नार्ड शोल्ट्ज को 1-1 विकेट मिला।

इंटरनेशनल ब्रेक के बाद ला लीगा की आज से होगी शुरुआत

विश्व केसरी ■

मैड्रिड। लंबे इंटरनेशनल ब्रेक के बाद स्पेन की मशहूर फुटबॉल लीग ला लीगा लीग शुक्रवार से फिर शुरू हो रही है। हालांकि, कई क्लब अपने खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि वे पिछले लगभग तीन हफ्तों से अपनी राष्ट्रीय टीमों के लिए खेल रहे थे। लगातार मैच खेलने की वजह से खिलाड़ियों के चोटिल होने और थकान का खतरा बढ़ गया है।

ला लीगा के इस राउंड की शुरुआत मालागा और एस्पेनयोल के मुकाबले से होगी। टॉप डिवीजन में वापसी करने वाली मालागा टीम अभी अपनी पहली जीत की तलाश में है। वहीं, एस्पेनयोल के लिए अच्छी खबर यह है कि घुटने की गंभीर चोट से उबरने के बाद फॉरवर्ड जावी पुआडो बेंच से वापसी कर सकते हैं।

दूसरी ओर, बार्सिलोना को गेटाफे के खिलाफ घरेलू मैच से पहले कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर चिंता सता रही है। ब्राजील की टीम से जुड़े राफिन्हा और स्पेन के खिलाड़ी एरिक गार्सिया इंटरनेशनल ड्यूटी के दौरान फिटनेस समस्याओं के कारण समय से पहले वापस लौटे थे। ऐसे में बार्सिलोना उनके मैच में खेलने को लेकर अंतिम फैसला मैच से पहले ही करेगा।

गोलकीपर जोन गार्सिया घुटने की चोट से उबरकर वापसी के करीब हैं, जिसके कारण उन्हें स्पेन की टीम से बाहर होना पड़ा था। वहीं, कोच हांसी फ्लिक को यह तय करना होगा कि क्या लैमिन यमल को शुरुआती लाइन-अप में रखा जाए, क्योंकि इस विंगर ने ब्रेक के दौरान स्पेन के सभी चार मैचों में हिस्सा लिया था।

'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, रियल मैड्रिड को विल्लारियल के खिलाफ अपने घरेलू मैच में किलियन एम्बाप्पे के बिना खेलना पड़ सकता है।

सैटेलाइट कम्युनिकेशन पर भेदभाव के आरोप बेबुनियाद, भारत का फ्रेमवर्क निष्पक्षः संचार मंत्रालय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सर्कुलेट हो रही है, जिसमें भारत के सैटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विसेज के रेगुलेटरी फ्रेमवर्क की निष्पक्षता पर सवाल उठाया गया है और कहा जा रहा है कि इसे भेदभावपूर्ण तरीके से लागू किया जा रहा है। इस पर भारत सरकार के संचार मंत्रालय ने स्थिति स्पष्ट की है।

संचार मंत्रालय ने कहा है कि उसने सभी टेलीकॉम सेवाओं के लिए, जिसमें सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवाएं भी शामिल हैं, एक निष्पक्ष और गैर-भेदभावपूर्ण ऑथराइजेशन फ्रेमवर्क बनाया है।

इसी फ्रेमवर्क के तहत, भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवाएं शुरू करने की अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, सरकार ने तीन ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) सर्विसेज को टेलीकॉम लाइसेंस दिए हैं। ये लाइसेंस नॉन-जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट ऑर्बिट बेस्ड सैटेलाइट कम्युनिकेशन पर आधारित हैं।

लाइसेंस की शर्तों के अनुसार, हर लाइसेंस धारक को सुरक्षा शर्तों का पालन करना अनिवार्य है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि दी जाने वाली सेवाएं सभी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करें, ताकि सभी यूजर्स और उनके डेटा की सुरक्षा बनी रहे।

संचार मंत्रालय ने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत सुरक्षा मूल्यांकन फिलहाल तीनों लाइसेंस धारकों के लिए चल रहा है। जैसे ही किसी लाइसेंस प्राप्त कंपनी के लिए यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, वह स्पेक्ट्रम के आवंटन के अगले चरण की ओर बढ़ सकती है।

फिलहाल तीनों कंपनियां मोटे तौर पर एक ही रेगुलेटरी स्टेज पर हैं। ऐसे में यह कहना कि फ्रेमवर्क या उसका लागू किया जाना अनुचित या भेदभावपूर्ण है, पूरी तरह से बेबुनियाद और गलत धारणा पर आधारित है।

बता दें कि मिनिस्ट्री का यह बयान स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क के एक पोस्ट के बाद आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि उनकी सैटेलाइट कम्युनिकेशन कंपनी स्टारलिंक के भारत प्लान को 'कुछ अमीर लोग' रोक रहे हैं।

स्टारलिंक अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स द्वारा चलाई जाने वाली एक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा है। इसके मालिक एलन मस्क हैं। परंपरागत सैटेलाइट इंटरनेट बहुत ऊंचाई पर होते हैं, लेकिन स्टारलिंक के हजारों छोटे सैटेलाइट पृथ्वी से काफी कम ऊंचाई (करीब 500-550 किमी) पर चक्कर लगाते हैं। कम ऊंचाई पर होने के कारण डेटा तेजी से ट्रांसफर होता है और इंटरनेट की स्पीड अच्छी मिलती है।

व्यापारी संगठनों ने नए यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क को त्योहारी सीजन तक टालने की अपील की

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। व्यापारी संगठनों ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) से 15 अक्टूबर से लागू होने वाले नए यूपीआई एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) फ्रेमवर्क को त्योहारी सीजन तक टालने की अपील की है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

सूत्रों के हवाले से एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट में बताया गया कि व्यापारी संगठनों ने त्योहारी सीजन और अगले साल की शुरुआत तक प्रस्तावित यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क को टालने की अपील की है। व्यापारी संगठनों का कहना है कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो त्योहारी सीजन में उनकी बिक्री पर असर हो सकता है।

नए एमडीआर फ्रेमवर्क के तहत 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई भुगतानों के लिए चुनिंदा व्यापारी श्रेणियों पर 5 रुपए का एक समान शुल्क लागू होगा, जबकि 2,000 रुपए से अधिक के बड़े पर्सन टू मर्चेंट (पी2एम) भुगतानों पर 0.4 प्रतिशत का शुल्क लगेगा, जिसकी अधिकतम सीमा 300 रुपए होगी।

एनपीसीआई का अनुमान है कि इन बदलावों का असर मर्चेंट ट्रांजैक्शन के सिर्फ 4 प्रतिशत हिस्से पर ही पड़ेगा, और 95 प्रतिशत से ज्यादा पर्सन-टू-मर्चेंट यूपीआई पेमेंट एमडीआर फ्रेमवर्क के दायरे से बाहर रहेंगे। पीयर-टू-पीयर (पी2पी) मर्चेंट मॉडल का इस्तेमाल करने वाले छोटे मर्चेंट को जीरो एमडीआर की सुविधा मिलती रहेगी।

आम यूजर्स के लिए मुफ्त यूपीआई इस्तेमाल पर कोई मासिक कोटा या लिमिट तय नहीं की गई है, और वे तय मुफ्त फ्रेमवर्क के तहत ट्रांजैक्शन पर बिना किसी एमडीआर चार्ज के यूपीआई पेमेंट करना जारी रख सकते हैं।

नए फ्रेमवर्क में छोटे व्यापारियों के बीच यूपीआई के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए एक खास फंड भी बनाया गया है, जिसके लिए कुल एमडीआर कलेक्शन का 5 प्रतिशत हिस्सा तय किया गया है। एमडीआर से होने वाली कमाई को अलग-अलग कंपनियों के बीच बांटा जाएगा और इसका मकसद यूपीआई के विस्तार, साइबर सिक्योरिटी और इनोवेशन को बढ़ावा देना है।

साथ ही, एनपीसीआई ने बैंकों को यह पक्का करने के लिए कहा है कि व्यापारी एमडीआर चार्ज का बोझ ग्राहकों पर न डालें।

सिर्फ महिलाओं को नहीं, पुरुषों को भी हो सकता है ब्रेस्ट कैंसर : डब्ल्यूएचओ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ब्रेस्ट कैंसर का नाम सुनते ही आमतौर पर हमारे मन में महिलाओं की तस्वीर आती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि पुरुष भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, ब्रेस्ट कैंसर के करीब 99 प्रतिशत मामले महिलाओं में पाए जाते हैं, जबकि लगभग 0.5 से 1 प्रतिशत मामले पुरुषों में होते हैं। संख्या भले ही कम हो, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि पुरुषों में इस बीमारी का खतरा नजरअंदाज कर दिया जाए।

हर साल अक्टूबर को 'ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह' के रूप में मनाया जाता है। इसका मकसद

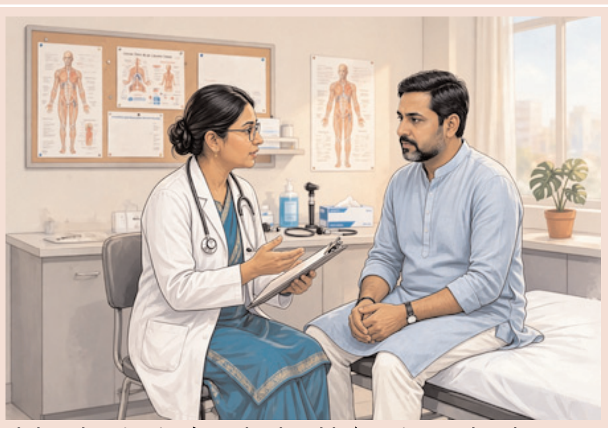

लोगों को बीमारी के बारे में जागरूक करना, समय पर पहचान और इलाज के महत्व को समझाना और इससे प्रभावित लोगों को समर्थन देना है।

महिलाओं की तुलना में पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर के मामले काफी कम होते हैं। इसी वजह से कई बार पुरुष अपने शरीर में होने वाले बदलावों को गंभीरता से नहीं लेते। ब्रेस्ट में गांठ, निप्पल के आसपास बदलाव, निप्पल से किसी तरह का स्राव या त्वचा में असामान्य परिवर्तन जैसे लक्षण दिखाई दें तो इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

सबसे जरूरी बात यह है कि पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर का इलाज भी बीमारी की स्थिति और उसके प्रकार के आधार पर किया जाता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर का उपचार महिलाओं में अपनाए जाने वाले इलाज के सिद्धांतों के अनुरूप ही होता है। इसी कारण पुरुषों के लिए भी समय पर डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी है। ब्रेस्ट कैंसर के खिलाफ लड़ाई में शुरुआती पहचान को सबसे अहम माना जाता है। अगर बीमारी शुरुआती चरण में पकड़ में आ जाए तो समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। यही वजह है कि लोगों को शरीर में होने वाले असामान्य बदलावों के प्रति जागरूक रहने की जरूरत है।

हर रोज करें उत्थित पार्श्वकोणासन, पैरों और पेट की मांसपेशियों को मिलेगी मजबूती

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग पद्धति में ऐसे कई आसन हैं, जो शरीर को मजबूत बनाने के साथ-साथ लचीलापन और संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। 'उत्थित पार्श्वकोणासन' भी ऐसा ही एक योगासन है, जो शरीर के निचले हिस्से को मजबूत करने और पार्श्व अंगों में खिंचाव लाने के लिए किया जाता है।

'उत्थित पार्श्वकोणासन' को 'एक्सटेंडेड साइड एंगल पोज' भी कहा जाता है। इस आसन में एक हाथ जमीन पर और दूसरा हाथ सिर के ऊपर तिरछा उठाकर शरीर को एक सीधी रेखा में खींचा जाता है। इसके अभ्यास से पैरों, जांघों, कूल्हों और पेट की मांसपेशियों को मजबूत रहती है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर रहती है और रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आता है।

आयुष मंत्रालय ने इसको करने के फायदे पर अहम प्रकाश डाला है। 'उत्थित पार्श्वकोणासन' एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ विस्तारित 'पार्श्व कोण मुद्रा' है। यह खड़े होकर किया जाने वाला योगासन है, जो पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वहीं, इससे दिमाग को शांति भी मिलती है और मानसिक तनाव से भी दूरी बनी रहती है। नियमित अभ्यास से शरीर का संतुलन, ध्यान और सहनशक्ति भी बढ़ती है।

इसे करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे-धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा 90 डिग्री के एंगल में रखने की कोशिश करें। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने की कोशिश करें, फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

बच्चों में तेजी से बढ़ रहा मोटापा, डब्ल्यूएचओ ने जारी की पहली ग्लोबल गाइडलाइन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज के समय में मोटापा सिर्फ बड़ों की समस्या नहीं रह गया है। बच्चों और किशोरों में भी बढ़ता वजन चिंता का विषय बनता जा रहा है। बदलती जीवनशैली, शारीरिक गतिविधियों की कमी और खानपान की आदतों में बदलाव के बीच बचपन में मोटापे के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसी बढ़ती समस्या को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बच्चों और किशोरों में मोटापे की देखभाल और इलाज को लेकर पहली वैश्विक गाइडलाइन जारी की है।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक साल 2024 में दुनियाभर में 5 से 19 साल की उम्र के करीब 17 करोड़ बच्चे और किशोर मोटापे के साथ जी रहे थे। इनमें 5 से 9 साल की उम्र के करीब 7 करोड़ बच्चे और 10 से 19 साल के करीब 10 करोड़ किशोर शामिल थे। चिंता की बात यह है

कि इस आयु वर्ग में मोटापे की दर 1990 के बाद से चार गुना बढ़ गई है। उस समय यह दर करीब 2 फीसदी थी जो 2024 में बढ़कर 8 फीसदी हो गई।

डब्ल्यूएचओ का कहना है कि मोटापा एक ऐसी बीमारी है, जो लंबे समय तक बनी रह सकती है और दोबारा भी हो सकती है। इसका असर सिर्फ बच्चे के वजन तक सीमित नहीं रहता। बचपन में मोटापा आगे चलकर टाइप-2 डायबिटीज और हृदय संबंधी बीमारियों समेत कई गैर-संचारी रोगों का खतरा बढ़ा सकता है। इसके अलावा मोटापे से जूझ रहे बच्चों को स्कूल या समाज में मजाक, भेदभाव और बुलिंग का सामना भी करना पड़ सकता है, जिसका असर उनके आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

नई गाइडलाइन में डब्ल्यूएचओ ने बच्चों और किशोरों के इलाज में केवल वजन कम करने पर ध्यान देने के बजाय उनकी पूरी सेहत और जीवनशैली को बेहतर बनाने पर जोर दिया है। संगठन ने मोटापे से जूझ रहे बच्चों और किशोरों के लिए व्यवस्थित डाइट, नियमित शारीरिक गतिविधि और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव से जुड़े उपायों की सलाह दी है।

डब्ल्यूएचओ ने यह भी स्पष्ट किया है कि छोटे बच्चों के मामले में दवाओं या सर्जरी को सामान्य इलाज के तौर पर नहीं अपनाना चाहिए। 0 से 9 साल के बच्चों के लिए मोटापे के इलाज में दवाओं, बैरियाट्रिक सर्जरी और वजन घटाने वाले उपकरणों की सिफारिश नहीं की गई है। 10 से 19 साल के किशोरों में भी दवाओं पर तभी विचार किया जा सकता है, जब विशेषज्ञों की निगरानी में चलाया गया लाइफस्टाइल कार्यक्रम अपेक्षित परिणाम न दे।

गाइडलाइन में मानसिक स्वास्थ्य को भी नजरअंदाज न करने की बात कही गई है। चिंता, अवसाद, कम आत्मसम्मान और भावनात्मक परेशानियां बच्चों की खान-पान और शारीरिक गतिविधियों की आदतों को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए मोटापे के साथ-साथ बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भी समय रहते ध्यान देना जरूरी है।

जल शिक्षा पर पीएम मोदी का जोर सराहनीयः सीआर पाटिल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने गुरुवार को शिक्षा में जल से जुड़े विषयों को शामिल करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर जोर दिया। इस विजन के तहत स्कूली पाठ्यक्रम में जल से संबंधित जानकारी शामिल की जाएगी और उच्च शिक्षण संस्थानों में जल प्रबंधन और गवर्नेंस के कोर्स चलाए जाएंगे।

एम्पावर्ड टास्क फोर्स (ईटीएफ) की 20वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीआर पाटिल ने जोर दिया कि इस तरह की एकेडमिक पहल एक मजबूत नॉलेज बेस बनाने और ऐसे प्रोफेशनल्स का कैडर तैयार करने में योगदान दे सकती हैं, जो नदी प्रबंधन के इकोलॉजिकल, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और पॉलिसी से जुड़े पहलुओं को संभालने में सक्षम हों।

उन्होंने कहा कि नदी से जुड़े प्रोफेशनल्स और छात्रों के लिए शहर और राज्य स्तर पर इन कोर्स को बढ़ावा दिया जा सकता है, और इन कोर्स को करने वाले छात्रों पर शहरों में नदी से जुड़े कामों के लिए विचार किया जा सकता है।

उन्होंने नदियों के समग्र कायाकल्प के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और नमामि गंगे कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की।

केंद्रीय मंत्री ने नदी के कायाकल्प में तेजी लाने के लिए अहम उपायों पर चर्चा की, जिनमें बेहतर सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर, वैज्ञानिक जल प्रबंधन, ट्रीटेड वेस्टवॉटर का सुरक्षित दोबारा इस्तेमाल, इकोलॉजिकल बहाली, भूजल प्रबंधन, प्रकृति-आधारित समाधान और स्टेकहोल्डर्स के बीच बेहतर तालमेल शामिल हैं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक में सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर, डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने और उसके मूल्यांकन, जमीन की उपलब्धता, ट्रीटेड वेस्टवॉटर के सुरक्षित दोबारा इस्तेमाल (एसआरटीडब्ल्यू), एक्विफर मैपिंग, वेटलैंड्स, सिटी सैनिटेशन एक्शन प्लान (सीएसएपी), एरियल ड्रेनेज मैपिंग और राज्य गंगा समितियों की नियमित बैठकों की स्थिति की समीक्षा की गई।

बताया गया कि बरौनी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के लिए संशोधित डीपीआर मिल गई है और मूल्यांकन के लिए आईआईटी-बीएचयू भेजी गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में शांतिपुर एसटीपी के लिए डीपीआर को कार्यकारी समिति ने मंजूरी दे दी है।

बिहार और पश्चिम बंगाल ने ट्रीटेड वेस्टवॉटर के दोबारा इस्तेमाल पर अपनी पॉलिसी नोटिफाई कर दी हैं, जबकि झारखंड राज्य कैबिनेट की मंजूरी लेने की प्रक्रिया में है।

बैठक में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत प्रोजेक्ट्स की कुल स्थिति और वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कार्यक्रम के प्रदर्शन की समीक्षा की गई। अगस्त 2026 तक, कुल 43,266 करोड़ रुपए की लागत से 527 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 368 प्रोजेक्ट्स पूरे हो चुके हैं। सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर के तहत, 219 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है, जिससे 6,603 एमएलडी की ट्रीटमेंट क्षमता और 5,245 किलोमीटर का सीवर नेटवर्क तैयार हुआ है।

इनमें से 147 प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं, जिनसे 4,339 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट क्षमता बनी है और 4,615 किलोमीटर का सीवर नेटवर्क तैयार हुआ है।

इस बैठक में जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी, जल संसाधन विभाग की सचिव अर्चना वर्मा, पेयजल और स्वच्छता विभाग के सचिव अशोक के.के. मीना और नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) के महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल भी शामिल हुए।

देश में दो विचारधाराओं की लड़ाईः गौरव भाटिया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मौजूदा समय में देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है। एक तरफ संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करते हुए जनता की सेवा करने वाली विचारधारा है, जबकि दूसरी ओर विपक्ष है, जो संविधान को कमजोर कर अराजकता का माहौल पैदा कर रहा है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान की मूल भावना का सम्मान करते हुए पिछले 25 वर्षों में पहले मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में संवैधानिक तरीके से देश की जनता की सेवा कर रहे हैं। उनका यह सफर सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। एक तरफ संवैधानिक मूल्यों और जनता की सेवा का संकल्प है, जबकि दूसरी ओर विपक्षी दलों की ओर से लगातार ऐसे बयान दिए जा रहे हैं, जिनसे अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने पंजाब में हुए नगर निकाय चुनावों का मुद्दा उठाते हुए आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने पंजाब के 50 नगर निकाय वार्डों में हुए चुनावों को रद्द कर दिया है। यह फैसला बेहद महत्वपूर्ण है और इससे यह सवाल खड़ा होता है कि जो पार्टी कभी 'स्वराज' के नारे के साथ राजनीति में आई थी, वह आज किस दिशा में जा रही है। आम आदमी पार्टी की सरकार में चुनाव प्रक्रिया में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया गया और विपक्षी दलों के उम्मीदवारों को नामांकन तक दाखिल नहीं करने दिया गया।

उन्होंने कहा कि मई 2026 में हुए इन निकाय चुनावों की जिम्मेदारी राज्य सरकार की थी। चुनावों के दौरान सामने आई शिकायतों और तथ्यों का संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक सदस्यीय तथ्य-खोज समिति का गठन किया था। इस समिति की जिम्मेदारी पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को सौंपी गई थी। शिकायतों के अध्ययन और जांच के बाद समिति ने सुप्रीम कोर्ट के सामने जो तथ्य रखे, वे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। आम आदमी पार्टी से जुड़े लोगों ने सरकारी तंत्र का कथित रूप से दुरुपयोग करते हुए विपक्षी दलों के उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से रोकने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि यदि किसी उम्मीदवार को नामांकन पत्र तक दाखिल करने का अवसर नहीं दिया जाता है, तो यह सीधे तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करता है। गौरव भाटिया ने राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल समेत विपक्षी दलों के नेताओं के उन आरोपों पर भी सवाल उठाए।

'थप्पड़' मामले में दिल्ली सरकार और मंत्री प्रवेश वर्मा को नोटिस

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा की ओर से कथित तौर पर एक शख्स को थप्पड़ मारे जाने के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने पीड़ित को पुलिस सुरक्षा दिए जाने की मांग वाली याचिका पर दिल्ली सरकार और मंत्री प्रवेश वर्मा को नोटिस जारी किया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले में दिल्ली पुलिस से स्टेट्स रिपोर्ट भी मांगी है। पीड़ित की ओर से पुलिस प्रोटेक्शन की मांग को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट मे अर्जी दाखिल की गई है। जिस पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार और मंत्री को नोटिस जारी किया है।

27 सितंबर को दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा पर आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक जरनैल सिंह के साथ काम करने वाले साहिब सिंह ने थप्पड़ मारने का आरोप लगाया था। साहिब सिंह ने दावा किया था कि निरीक्षण के दौरान मंत्री प्रवेश वर्मा ने उनके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और उन्हें थप्पड़ मारा। साहिब सिंह ने मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की थी।

थप्पड़ मारने के आरोप के मामले में प्रवेश वर्मा की ओर से 27 सितंबर को ही सफाई सामने आई थी। प्रवेश वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर करीब तीन मिनट का एक वीडियो पोस्ट कर पूरे घटनाक्रम को लेकर अपना पक्ष रखा था। वीडियो में उन्होंने घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सफाई देते हुए कहा था कि उनके परिवार के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया था। परिवार को गाली दिए जाने के बाद प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक था।

रेलवे में 3,548 पदों पर होगी भर्ती

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रेलवे में नौकरी करने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक सुनहरा मौका सामने आया है। दरअसल, रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरीज (ग्रेजुएट) के विभिन्न 3,548 पदों पर रिक्तियों की घोषणा एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके की है।

आरआरबी की ओर से जारी कुल 3,548 रिक्तियों में चीफ कमर्शियल-सह-टिकट सुपरवाइजर के 127, गुड्स ट्रेन मैनेजर के 2,750, जूनियर अकाउंट्स असिस्टेंट-सह-टाइपिस्ट के 300 और सीनियर क्लर्क-सह-टाइपिस्ट के 371 पद शामिल हैं।

इन सभी पोस्ट के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 8 अक्टूबर से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 6 नवंबर तक तय की गई है। एप्लीकेशन फॉर्म भरने के इच्छुक उम्मीदवार आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपनी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। वहीं, आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 8 नवंबर तक तय की गई है। हालांकि, जिन अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र भरते समय कुछ गलती हो जाएगी, उनके लिए फॉर्म में त्रुटि को सुधारने का विंडो मॉडिफिकेशन फीस के साथ 9 नवंबर से 18 नवंबर तक सक्रिय रहेगा।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। आवेदकों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 33 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना 1 जनवरी 2027 के आधार पर की जाएगी।

वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले अभ्यर्थियों को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

आवेदन पत्र भरते समय उम्मीदवारों को अपने वर्ग अनुसार निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा।

बस में नाबालिग से गैंगरेपः 24 अक्टूबर से शुरू होगा ट्रायल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा से दिल्ली आ रही चलती स्लीपर बस में नाबालिग छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में तीस हजारी कोर्ट ने बस चालक और कंडक्टर के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। फास्ट ट्रैक अदालत में दोनों आरोपियों के खिलाफ नाबालिग के अपहरण, गलत तरीके से रोकने, सामूहिक दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा चलेगा। अदालत में मामले की अगली सुनवाई 24 अक्टूबर से शुरू होगी।

यह मामला 4 अगस्त 2026 का है। पुलिस के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के मैनपुरी की रहने वाली नाबालिग छात्रा नोएडा के सेक्टर-63 में अपने रिश्तेदार से मिलने जा रही थी। रास्ते में वह परी चौक के पास उतर गई थी। इसी दौरान उसने एक स्लीपर बस को रुकवाकर चालक और कंडक्टर से नोएडा जाने के बारे में जानकारी ली। आरोप है कि उसे बताया गया कि बस सेक्टर-63 की ओर जा रही है, जिसके बाद वह बस में सवार हो गई।

पुलिस की जांच के अनुसार, बस में उस समय कोई अन्य यात्री नहीं था। बस के आगे बढ़ने के बाद आरोप है कि कंडक्टर ने नाबालिग के साथ अभद्र व्यवहार किया और विरोध करने पर उसे धमकी दी। इसके बाद करीब 47 किलोमीटर के सफर के दौरान चालक और कंडक्टर ने कथित तौर पर उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी।

'झूठा' बयान देने पर छह सीबीआई अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई का आदेश

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने छह सीबीआई अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया है। इन अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक आईआरएस अधिकारी की बर्खास्तगी को चुनौती देने के प्रस्तावित मामले में प्रशासनिक मंत्रालय के साथ पत्राचार के संबंध में अदालत के समक्ष जानबूझकर झूठा बयान दिया था।

न्यायमूर्ति मधु जैन की एकल पीठ ने भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी अशोक कुमार अग्रवाल द्वारा दायर आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश पारित किया। अग्रवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें संबंधित सीबीआई अधिकारियों के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 340 के तहत कार्यवाही शुरू करने से इनकार कर दिया गया था। उच्च न्यायालय ने विशेष न्यायाधीश को सुशील दीवान, विनीत विनायक, अमित कुमार, रमन त्यागी, प्रेम कुमार गौतम और मोहम्मद आजाद के खिलाफ आईपीसी की धारा 191 और धारा 193 तथा धारा 209 के तहत दंडनीय अपराधों के कथित कृत्य के लिए लिखित शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया।

शिकायत को निर्णय प्राप्त होने के चार सप्ताह के भीतर संबंधित क्षेत्राधिकार वाले मजिस्ट्रेट को भेजने का निर्देश दिया गया है। यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आय से अधिक संपत्ति के मामले में सीबीआई द्वारा अग्रवाल के खिलाफ चलाए गए अभियोजन से संबंधित है। अभियोजन 26 नवंबर 2002 को पारित एक स्वीकृति आदेश पर आधारित था।

जनवरी 2016 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंजूरी को अमान्य घोषित कर दिया था।

एनएचआरसी ने महिला पत्रकारों से कथित यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली पुलिस से मांगी रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने 3 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के जवानों पर तीन महिला पत्रकारों के कथित यौन उत्पीड़न से संबंधित मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है।

एनएचआरसी ने कहा कि यदि मीडिया रिपोर्ट में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मानवाधिकारों के उल्लंघन से जुड़ा गंभीर मामला है। आयोग ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर मामले में विस्तृत रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर पेश करने को कहा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए जाने के समय तीन महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर कथित यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाए थे।

एनएचआरसी ने कहा कि 5 अक्टूबर को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, नई दिल्ली जिला पुलिस को इन घटनाओं से संबंधित शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों को निष्पक्ष जांच के लिए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को भेज दिया गया है।

दिल्ली पुलिस ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 3 अक्टूबर को नई दिल्ली इलाके में हुए प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। पुलिस ने बताया कि नई दिल्ली जिला पुलिस को उनकी शिकायतें मिली हैं और निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच के लिए इन्हें क्राइम ब्रांच को स्थानांतरित किया गया है।

जंतर-मंतर पर ये प्रदर्शन निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद आयोजित किए गए थे। प्रदर्शनकारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

इस बीच, आरोपों के सामने आने के बाद सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विवेक भगत ने स्वेच्छा से अनुरोध किया कि कथित उत्पीड़न की पूरी जांच होने और उसके संतोषजनक निष्कर्ष तक उन्हें अस्थायी वर्तमान ड्यूटी प्रभार पर बने रहने की अनुमति न दी जाए।

अराजक प्रदर्शनों का सदा किया है विरोध- बजरंग दल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बजरंग दल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों को लेकर अपनी स्थिति साफ की है। संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा है कि वह देश में किसी भी तरह के अराजक प्रदर्शन का हमेशा विरोध करता रहा है।

बजरंग दल ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'देश में किसी भी प्रकार के अराजक प्रदर्शन का बजरंग दल सदा विरोध करता रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की आड़ में हो रहे ऐसे प्रदर्शनों का भी बजरंग दल विरोध करता है।'

संगठन ने साथ ही उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा जा रहा था कि बजरंग दल के कार्यकर्ता जंतर-मंतर पर जुटने वाले हैं। बजरंग दल ने कहा, 'कुछ लोग जंतर मंतर पर बजरंग दल कार्यकर्ताओं के आने के भ्रामक दुष्प्रचार में जुटे हैं जबकि बजरंग दल की ओर से ऐसी कोई योजना नहीं है। वैसे भी, जन समर्थन के अभाव में यह कथित आंदोलन, पूर्व की भांति अपनी स्वाभाविक मौत मरने वाला है।'

बता दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। पहला कारण एसआईआर के तहत मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप है। विपक्षी दलों और प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि एसआईआर अभियान के दौरान मतदाता सूची से बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं।

दूसरा कारण चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों की अनदेखी से जुड़ा है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अन्य चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने चुनाव आयोग के कुछ फैसलों पर 10 महीने में 14 बार आपत्तियां दर्ज कराई थीं। आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इन आपत्तियों को नजरअंदाज किया।

इस पूरे विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य सदस्यों की मंजूरी के बिना कई अहम फैसले लिए हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415